फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 247 प्रभात जयपुर, शनिवार 11 अप्रैल, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

She chose prison

Her answer shocked a nation. It ignited a debate that spread from India to England. And it helped change the law for millions of girls who would come after her

Care And Eat Its Fruit

Nair's Titanic, 1912

When people asked, he would say, "That was a ship that would not float!"

कांग्रेस व विपक्ष फंसा भाजपा के जाल में

महिला आरक्षण विधेयक में बाधक बनने की तोहमत से बचने के लिए, कांग्रेस ने महिला आरक्षण विधेयक को पारित करने का निर्णय लिया सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक में

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। मोदी सरकार ने महिला आरक्षण बिल को लेकर कांग्रेस और विपक्ष को चौंका दिया है, तथा विपक्ष के पास लगभग कोई विकल्प नहीं छोड़ा, सिवाय इसके कि वे इसका जोर-शोर से विरोध करें।

कांग्रेस कार्य समिति की बैठक शुक्रवार शाम को हुई, जिसमें सरकार द्वारा विधानसभा चुनाव के बीच 16 से 19 अप्रैल तक विशेष सत्र बुलाकर महिलाओं के आरक्षण बिल पारित करने पर चर्चा की गई। कांग्रेस ने 15 अप्रैल को सभी विपक्षी नेताओं की बैठक बुलाई है, ताकि यह तय किया जा सके कि बिल का विरोध किए बिना इसे संसद में कैसे रोकें।

- पर, शायद यह कांग्रेस को याद नहीं रहा कि सितंबर 2023 को सरकार ने विपक्ष की मदद से विधेयक पारित कराया था कि महिला आरक्षण विधेयक जनगणना व परिसीमन के बाद ही संसद में पेश किया जा सकता है
- अतः, अब कांग्रेस व विपक्ष पूरा जोर लगा रहे हैं, पर्याप्त संख्या इकट्ठी करने में, जिससे संविधान संशोधन विधेयक पारित न हो पाए।
- और, इससे अप्रत्यक्ष रूप से सीटों का परिसीमन हो जाएगा, जो दक्षिण भारत के राज्यों का राजनीतिक प्रभाव बहुत सीमित हो जाएगा और उत्तर भारत को ज्यादा संसदीय सीटें मिल जाएंगी।
- और, भाजपा सरकार का मकसद पूरा हो जाएगा।
- बंगाल व तमिलनाडु के चुनाव से पूर्व यह घटनाक्रम कांग्रेस व डीएमके के गठबंधन के बीच में दरार ला सकता है।

विपक्ष का विरोध आरक्षण बिल को लेकर नहीं है, बल्कि उस परिसीमन (डीलिमिटेशन) को लेकर है, जिसे सरकार ने बिना नई जनगणना करवाए प्रस्तावित किया है। यह 2011 की जनगणना पर आधारित है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीतीश ने राज्यसभा की सदस्यता की शपथ ली

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राज्यसभा के निवर्तमान उपसभापति हरिवंश ने शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने संसद भवन में उनको शपथ दिलाई।

- निवर्तनमान उप सभापति हरिवंश ने भी राज्यसभा की सदस्यता की शपथ ली। उनका कार्यकाल खत्म हो गया है पर राष्ट्रपति ने उन्हें मनोनीत किया है राज्यसभा में।

इस अवसर पर सदन के नेता और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह, कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश, बिहार के उपमुख्यमंत्री

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान ने इस्लामाबाद वार्ता के लिए अपनी टीम की घोषणा नहीं की है

बल्कि, ईरान के संसद के स्पीकर गलीबाफ ने नई मांग रख दी है, उसके फंड्स (पैसे) जो अमेरिका व अन्य पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के कारण, बैंकों में ''फ्रीज'' है, उन्हें रिलीज़ किया जाए

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। जैसे-जैसे ईरान और अमेरिका के बीच पहली प्रत्यक्ष वार्ता का समय नजदीक आ रहा है, अनिश्चितताएँ बढ़ रही हैं। इससे सभी पक्षों में खासकर पश्चिम एशियाई पड़ोसियों में घबराहट फैल रही है, जिन्हें पिछले चालीस दिनों से जारी संघर्ष के दौरान लगातार ईरान की बमबारी का सामना करना पड़ा था।

ईरान ने अब तक अपनी वार्ता टीम का ऐलान नहीं किया है, जिससे इस्लामाबाद वार्ता में उसके भागीदारी को लेकर चिंताएँ बढ़ गई हैं। अमेरिकी वार्ता टीम का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस कर रहे हैं। इसमें ट्रंप के मध्य पूर्व विशेष दूत स्टीव विटकोफ और उनके

- ईरान के पैसे रिलीज़ करने की मांग पहले कभी नहीं उठाई गई थी। गलीबाफ ने बड़े ''सही'' समय पर यह मांग उठाई है।
- साथ ही ईरान जोर दे रहा है कि लेबनान का मुद्दा भी इस्लामाबाद शांति वार्ता में शामिल है। दूसरी और इज़रायल लगातार लेबनान पर बमबारी जारी रखे हुए है।
- गलीबाफ जानते हैं कि ईरान की ये शर्तें कभी भी स्वीकार नहीं होंगी, पर, इन शर्तों को अभी उठाकर ईरान और कई रियायतें स्वीकार करा लेगा, जैसे इन शर्तों के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ को चालू करवाने की माँग दब गई है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ट्रम्प ने इजरायल के दबाव में ईरान युद्ध शुरु किया'

इस्तांबुल, 10 अप्रैल। अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी ने ईरान के साथ बढ़ ते तनाव को लेकर राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की नीति की तीखी आलोचना की है। उन्होंने मौजूदा सीज़फ़ायर को बेहद ढीला-ढाला बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि हालात आगे चलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं।

पूर्व विदेश मंत्री ने विशेष रूप से होर्मुज़ जलडमरूमध्य की अनिश्चित स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यह संकट अंतरराष्ट्रीय तेल आपूर्ति और आर्थिक स्थिरता को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीज़फायर दो पार्टियों के ''री ग्रुप'' (पुनः संगठित) होने का मौका मात्र है

- अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री जॉन कैरी ने ईरान युद्ध को लेकर टिप्पणी की।

अमेरिका को अवसर मिला है, यह आंकने का कि उसकी विशाल सेना की डिटरैंस (डराने की क्षमता) कितनी कारगर है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। ईरान संघर्ष में, जिसकी परेंत खुल रही हैं, विश्व को क्या देखना चाहिए? तीन प्रमुख फॉल्ट लाइन्स सबसे महत्वपूर्ण हैं।

पहला, होर्मुज़ स्ट्रेट का भविष्य- क्या शिपिंग सामान्य स्थिति में लौटेगी या जबरदस्ती नियंत्रण के अधीन रहेगी। दूसरा है, संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच वर्तमान युद्धविराम, जिसे राजनीतिक समझौते के बजाय एक सामरिक विराम के रूप में अधिक समझा

- ईरान को यह आंकने का मौका मिला है कि वह अब दबाव बनाने की क्षमता को किस हद तक काम में ले सकता है, इससे पहले कि कोई शत्रु विध्वंसकारी कार्यवाही शुरु करे।
- भारत के लिए काफी कठिन समय है कि वह कैसे संतुलन बिठाए अमेरिका व ईरान के बीच। इसके लिए काफी कुटनीतिक चतुराई चाहिए। यह ऐसा समय है, जब तनाव ''मैनेज'' करना पड़ेगा, तनाव खत्म नहीं होगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जस्टिस यशवंत वर्मा ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के जज जस्टिस वर्मा ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है। जस्टिस वर्मा ने अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजा है। जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई शुरू हो चुकी है। लोकसभा स्पीकर ने इस मामले में जजेज इन्क्वायरी एक्ट के तहत जांच कमेटी गठित कर दी है। लोकसभा स्पीकर की ओर से इन्क्वायरी के आदेश को

- जस्टिस वर्मा के खिलाफ संसद में महाभियोग की कार्यवाही शुरु हो चुकी है और जांच के खिलाफ दायर उनकी याचिका भी सुप्रीम कोर्ट में खारिज हो चुकी है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वनतारा ने वाइल्डलाइफ और वेटेरिनरी साइंस के लिए दुनिया की पहली ग्लोबल यूनिवर्सिटी लॉन्च की

आधुनिक गुरुकुल और उद्देश्य आधारित विश्वविद्यालय के रूप में कल्पित इस यूनिवर्सिटी का मकसद भारत को वाइल्डलाइफ और वेटेरिनरी एजुकेशन के लिए एक ग्लोबल हब बनाना है

जामनगर (गुजरात),। रिलायंस इंडस्ट्रीज़ के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनंत अंबानी की बनाई ग्लोबल वाइल्डलाइफ कंज़र्वेशन ऑर्गनाइज़ेशन, वनतारा ने जामनगर, गुजरात में वनतारा यूनिवर्सिटी शुरू करने की घोषणा की है। यह वन्यजीव संरक्षण और पशु चिकित्सा विज्ञान को समर्पित दुनिया की पहली एकीकृत वैश्विक यूनिवर्सिटी होगी।

वनतारा यूनिवर्सिटी की नींव पशु कल्याण, वैज्ञानिक प्रगति और वन्यजीव संरक्षण पर आधारित है। इस संस्थान का लक्ष्य पशु चिकित्सा, संरक्षण और वन्यजीव देखभाल के क्षेत्र में भविष्य के लीडर्स तैयार करना है। इसका पाठ्यक्रम भारत की सदियों पुरानी ज्ञान परंपराओं का उपयोग करके शिक्षा का एक उद्देश्य-पूर्ण और भविष्य-उन्मुखी मॉडल तैयार करेगा।

अनंत अंबानी ने कहा, "संरक्षण का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि हम लोगों और संस्थानों को करुणा, ज्ञान और कौशल के साथ जीवों की सेवा करने के लिए कैसे तैयार करते हैं। वनतारा यूनिवर्सिटी की परिकल्पना उस व्यक्तिगत अनुभव से प्रेरित है, जब मैंने संकट में पड़े पशुओं को करीब से देखा और उनकी बेहतर देखभाल के लिए अधिक क्षमता की आवश्यकता महसूस की। प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय की भावना और 'आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः' अर्थात् सभी दिशाओं से श्रेष्ठ विचार हमारे पास आएं, के आदर्शों से प्रेरित होकर यह विश्वविद्यालय हर जीवन की रक्षा के लिए समर्पित नई पीढ़ी तैयार करना चाहता है।"

इस विचार को प्रतीकात्मक रूप से दर्शाने के लिए आधारशिला स्थल के डिजाइन में दो बिजोलिया बलुआ पत्थरों को शामिल किया गया। ये पत्थर प्राचीन विंध्यन भू-विन्यास से लिए गए हैं, जो वर्तमान बिहार में स्थित प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय की भौगोलिक संरचना से जुड़े माने जाते हैं। ये भारत की ज्ञान और शिक्षा की सतत परंपरा का प्रतीक हैं।

हिंदू परंपराओं के अनुसार आयोजित इस शिलान्यास समारोह में शिक्षा, विज्ञान, संरक्षण और सार्वजनिक जीवन के प्रतिनिधियों के साथ-साथ अनंत अंबानी के शिक्षक और मार्गदर्शक भी शामिल हुए। समारोह का एक मुख्य आकर्षण मिट्टी, जल और पत्थरों को विधि-विधान से स्थापित करने की रस्म थी, जिसे शिलान्यास के एक प्रतीकात्मक कार्य के रूप में संपन्न किया गया। ये तत्व पूरे भारत के जैव-विविधता से समृद्ध विभिन्न भू-भागों से एकत्रित किए गए थे। जिनमें घास के मैदान, वन, आर्द्रभूमि, शुष्क पारिस्थितिकी तंत्र, तथा हिमालयी और देश के उत्तरी, दक्षिणी, पूर्वी, पश्चिमी और मध्य भागों में स्थित अन्य ऊँचाई वाले स्थान शामिल हैं। ये तत्व भारत की प्राकृतिक विविधता और विरासत को दर्शाते हैं।

वनतारा यूनिवर्सिटी एक ही शैक्षणिक ढांचे के भीतर विभिन्न विषयों को जोड़ेगी, जिसकी नींव वास्तविक संरक्षण कार्यों के अनुभव पर आधारित होगी। वनतारा के जमीनी अनुभवों को अकादमिक कार्यक्रमों, पेशेवर प्रशिक्षण और वैश्विक स्तर पर उपयोगी शिक्षा ढांचे में बदला जाएगा। करुणा, विज्ञान और संरक्षण के समन्वय के माध्यम से यह संस्थान ऐसे पेशेवर तैयार करेगा जो वन्यजीव और पारिस्थितिकी से जुड़ी जटिल चुनौतियों का समाधान कर सकें।

यूनिवर्सिटी अलग-अलग सब्जेक्ट्स में अंडरग्रेजुएट, पोस्टग्रेजुएट, फेलोशिप और स्पेशलाइज्ड प्रोग्राम ऑफर करेगी। इनमें वाइल्डलाइफ मेडिसिन और सर्जरी, न्यूट्रिशन, बिहेवियरल साइंसेज, जेनेटिक्स, एपिडेमियोलॉजी, वन हेल्थ, कंज़र्वेशन पॉलिसी और

नेचुरलिस्टिक एनिमल केयर एनवायरनमेंट डिज़ाइन शामिल हैं। वनतारा की कार्यक्षमता के अनुरूप विशेष कॉलेज भी स्थापित किए जाएंगे। साथ ही सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्तियां भी प्रदान की जाएंगी।

वनतारा यूनिवर्सिटी को एडवांस्ड एकेडमिक और क्लिनिकल इंफ्रास्ट्रक्चर, इंटरनेशनल कोलेबोरेशन और एक रेजिडेंशियल कैंपस से सपोर्ट मिलेगा।यह पशु कल्याण और उन्नत संरक्षण पद्धतियों को मजबूत करने के लिए कार्य-आधारित शोध पर ध्यान केंद्रित करेगी। शिक्षा मॉडल में प्राकृतिक आवासों (इन-सिटू) और संरक्षित वातावरण (एक्स-सिटू) संरक्षण को जोड़ा जाएगा, ताकि वैज्ञानिक देखभाल और दीर्घकालिक वन्यजीव प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके।

यह मानते हुए कि संरक्षण का भविष्य केवल जंगलों में ही नहीं, बल्कि कक्षाओं, प्रयोगशालाओं और मानव चेतना में भी तय होगा, विश्वविद्यालय वन्यजीव पशु चिकित्सा और संरक्षण शिक्षा को आगे बढ़ाने का लक्ष्य रखता है। साथ ही यह वन्यजीव स्वास्थ्य, पशु देखभाल वातावरण और संरक्षण से जुड़े ज्ञान संसाधनों के विकास का दीर्घकालिक मंच बनेगा।

शिलान्यास समारोह ने करुणा-आधारित संरक्षण शिक्षा को आगे बढ़ाने के व्यापक राष्ट्रीय प्रयास की शुरुआत भी दर्शाई। इस दौरान 'वनतारा यूनिवर्सिटी फाउंडिंग फेलोज' और 'एवरी लाइफ मैटर्स' छात्रवृत्ति कार्यक्रमों की घोषणा की गई, साथ ही ज्ञान का उपयोग केवल प्रगति के लिए नहीं बल्कि संरक्षण के लिए करने का आह्वान किया गया।

अपने दृष्टिकोण के अनुसार वनतारा यूनिवर्सिटी केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि इस विचार का प्रतिनिधित्व करती है कि वन्य जीवन को केवल सराहना ही नहीं, बल्कि ज्ञान, मजबूत प्रणालियों और प्रशिक्षित हाथों की भी आवश्यकता होती है।

विचार बिन्दु

अज्ञानी के लिए खामोशी से बढ़कर कोई चीज़ नहीं और यदि उसमे यह समझने की बुद्धि हो तो वह अज्ञानी नहीं रहेगा। –शेख सादी

प्रिंट मीडिया की प्रामाणिकता आज भी कायम

लगता है युवाओं ने प्रिंट मीडिया से अपनी दूरी बना ली है। आज बच्चों से युवाओं तक के हाथ में अख़बार या पुस्तक नहीं मिलती है। ये मोबाइल से लैस होते है। एक सर्वे के अनुसार आज भी अखबार 50 वर्ष से ऊपर के 72 प्रतिशत लोग पढ़ना पंसद करते हैं। 18-30 वर्ष के समाचार को 85 प्रतिशत युवाओं ने डिजिटल समाचार को चुना जिसमें न्यूज़ ऐप्स सोशल मीडिया ई पेपर इसके प्रमुख स्त्रोत है। युवाओं में डिजिटल की सुविधा है, मगर फेक न्यूज का खतरा भी सबसे ज्यादा वहीं है। सर्वे के मुताबिक डिजिटल मीडिया ने मजबूत जगह बना ली है, लेकिन प्रिंट मीडिया की पकड़ अब भी ढीली नहीं हुई है। मीडिया के बदलते स्वरूप के बावजूद आज भी प्रिंट मीडिया की प्रमाणिकता कायम है। युवा अपनी सुविधाओं के लिए डिजिटल उपयोग कर रहे है, जबकि अखबार की प्रमाणिकता आज भी कायम है। डिजिटल युग के तेज विकास के बावजूद प्रिंट माध्यमों का सामाजिक, शैक्षिक और बौद्धिक क्षेत्र में महत्त्व आज भी कायम है। समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ और पुस्तकें ऐसी विश्वसनीय सामग्री प्रदान करती हैं, जो गहराई और तथ्यों पर आधारित होती हैं।

आखिर यह प्रिंट मीडिया है क्या, इसकी जानकारी होनी जरुरी है। प्रिंट मीडिया मुख्य रूप से समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और पुस्तकों के माध्यम से समाचार बताने का मुद्रित संस्करण है। प्रिंट मीडिया वह मीडिया है जो हमें लिखित जानकारी देता है। आज का युवा अख़बार का मतलब मोबाइल ही समझता है। वह अख़बार के स्थान पर मोबाइल पर ख़बरें देखना ज्यादा पसंद करता है। पुस्तकों से भी उसने दूरी बना ली है। प्रिंटिंग प्रेस से पहले, ज्ञान मौखिक रूप से या महंगी हस्तलिखित पुस्तकों के माध्यम से फैलता था लेकिन अब प्रिंटिंग प्रेस ने लोगों को पहले से कहीं ज्यादा तेजी से शिक्षित करना संभव बना दिया। आज नए विचारों और ज्ञान को पुस्तकों या समाचार पत्रों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों के साथ साझा किया जा सकता है। प्रिंट मीडिया के प्रमुख साधनों में, दैनिक समाचार पत्र, पत्रिका, पुस्तकें, बैनर, होर्डिंग, पोस्टर,फ्लावर, लीफलेट न्यूज़लेटर्स और पोस्टकार्ड शामिल है।

अच्छी पुस्तकें पास होने पर उन्हें मित्रों की कमी नहीं खटकती है वरन वे जितना पुस्तकों का अध्ययन करते हैं । पुस्तकें उन्हें उतनी ही उपयोगी मित्र के समान महसूस होती हैं । पुस्तकें एक तरह से जाग्रत देवता हैं उनका अध्ययन मनन और चिंतन कर उनसे तत्काल लाभ प्राप्त किया जा सकता है । मनुष्य को प्रतिदिन सदग्रंथों का अवलोकन करना चाहिए। अच्छी पुस्तकें हमारा सही मार्ग प्रशस्त करती है और उत्तम जीवन जीने का सन्देश हमें प्रदान करती हैं । एक तरह से पुस्तकें हमारी सच्ची मित्र और हितैषी होती हैं।

स्कूल और कॉलेज में लाइब्रेरी जरूर है, जहाँ अख़बार और पुस्तकें बहुतायत से सुलभ होती है मगर उसमें जाने का समय विद्यार्थी के पास नहीं है। कक्षा में विषयों के पीरियड अवश्य होते है खेलकूद का भी समय होता है मगर अख़बार या पुस्तक पढ़ने अथवा पुस्तकालय का कोई पीरियड नहीं होता। अध्यापक भी बच्चों को अख़बार, पुस्तक या सद साहित्य पढ़ने संबंधी कोई जानकारी नहीं देते। यही कारण है कि इन्टरनेट के इस युग में हम मुद्रित सामग्री को भूल गए है। पढ़ने का मतलब इस संचार क्रांति में इन्टरनेट ही रह गया है युवा चौबीसों घंटे हाथ में मोबाइल लिए इन्टरनेट पर चोट करते मिल गाएंगे। वे पुस्तक से परहेज करने लगे है मगर मोबाइल को रिचार्ज करना नहीं भूलते। उन्हें घर या बाहर यह बताने वाला कोई नहीं है की अख़बारों और पुस्तकों का भी अपना एक संसार है। वे प्रेमचंद की किसी पुस्तक के बारे में नहीं जानते। कॉमेडियन कपिल के शो के बारे में जरूर जानते है मगर शरत चंद्र या हरिशंकर परसाई की किसी शख्शियत से वाकिफ नहीं है। उन्हें पुस्तक अथवा पुस्तक की महिमा से कोई लेना देना नहीं है। वे पुस्तक मेले में जाना नहीं चाहते। वे किसी अच्छे मॉल में जरूर जाना चाहते है जहाँ उन्हें अपनी मन पसंद खाने-पीने और पहनने की वस्तु मिल जाये। वे टीवी जरूर खोलते है मगर न्यूज़ चैनल नहीं देखते। या तो स्पोर्ट्स चैनल खोलेंगे अथवा कोई सीरियल या फिल्म देखना पसंद करेंगे। ओ है। टीटी प्लेटफॉर्म पर जरूर जायेंगे। न्यूज़ से अपना कोई वास्ता नहीं रखेंगे। न्यूज़ केवल वे ही देखेंगे जो किसी कॉम्पिटिशन की तैयारी में जुटे है।

जमाना जिस तेजी से बदल रहा है उसे देखते हुए लगता है किताब अब गुजरे जमाने की चीज रह जाएगी अब उन्हें कौन समझाएं की उसके अभिभावक पुस्तक के ज्ञान को सहेज कर आगे बढे है। अब तो गली मोहल्ले में कोई वाचनालय या पुस्तकालय भी नहीं है। जहाँ शांति से बैठकर पढ़ा जाये। यदि कहीं ऐसी जगह भूल से मिल भी जाये तो उनका मोबाइल उसे पढ़ने नहीं देगा। आखिर वह कैसे पुस्तक के बारे में कैसे जाने औए ज्ञान प्राप्त करें।

पुस्तक या किताब लिखित या मुद्रित पेजों के संग्रह को कहते हैं। पुस्तकें ज्ञान का भण्डार है । पुस्तकें हमारी दुष्ट वृत्तियों से सुरक्षा करती हैं । इनमें लेखकों के जीवन भर के अनुभव भरे रहते हैं । यदि कोई परिश्रम करे और अनुभव प्राप्त करने के लिए जीवन लगा दे और फिर उस अनुभव को पुस्तक के थोडे से पन्नों में दर्ज कर दे तो पाठकों के लिए इससे ज्यादा लाभ की बात क्या हो सकती है । अच्छी पुस्तकें पास होने पर उन्हें मित्रों की कमी नहीं खटकती है वरन वे जितना पुस्तकों का अध्ययन करते हैं । पुस्तकें उन्हें उतनी ही उपयोगी मित्र के समान महसूस होती हैं । पुस्तकें एक तरह से जाग्रत देवता हैं उनका अध्ययन मनन और चिंतन कर उनसे तत्काल लाभ प्राप्त किया जा सकता है । मनुष्य को प्रतिदिन सदग्रंथों का अवलोकन करना चाहिए । अच्छी पुस्तकें हमारा सही मार्ग प्रशस्त करती है और उत्तम जीवन जीने का सन्देश हमें प्रदान करती हैं । एक तरह से पुस्तकें हमारी सच्ची मित्र और हितैषी होती हैं । हमारे जीवन को महत्वपूर्ण बनाने में पुस्तक का सबसे ज्यादा योगदान होता है। तकनीक ने भले ज्ञान के क्षेत्र में क्रांति ला दी है, पर पुस्तकें आज भी विचारों के आदान-प्रदान का सबसे सशक्त माध्यम हैं।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 11 अप्रैल, 2026

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2083, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र दिन 1:40 तक, सिद्ध योग सायं 6:39 तक, तैतिल करण दिन 11:57 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-मकर, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 1:40 से सूर्योदय तक है। आज शनि उदय पूर्व में रात्रि 12:05 पर होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:45 से 9:20 तक, चर 12:28 से 2:02 तक, लाभ-अमृत 2:02 से 5:11 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:11, सूर्यास्त 6:45

मेष

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

सिंह

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

धनु

घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में मांगलिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कन्या

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नवीन कारोबारी अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

मकर

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। परिवार में वाणी की कटुता के कारण वाद-विवाद हो सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

तुला

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। आज पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क

परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक

परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मीन

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

महात्मा ज्योतिराव फुले: भारत के दिव्य पथ-प्रदर्शक

महान समाज सुधारक महात्मा फुले का जीवन नैतिक साहस, आत्म चिंतन और समाज के हित के लिए अटूट समर्पण का प्रेरक उदाहरण है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

आज 11 अप्रैल हम सभी के लिए बहुत विशेष दिन है। आज भारत के महान समाज सुधारकों में से एक और पीढ़ियों को दिशा दिखाने वाले महात्मा ज्योतिराव फुले की जन्म-जयंती है। इस वर्ष यह अवसर और भी अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि उनके 200वें जयंती वर्ष का शुभारंभ भी हो रहा है। महान समाज सुधारक महात्मा फुले का जीवन नैतिक साहस, आत्म चिंतन और समाज के हित के लिए अटूट समर्पण का प्रेरक उदाहरण है। महात्मा फुले को केवल उनकी संस्थाओं या आंदोलनों के लिए ही याद नहीं किया जाता, बल्कि उन्होंने लोगों के मन में जो आशा और आत्मविश्वास जगाया, उसका व्यापक प्रभाव हम आज भी महसूस करते हैं। उनके विचार देशवासियों के लिए प्रेरणापुंज हैं।

महात्मा फुले का जन्म 1827 में महाराष्ट्र में एक बहुत साधारण परिवार में हुआ। लेकिन शुरुआती चुनौतियां कभी उनकी शिक्षा, साहस और समाज के प्रति समर्पण को नहीं रोक पाईं। उन्होंने हमेशा यह माना कि चाहे कितनी भी कठिनाइयां क्यों न आएं, इंसान को मेहनत करनी चाहिए, ज्ञान हासिल करना चाहिए और समस्याओं का समाधान करना चाहिए, न कि उन्हें अनदेखा करना चाहिए। बचपन से ही महात्मा फुले बहुत जिज्ञासु थे और अपनी उम्र के अन्य बच्चों की अपेक्षा कहीं अधिक पुस्तकें पढ़ते थे। वो कहते भी थे, हम जितना ज्यादा सवाल करते हैं, उनसे उतना ही अधिक ज्ञान निकलता है। साफ है कि बचपन से मिली जिज्ञासा उनकी पूरी यात्रा में बनी रही।

महात्मा फुले के जीवन में शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण मिशन बनी। उनका मानना था कि ज्ञान किसी एक वर्ग की संपत्ति नहीं, बल्कि एक ऐसी शक्ति है, जिसे सभी के साथ साझा किया जाना चाहिए। जब समाज के बड़े हिस्से को शिक्षा से वंचित रखा जाता था, तब उन्होंने लड़कियों और वंचित वर्गों के लिए स्कूल खोले। वे कहते थे, बच्चों में जो सुधार मां के माध्यम से आता है, वह बहुत महत्वपूर्ण होता है। इसलिए अगर स्कूल खोले जाएं, तो सबसे पहले लड़कियों के लिए खोले जाएं। उन्होंने शिक्षा को न्याय और समानता का माध्यम बनाया।

शिक्षा के प्रति उनका दृष्टिकोण हमें आज भी बहुत प्रेरित करता है। पिछले एक दशक में भारत ने युवाओं के लिए रिसर्च और इनोवेशन को बहुत प्राथमिकता दी है। एक ऐसा इकोसिस्टम बनाने का प्रयास किया गया है, जिसमें युवा सवाल पूछने, नई चीजें सीखने और इनोवेशन के लिए प्रेरित हों। ज्ञान, कौशल और अवसरों में निवेश करके भारत अपने युवाओं को देश की प्रगति का आधारस्तंभ बना रहा है। अपने शैक्षिक ज्ञान और बौद्धिकता से महात्मा फुले ने कृषि, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों की गहरी जानकारी हासिल की। वे कहते थे कि किसानों और मजदूरों के साथ अन्याय समाज को कमजोर करता है। उन्होंने देखा कि सामाजिक असमानताएं खेतों और गांवों में लोगों के जीवन को कैसे प्रभावित करती हैं। इसलिए उन्होंने गरीबों, वंचितों और कमजोर वर्गों को सम्मान दिलाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए भी हरसंभव प्रयास किए।

महात्मा फुले ने कहा था, **''जोपर्यंत समाजातील सर्वांना समान अधिकार मिळत नाहीत, तोपर्यंत खरे स्वातंत्र्य मिळत नाही''**–यानी जब तक समाज के सभी लोगों को समान अधिकार नहीं मिलते, तब तक सच्ची आजादी नहीं मिल सकती। इसी विचार को जमीन पर उतारने के लिए उन्होंने कई संस्थाओं की स्थापना की। उनका सत्यशोधक समाज, आधुनिक भारत के सबसे महत्वपूर्ण समाज सुधार आंदोलनों में से एक था। यह आंदोलन सामाजिक सुधार, सामुदायिक सेवा और मानवीय गरिमा को बढ़ावा देने में अग्रणी रहा था। यह महिलाओं, युवाओं और गांवों में रहने वाले लोगों की पुरजोर आवाज बना। यह आंदोलन उनके इस विश्वास को दर्शाता है कि समाज की मजबूती के लिए न्याय, हर व्यक्ति के प्रति सम्मान और सामूहिक प्रगति जरूरी है। उनका व्यक्तिगत जीवन भी साहस की मिसाल रहा। लगातार लोगों के बीच रहकर काम करने का असर उनके स्वास्थ्य पर भी पड़ा। लेकिन गंभीर बीमारी भी उनके संकल्प को कमजोर नहीं कर सकी। एक गंभीर स्ट्रोक के बाद भी उन्होंने अपना काम और समाज के लिए संघर्ष जारी रखा। उनका शरीर कमजोर हुआ, लेकिन समाज के प्रति उनका समर्पण कभी नहीं डगमगाया। आज भी करोड़ों लोग उनके जीवन के इस पहलू से प्रेरणा लेते हैं।

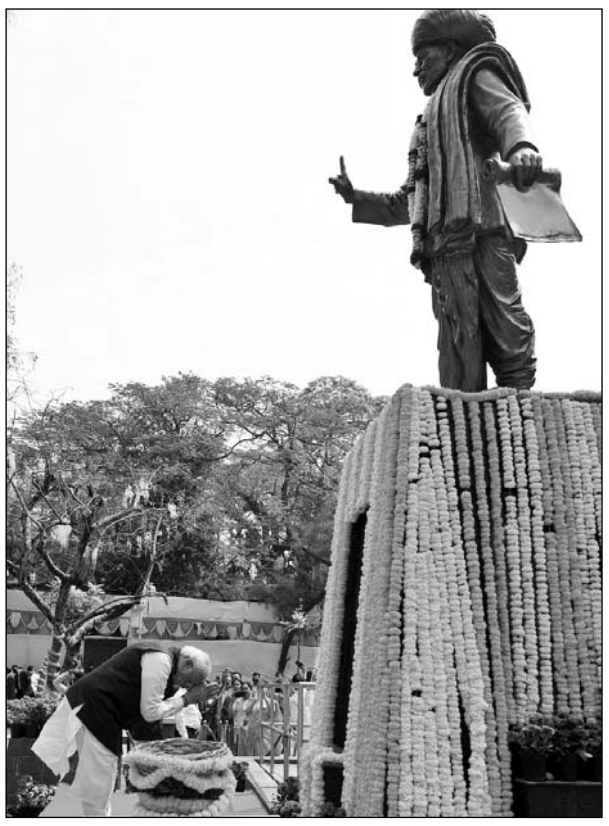

महात्मा फुले का स्मरण, सावित्रीबाई फुले के सम्मानजनक उल्लेख के बिना अधूरा है। वह स्वयं भारत की महान समाज सुधारकों में से एक थीं। भारत की पहली महिला शिक्षिकाओं में शामिल सावित्रीबाई ने लड़कियों की शिक्षा को आगे बढ़ाने में बेहद अहम भूमिका निभाई। महात्मा फुले के निधन के बाद भी उन्होंने इस कार्य को जारी रखा। 1897 में प्लेग महामारी के दौरान उन्होंने मरीजों की इतनी सेवा की कि वह स्वयं भी इस बीमारी की शिकार हो गईं और उनका निधन हो गया। भारतभूमि बार-बार ऐसी महान विभूतियों से धन्य होती रही है, जिन्होंने अपने विचार, त्याग और कर्म से समाज को मजबूत बनाया है। उन्होंने बदलाव का इंतजार नहीं किया, बल्कि स्वयं बदलाव का माध्यम बने। सदियों से हमारे देश में समाज सुधार की आवाज उन्हीं लोगों से उठी है, जिन्होंने पीड़ा को भाग्य नहीं माना, बल्कि उसे खत्म करने के प्रयासों में जुटे रहे। महात्मा ज्योतिराव फुले भी ऐसे ही महान व्यक्तित्व थे।

मुझे 2022 में पुणे की अपनी यात्रा याद है, जब मैंने शहर में महात्मा फुले की भव्य प्रतिमा पर उन्हें श्रद्धांजलि दी थी। उनके 200वें जयंती वर्ष की शुरुआत पर हम उनके विचारों को अपनाकर ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते हैं। हमें शिक्षा के प्रति अपने संकल्प को मजबूत करना होगा। अन्याय के प्रति संवेदनशील बनना होगा और यह विश्वास रखना होगा कि समाज अपने प्रयासों से ही खुद को बेहतर बना सकता है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि समाज की शक्ति को जनहित और नैतिक मूल्यों से जोड़कर भारत में क्रांतिकारी बदलाव लाए जा सकते हैं। यही कारण है कि आज भी उनके विचार करोड़ों लोगों में नई उम्मीद जगाते हैं। महात्मा ज्योतिराव फुले 200 साल बाद भी केवल इतिहास का नाम नहीं, बल्कि भारत के भविष्य के मार्गदर्शक बने हुए हैं।

–प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ।

महिलाओं की शिक्षा के प्रेरणा पुंज 'ज्योतिबा फुले'

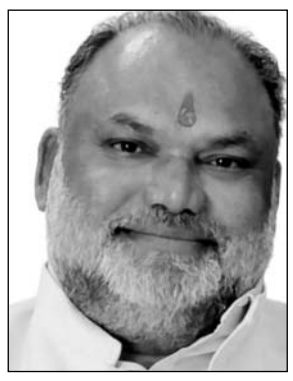

डॉ. मनोज कुमार बहरवाल

विद्या बिना मति गयी मति बिना नीति गयी,
नीति बिना गति गयी, गति बिना वित्त गया,
वित्त बिना शूद्र गये, इतने अनर्थ एक अविद्या ने किये!

ज्योतिबा फुले का यह ध्येय वाक्य मानव जाति के सांगोपांग विकास का मन्त्र है। व्यक्ति हो अथवा समाज या राष्ट्र अथवा विश्व सभी के सर्वांगीण विकास में ज्योतिबा फुले के यह विचार आज भी प्रासंगिक हैं। 11 अप्रेल 1827 को पुणे में एक व्यक्ति का जन्म हुआ जिसे महात्मा ज्योतिबा कहा गया। फुले नाम इस कारण पड़ा कि उनका परिवार फूल माली का काम करता था। वे सतारा से पूना आकर बसे थे। बाल्यकाल में ही आपकी माता जी का निधन हो गया। आपका पालन-पोषण एक बाई ने किया। आपने प्रारम्भिक शिक्षा मराठी माध्यम से की। कुछ विकट परिस्थितियों के कारण अध्ययन बीच में ही छोड़ना पड़ा। शिक्षा की लगन और महत्व के कारण 21 वर्ष की आयु में ज्योतिबा ने कुछ समय पहले तक मराठी में अध्ययन किया, बीच में पढाई छूट गई और बाद में 21 वर्ष की आयु में अंग्रेजी माध्यम से 7 कक्षा की पढाई पूरी की। इनका विवाह 1840 में सावित्री बाई से हुआ, जो बाद में स्वयं एक प्रसिद्ध समाजसेवी बनीं। दलित और स्त्री शिक्षा के क्षेत्र फुले दम्पति ने बहुत काम किया और कर्मठता से समाज की सेवा की।

महात्मा जी ने मिलकर विधवाओं और महिलाओं के कल्याण के लिए अथक कार्य किया। इसके साथ ही किसानों की दयनीय दशा सुधारने और उनके कल्याण के लिए भी अथक प्रयास किये।

स्त्रियों की शैक्षणिक दशा सुधारने और महिला शिक्षा उन्नयन के लिए फुले ने 1848 में एक पाठशाला का शुभारम्भ किया। यह भारत की प्रथम बालिका पाठशाला थी। तत्कालीन समाज इतना जड़ बुद्धि था कि इन लड़कियों को पढ़ाने के लिए अध्यापिका नहीं मिली तो उन्होंने कुछ दिन स्वयं यह काम करके अपनी पत्नी सावित्री फुले को इस योग्य बना दिया। कुछ लोगों ने आरम्भ से ही उनके काम में बाधा डालने की चेष्टा की, किंतु जब फुले आगे बढ़ते ही गए। तत्कालीन पुरातनपंथी समाज के लोगों ने उनके पिता पर दबाब डालकर पति-पत्नी को घर से निष्काषित करवा दिया। मन के हारे हार है, मन के जीते जीत! इस वाक्य का प्रतिबिम्ब रहे महात्मा फुले। थोड़े समय के लिए बालिका शिक्षा का कार्य अवरुद्ध रहा। परन्तु फुले ने हिम्मत नहीं हारी अपने अथक प्रयासों से उन्होंने शीघ्र ही उन्होंने एक के बाद एक बालिकाओं के तीन स्कूल ओर प्रारम्भ किये।

भारत के सभी संतों की व्यक्तित्व और कृतित्व का गहन अध्ययन ज्योति बा ने किया और उन सभी ज्ञानात्मक पक्ष को सभी के सामने प्रस्तुत किया। संतों के दार्शनिक अध्ययन के बाद आपको यह तात्विक ज्ञान मिला कि जब ईश्वर के सामने सब नर-नारी समान हैं तो उनमें ऊँच-नीच का भेद क्यों होना चाहिए? निर्धन तथा निर्बल वर्ग को न्याय दिलाने के लिए ज्योतिबा ने 1873 में सत्यशोधक समाज की स्थापना की। आपकी निर्धनों के प्रति और निर्बलों के प्रति समाज सेवा की सच्ची भावना को देखकर 1888 में मुम्बई में एक सभा में आपको महात्मा की उपाधि से सम्मानित किया गया।

ज्योति बा ने पुरोहित पंथी का विरोध किया ब्राहमणवाद का विरोध किया और इनके बिना ही शादी ब्याह करवाए और उनके इस कार्य को मुम्बई उच्च न्यायालय ने मान्यता प्रदान की। आपने बड़ी ही बुलन्द आवाज से बाल विवाह का विरोध किया और विधवा विवाह का समर्थन भी किया। आपने अनेक पुस्तकों जैसे कि गुलामगिरी, तृतीय रत्न, छत्रपति शिवाजी, राजा भोसला का पखड़ा, किसान का कोड़ा, अछूतों की कैफियत आदि-आदि। आपने किसानों के हित में संघर्ष किया और आपके अथक प्रयासों के कारण ही तत्कालीन सरकार ने 'एग्रीकल्चर एक्ट' पारित किया। धर्म, समाज, और आडम्बरों के सत्य को वे समाज के सामने लेकर आए।

फुले के शैक्षणिक संघर्ष और उनकी महिलाओं के प्रति दूरगामी दृष्टि को देखकर तत्कालीन ब्रिटिश भारत सरकार ने 1883 में आपको 'स्त्री शिक्षण के आद्यजनक' समान सूचक शब्दों से उनका सम्मान किया और उनके गौरव में वृद्धि की। वर्तमान में भारत ही नहीं वैश्विक स्तर पर राजनैतिक और शैक्षणिक क्षेत्रों में महिलाएं जो नेतृत्व कर रहीं हैं यह सभी की प्रेरणा के पुन्ज महात्मा ज्योति बा फुले ही हैं।

आइए आज के इस पावन जन्म जयंति के अवसर पर हम सभी महात्मा फुले से प्रेरणा लेते हुए महिला / बालिका शिक्षा और उनके सर्वांगीण विकास और कल्याण के लिए पूरे मनोयोग से संकल्प लें और सदैव महिलाओं के विकास और कल्याण के लिए व्यक्तिगत और सामुदायिक प्रयास करें। यही है हमारी और हम सभी की भारतीय संस्कृति। यही हमारी और आपकी तथा हम सभी की पहचान और शक्ति बने यही भाव हम सभी में जाग्रत हो। आप सभी को महात्मा ज्योति बा फुले की जन्म जयंती पर आप सभी को मंगलकामनाएं।

–डॉ. मनोज कुमार
बहरवाल, प्राचार्य, सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, अजमेर

महात्मा ज्योतिबा फुले : युग प्रवर्तक समाजोद्धारक

11 अप्रैल : महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती पर विशेष.....

डॉ. अरुणा व्यास

आज ज्योतिबा फुले जयंती है। ज्योतिबा का अर्थ होता है, ज्ञान का प्रकाश। ज्योतिबा फुले ऐसे ही थे। प्रकाश की लौ समान उन्होंने समाज को अपने विचारों से, अपने कार्यों से सदा उजास दिया। उनके नाम के आगे महात्मा लगता है। महात्मा का अर्थ होता है, महान आत्मा। ज्योतिबा फुले ने मनसा, वाचा और कर्मणा सदा महानता को जिया। इसीलिए उन्हें देश के महान समाजसुधारक, समाज प्रबोधक, विचारक, समाजसेवी, लेखक और दार्शनिक के रूप में स्वीकारा गया।

यह महात्मा ज्योतिबा फुले ही थे, जिन्होंने निर्धन तथा निर्बल वर्ग को न्याय दिलाने के लिए 1873 में सत्यशोधक समाज की स्थापना कर क्रांति का सूत्रपात किया। समाजसेवा के उनके आदर्श आचरण को देखकर ही 1888 में मुंबई की एक विशाल सभा में उन्हें महात्मा की उपाधि दी गई। ज्योतिबा फुले कर्म में विश्वास करते थे। महिलाओं व पिछडे और अछूतो के उत्थान के लिये जीवन पर्यन्त उन्होंने कार्य किया। समाज में स्त्रियों की शिक्षा की उन्होंने अलख जगाई। स्त्रियों को शिक्षा का अधिकार प्रदान करने के साथ उन्होंने बाल विवाह का विरोध किया। विधवा विवाह का समर्थन किया और समाज की कुप्रथाओं और अंधश्रद्धा के प्रति लोगों को जागरूक किया। ऐसे दौर में जब स्त्रियों को शिक्षा नहीं दी जाती थी। ज्योतिबा फुले ने कन्याओं के लिए देश की पहली पाठशाला पुणे में स्थापित की। उन्होंने 1848 में कन्या स्कूल खोला। लड़कियों को पढ़ाने के लिए अध्यापिका नहीं मिली तो उन्होंने कुछ दिन स्वयं यह काम करके अपनी पत्नी सावित्री फुले को इस योग्य बना दिया। कुछ लोगों ने आरम्भ से ही उनके काम में बाधा डालने की चेष्टा की, किंतु जब फुले आगे बढ़ते ही गए तो उनके पिता पर दबाब डालकर पति-पत्नी को घर से निकलवा दिया। इससे कुछ समय के लिए उनका काम रुका अवश्य, पर शीघ्र ही उन्होंने एक के बाद एक बालिकाओं के तीन स्कूल खोल दिए।

महात्मा ज्योतिबा फुले ने अपनी धर्मपत्नी सावित्रीबाई फुले को स्वयं शिक्षा प्रदान की। सावित्रीबाई फुले भारत की प्रथम महिला अध्यापिका थीं। विधवाओं और महिलाओं के कल्याण के लिए भी उन्होंने बहुत काम किया। इसके अलावा किसानों की हालत सुधारने और उनके कल्याण के लिए भी निरंतर प्रयास किए। ऐसे महात्मा ज्योतिबा फुले के कार्यों से हम-सभी को प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। ज्योतिबा फुले ने जाति आधारित भेदभाव के समापन के लिए आजीवन लड़ते रहे। यह ऐसे ही नहीं हुआ। असल में वर्ष 1848 में उनके साथ एक ऐसी घटना घटी जिसने उन्हें झकझोर दिया। वह अपने एक मित्र के विवाह में शामिल होने के लिए गए थे। मित्र उच्च कुल का था और विवाह समारोह में उनके साथ अपमानित व्यवहार हुआ। उन्होंन तभी तय कर लिया जाति व्यवस्था की इस कुप्रथा को वह जड़ से समाप्त करेंगे। यही बाद में हुआ भी। उन्होंने शुरुआत कहीं और से नहीं अपने ही घर से की। दलितों को अपने घर के कुंए को प्रयोग करने की अनुमति दे दी। दलितों और महिलाओं में अंधविश्वास के कारण उत्पन्न हुई आर्थिक और सामाजिक विसंगतियों को दूर करने के लिए भी उन्होंने आंदोलन चलाया। उनका मानना था कि यदि आजादी, समानता, मानवता, आर्थिक न्याय, शोषणरहित मूल्यों और भाईचारे पर आधारित सामाजिक व्यवस्था का निर्माण करना है तो असमान और शोषक समाज को उखाड़ फेंकना होगा।

ज्योतिबा फुले युग से आगे की सोच रखते थे, इसीलिए महिला सशक्तीकरण को उन्होंने सबसे अधिक प्रधानता दी। विधवा विवाह का समर्थन किया। इसी संदर्भ में उन्होंने 1854 में विधवाओं के लिए एक आश्रम भी बनवाया। इसी तरह कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के लिए नवजात शिशुओं के लिए भी एक आश्रम खोला।

महात्मा ज्योतिबा फुले

–डॉ. अरुणा व्यास,
पर्यावरण, शिक्षा और और संस्कृति अध्येता

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से महिलाओं की राजनीति में बढ़ेगी भागीदारी : मुख्यमंत्री

महिलाएं अपने सपनों को पंख दें, हमारी सरकार आपके साथ खड़ी : भजनलाल शर्मा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प के साथ देश आगे बढ़ रहा है और नारी शक्ति इसके केंद्र में है। केंद्र सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से विधानसभा और लोकसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का मार्ग प्रशस्त किया है। इससे इनकी राजनीति में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार ने महिला सशक्तीकरण को जीवन के प्रत्येक पहलू से जोड़ा है। उन्होंने महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आप अपने सपनों को पंख दीजिए, हमारी सरकार आपके साथ खड़ी है। शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम में पहुंची महिलाओं और छात्राओं के साथ सीएम भजनलाल शर्मा ने मोबाइल में सैल्फी ली।

- प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, जन धन योजना, स्टैंड-अप इंडिया योजना, महिला स्वयं सहायता समूह, नमो ड्रोन दीदी योजना और लखपति दीदी जैसी कई योजनाओं से महिलाओं को आर्थिक सशक्त बनाया

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि हमारा समाज और देश तभी प्रगति करेगा, जब महिलाएं हर क्षेत्र में भागीदारी निभाएंगी। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2014 के बाद महिलाओं के उत्थान को प्राथमिकता देते हुए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, जन धन योजना, स्टैंड-अप इंडिया योजना, महिला स्वयं सहायता समूह, नमो ड्रोन दीदी योजना और लखपति दीदी जैसी कई योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है। लखपति दीदी योजना के तहत प्रदेश में करीब 20 लाख महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर 16 लाख से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी की श्रेणी में लाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढाओ जैसी योजना ने महिला सशक्तीकरण को मजबूती प्रदान की है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत महिलाओं के नाम पर मकान आवंटित किए जाते हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन भी दिए गए हैं। स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालयों का निर्माण करवाकर महिलाओं की गरिमा सुनिश्चित की गई है तथा हर घर नल से जल के माध्यम से पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की गई है।

इस दौरान प्रदेशभर के विभिन्न क्षेत्रों से आई महिलाओं एवं छात्राओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए डबल इंजन सरकार का आभार जताया तथा राज्य सरकार द्वारा संचालित की जा रही कल्याणकारी योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान महिलाओं एवं छात्राओं ने मुख्यमंत्री के साथ सेल्फी भी ली। इस अवसर पर मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में महिलाएं एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

रीको ने भूखण्ड आवंटियों को दी बड़ी राहत

जयपुर (कासं)। राज्य में निवेश को बढ़ावा देने तथा उद्यिमयों को सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रीको द्वारा विभिन्न प्रक्रियाओं एवं नियमों का लगातार सरलीकरण किया जा रहा है। रीको ने भूखण्ड आवंटन से संबंधित नियमों, समय-सीमाओं एवं आवश्यक दस्तावेजों की व्यापक समीक्षा कर इनमें संशोधन कर आवश्यक परिपत्र जारी किया है। अब सभी रीको इकाई प्रभारी संबंधित औद्योगिक क्षेत्रों में आवंटियों को विभिन्न प्रकार की स्वीकृतियां नए परिपत्र के अनुरूप कम की गई समय सीमा में ही जारी करेंगे।

- भूखण्ड से संबंधित विभिन्न स्वीकृतियों के निस्तारण की समय सीमा घटाई

रीको औद्योगिक क्षेत्रो में आवंटियों को समय-समय पर अपने भूखण्ड से संबंधित विभिन्न स्वीकृतियां लेनी होती हैं। इसके लिये आवंटी अपने एसएसओ आईडी के माध्यम से रीको पॉर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर स्वीकृतियां प्राप्त कर सकेंगे।

इन स्वीकृतियों के अंतर्गत कंपनी के डायरेक्टर्स में परिवर्तन, कंपनी के स्वरूप में बदलाव (प्राइवेट लिमिटेड से लिमिटेड अथवा इसके विपरीत), भूखण्डों का मर्जर, ऋण प्राप्ति हेतु अनुमति तथा कंपनी के नाम परिवर्तन इत्यादि सम्मिलित हैं।

इसके अलावा, भूखण्डों पर प्लिंथ स्तर अथवा छत स्तर पर निर्माण की सूचना हेतु आवेदन की समय-सीमा को 3 दिन से घटाकर 1 दिन करने का निर्णय लिया गया है। अब जियोटैग फोटो अपलोड करने के पश्चात एक दिन में ही आवेदन मान्य माना जाएगा, जिससे प्रक्रिया अधिक सरल, त्वरित एवं पारदर्शी बनेगी।

पर्यावरण स्वीकृति से संबंधित आवेदन एवं स्वीकृति प्राप्त किये जाने की सूचना, लीज डीड निष्पादन के पंजीकरण, संपत्ति पर ऋण पूरा होने की सूचना देने के लिए आवेदन निस्तारण की समय सीमा 3 दिन के स्थान पर 1 दिन तथा पावर ऑफ अटॉर्नी जारी होने की सूचना के आवेदनों के निस्तारण की समय-सीमा घटाकर 15 दिन से 1 दिन कर दी गई है। इससे उद्यिमयों को शीघ्र सेवाएं प्राप्त होंगी तथा प्रशासनिक दक्षता में वृद्धि होगी। भूखण्ड को सब-लेटिंग अथवा सब-लीजिंग पर देने के आवेदनों का निस्तारण अब 7 दिन के स्थान पर मात्र 3 दिन में किया जाएगा।

यदि कोई उद्यमी निर्धारित समय-सीमा में भूखण्ड पर औद्योगिक इकाई स्थापित नहीं कर पाता है, तो समय-सीमा बढ़ाने के लिए आवेदन करना आवश्यक होता है।

ऐसे मामलों में अब कारण सहित औचित्य, जियोटैग फोटो एवं अन्य सहायक दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। उल्लेखनीय है कि इन आवेदनों के निस्तारण की समय-सीमा भी 15 दिन से घटाकर 10 दिन कर दी गई है। इसी प्रकार, न्यायालय के माध्यम से अमलगमेशन, मृत्यु की स्थिति, गिफ्ट डीड, विक्रय तथा सब-डिवाइडेड प्लॉट के ट्रांसफर जैसे विभिन्न प्रकरणों के निस्तारण की समय-सीमा में भी कमी कर उद्यिमयों को बड़ी राहत प्रदान की गई है। रीको की इस पहल से भूखण्ड आवंटियों को विभिन्न प्रकार की स्वीकृतियां बहुत कम समय में मिल सकेंगी एवं वे अपनी परियोजनायें जल्द स्थापित कर सकेंगे।

पूर्व आई.ए.एस. सुबोध अग्रवाल 13 अप्रैल तक रिमांड पर

960 करोड़ रुपए के जल जीवन मिशन घोटाले के मामले में एसीबी ने किया था गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। एसीबी मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 ने जल जीवन मिशन में हुए करीब 960 करोड रुपए के घोटाले से जुडे मामले में पूर्व आईएएस और तत्कालीन अतिरिक्त जलदाय सचिव सुबोध अग्रवाल को 13 अप्रैल तक रिमांड पर एसीबी को सौंप दिया है। हाल ही में अदालत की ओर से आरोपी सुबोध अग्रवाल को भगौडा घोषित करने के बाद एसीबी ने उसे गिरफ्तार किया था।

एसीबी की ओर से आरोपी सुबोध अग्रवाल को अदालत में पेश कर पांच दिन का रिमांड मांगा। एसीबी की ओर से कहा गया कि आरोपी से प्रकरण को लेकर पूछताछ करनी है। वहीं यह भी जानकारी हासिल की जाएगी की इस घोटाले में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। वहीं सुबोध अग्रवाल के वकील ने पुलिस रिमांड का विरोध किया। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपी को 13 अप्रैल तक पुलिस रिमांड पर सौंप दिया है। बाहर आकर सुबोध अग्रवाल ने कहा कि उन्हें न्याय प्रणाली पर पूरा भरोसा है, सत्यमेव जयते।

ज्ञात रहे कि जल जीवन मिशन घोटाले को लेकर एसीबी ने पूर्व में तत्कालीन जलदाय मंत्री महेश जोशी और ठेका फर्म के संचालकों को गिरफ्तार किया था। जिन्हें सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली थी। वहीं गत दिनों एसीबी ने जलदाय विभाग के वर्तमान और पूर्व अधिकारियों दिनेश गोयल, कृष्णदीप गुप्ता, शुभांशु दीक्षित, सुशील शर्मा, विशाल सक्सेना, अरुण श्रीवास्तव, डीके गौड, महेन्द्र प्रकाश सोनी, निरिल कुमार और मुकेश पाठक को गिरफ्तार किया था। एसीबी कोर्ट इन सभी अधिकारियों की जमानत अर्जियों को खारिज कर चुकी है। इसके अलावा तीन अन्य आरोपी फरार चल रहे हैं।

सुबोध अग्रवाल की ओर से मामले में अपने खिलाफ दर्ज एसीबी की इस एफआईआर को रद्द कराने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। गत 19 फरवरी को याचिका दायर होने के बाद नाटकीय घटनाक्रम में उनके अधिवक्ता ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र पेश कर अपना वकालतनामा वापस ले लिया। अब उनकी ओर से दूसरे अधिवक्ता पेश हो रहे हैं। सुबोध अग्रवाल का कहना है कि जलदाय विभाग के अधिकारी विशाल सक्सेना के बयान पर उसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है, जबकि मामले का खुलासा होने के बाद उसके कार्यकाल में विशाल पर कार्रवाई की गई थी।

गौरलब है कि जल जीवन मिशन घोटाले को लेकर एसीबी ने साल 2024 में एफआईआर दर्ज की थी। जांच में सामने आया की ठेका फर्म श्री गणपति ट्यूबवेल और श्री श्याम ट्यूबवेल के संचालकों ने इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड के फर्जी प्रमाण पत्र तैयार कर पीएचईडी के अफसरों से मिलीभगत कर करीब 960 करोड रुपए के टेंडर हासिल किए।

"ट्री हाऊस हाई स्कूल" की मनमर्जी का मामला सीबीएसई तक पहुंचा

कलेक्टर संदेश नायक ने भी स्कूल का निरीक्षण कर हालात जांचे

जयपुर। राजधानी जयपुर के श्याम नगर इलाके में "ट्री हाऊस हाई स्कूल" पिछले 4 दिनों से बंद है। स्कूल संचालकों ने सत्र 2026-27 की फीस वसूलने के बावजूद अघोषित रूप से स्कूल बंद कर रखा है। स्कूल प्रबंधन ने अभिभावकों और बच्चों के भविष्य की चिंता किए बिना मनमर्जी से गत मंगलवार को स्कूल बंद कर दिया था, इसकी पूरी शिकायत सी.बी.एस.ई. तक भी पहुंची है। उधर जिला कलेक्टर संदेश नायक ने भी स्कूल का औचक निरीक्षण कर बच्चों के भविष्य के लिए हालात जांचे है। उधर अभिभावकों ने शुक्रवार को शिक्षा विभाग पहुंचकर प्रकरण की शिकायतें की है, परंतु अधिकारियों ने स्कूल पर कोई एक्शन लेने के बजाय अभी चर्चा करके फैसला लेने की बात कही है।

गौरतलब है कि, विद्या भारती समिति द्वारा श्याम नगर में "ट्री हाऊस हाई स्कूल" संचालित की जा रही थी। उन्होंने यह स्कूल बिल्डिंग अरिहंत एंटरप्राइजेज के मालिक विनय चौरडिया से 10.67 लाख रु. प्रतिमाह किराये पर ली थी। परंतु पिछले 4 वर्षों से स्कूल संचालक राजेश भाटिया किराया नहीं चुका पा रहा था, ऐसे में दोनों पक्षों के बीच बकाया 4.21 करोड़ रुपए को लेकर भारी विवाद है। गत मंगलवार को भाटिया अचानक स्कूल बंद करके फरार हो गया। पिछले 3 दिनों से बच्चे और अभिभावक स्कूल प्रबंधन से लेकर विधायक, पुलिस, शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन के पास चक्कर काट रहे हैं, लेकिन कहीं से कोई राहत नहीं मिलती दिख रही। इस पूरे प्रकरण में "ट्री हाऊस हाई स्कूल" पर शिक्षा विभाग और सीबीएसई द्वारा अभी तक कोई एक्शन नहीं लिया जाना भी संशय की स्थिति पैदा कर रहा है।

हालांकि शुक्रवार को सी.बी.एस.ई. के अधिकारियों ने स्कूल पहुंचकर हालात देखे और साफ कहा कि हमें स्कूल बंद करने के संबंध में कोई सूचना नहीं मिली है। ऐसे अचानक स्कूल बंद नहीं किया जा सकता, इसके लिए कम से कम 3 महीने पहले सूचना देनी होती है। ऐसे में फिलहाल 3 महीने तक स्कूल की मान्यता रद्द नहीं हो पाएगी। उधर अभिभावकों का कहना है कि, जिला कलेक्टर मौके पर पहुंचे, लेकिन उन्होंने भी सभी बच्चों के भविष्य की चिंता करने के बजाय सिर्फ आर.टी.ई. में पढ़ रहे बच्चों को अन्यत्र शिफ्टिंग को लेकर ज्यादा बातचीत की। हैरानी की बात है कि आखिर कोई स्कूल कैसे मनमर्जी से बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर सकता है, सरकार और प्रशासन इस पर कोई एक्शन क्यों नहीं ले रहा?

निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने की कवायद

जयपुर। राजधानी जयपुर समेत प्रदेशभर में "राइजिंग राजस्थान" समिट के दौरान हुए निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने की कवायद चल रही है। जयपुर जिला प्रशासन की मॉनिटरिंग से 187 में से 30 एमओयू जमीन पर उतर चुके हैं। ज्ञात रहे कि समिट के दौरान 33 हजार 698 करोड़ रुपए के कुल 187 एमओयू हुए थे, जिनमें से 2965 करोड़ रुपए से ज्यादा के 30 समझौता को धरातल पर उतारा है। शुक्रवार को जिला कलक्टर संदेश नायक की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें राइजिंग राजस्थान समिट के अंतर्गत निष्पादित एमओयू की प्रगति की समीक्षा की गई।

अनंत अंबानी की संस्था गुजरात के जाम नगर में खोलेगी "वनतारा यूनिवर्सिटी"

जामनगर (गुजरात)। रिलायंस इंडस्ट्रीज़ के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनंत अंबानी की बनाई ग्लोबल वाइल्डलाइफ कंज़र्वेशन ऑर्गनाइज़ेशन "वनतारा" ने गुजरात के जामनगर में वनतारा यूनिवर्सिटी शुरू करने की घोषणा की है। यह वन्यजीव संरक्षण और पशु चिकित्सा विज्ञान को समर्पित दुनिया की पहली एकीकृत वैश्विक यूनिवर्सिटी होगी।

- यह वन्यजीव संरक्षण और पशु चिकित्सा विज्ञान को समर्पित दुनिया की पहली एकीकृत वैश्विक यूनिवर्सिटी होगी

वनतारा यूनिवर्सिटी की नींव पशु कल्याण, वैज्ञानिक प्रगति और वन्यजीव संरक्षण पर आधारित है। इस संस्थान का लक्ष्य पशु चिकित्सा, संरक्षण और वन्यजीव देखभाल के क्षेत्र में भविष्य के लीडर्स तैयार करना है। इसका पाठ्यक्रम भारत की सदियों पुरानी ज्ञान परंपराओं का उपयोग करके शिक्षा का एक उद्देश्य-पूर्ण और भविष्य-उन्मुखी मॉडल तैयार करेगा।

अनंत अंबानी ने कहा कि संरक्षण का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि हम लोगों और संस्थानों को करुणा, ज्ञान और कौशल के साथ जीवों की सेवा करने के लिए कैसे तैयार करते हैं। वनतारा यूनिवर्सिटी की परिकल्पना उस व्यक्तिगत अनुभव से प्रेरित है, जब मैंने संकट में पड़े पशुओं को करीब से देखा और उनकी बेहतर देखभाल के लिए अधिक क्षमता की आवश्यकता महसूस की।

प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय की भावना और 'आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः' अर्थात् सभी दिशाओं से श्रेष्ठ विचार हमारे पास आएं, के आदर्शों से प्रेरित होकर यह विश्वविद्यालय हर जीवन की रक्षा के लिए समर्पित नई पीढ़ी तैयार करना चाहता है।

हिंदू परंपराओं के अनुसार आयोजित इस शिलान्यास समारोह में शिक्षा, विज्ञान, संरक्षण और सार्वजनिक जीवन के प्रतिनिधियों के साथ-साथ अनंत अंबानी के शिक्षक और मार्गदर्शक भी शामिल हुए। समारोह का एक मुख्य आकर्षण मिट्टी, जल और पत्थरों को विधि-विधान से स्थापित करने की रस्म थी, जिसे शिलान्यास के एक प्रतीकात्मक कार्य के रूप में संपन्न किया गया। वनतारा यूनिवर्सिटी अलग-अलग सब्जेक्ट्स में अंडरग्रेजुएट, पोस्टग्रेजुएट, फेलोशिप और स्पेशलाइज्ड प्रोग्राम ऑफर करेगी। इनमें वाइल्डलाइफ मेडिसिन और सर्जरी, न्यूट्रिशन, बिहेवियरल साइंसेज, जेनेटिक्स, एपिडेमियोलॉजी, वन हेल्थ, कंज़र्वेशन पॉलिसी और नेचुरलिस्टिक एनिमल केयर एनवायरनमेंट डिज़ाइन की पढ़ाई होगी। वनतारा की कार्यक्षमता के अनुरूप विशेष कॉलेज भी स्थापित किए जाएंगे। साथ ही सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्तियां भी प्रदान की जाएंगी। शिलान्यास समारोह ने करुणा-आधारित संरक्षण शिक्षा को आगे बढ़ाने के व्यापक राष्ट्रीय प्रयास की शुरुआत भी दर्शाई।

इनकम टैक्स रेड का डर दिखाकर जयपुर में 90 लाख रुपए की ठगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुरलीपुरा थाना पुलिस ने इनकम टैक्स रेड का भय दिखाकर 90 लाख रुपये की ठगी करने वाले शातिर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए मुख्य आरोपी सहित उसके मुखबिर को गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि मुरलीपुरा थाना पुलिस ने इनकम टैक्स रेड का भय दिखाकर 90 लाख रुपये की ठगी करने वाले शातिर ठग बाबूलाल वर्मा उर्फ बी.एल. गोयल (58) निवासी चूरू हाल माचेडा (हरमाडा) सहित मुखबिर रोहित वर्मा (24) निवासी नेपाल हाल वीकेआई गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 77 लाख 50 हजार रुपये बरामद किए हैं। मुख्य आरोपी बाबूलाल वर्मा के पास से 52 लाख रुपये नकद मिले, जबकि रोहित वर्मा से 50 हजार रुपये बरामद हुए। इसके अलावा आरोपी द्वारा ठगी की रकम से केनरा बैंक में लिया गया 25 लाख रुपये का गोल्ड लोन चुकाया गया था, जिसे भी रिकवरी में शामिल किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी इस रकम से फ्लैट खरीदने की योजना बना रहा था, लेकिन उससे पहले ही गिरफ्त में आ गया।

- मुरलीपुरा पुलिस ने शातिर नटवरलाल समेत दो बदमाशों को दबोचा
- वारदात के बाद आरोपी मुंबई, भोपाल और उदयपुर में फरारी काटता रहा

पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है और अन्य संभावित कड़ियों की भी पड़ताल की जा रही है। थानाधिकारी वीरेन्द्र कुरील ने बताया कि परिवादी ने 17 मार्च 2026 को अपना प्लॉट बेचा था, जिसके एवज में उसे 90 लाख रुपये प्राप्त हुए। इसी दौरान मौजूद रोहित वर्मा ने रुपयों से भरे बैग और पूरी जानकारी शातिर ठग बाबूलाल वर्मा उर्फ बी.एल. गोयल को दे दी। जहां योजना के तहत अगले ही दिन आरोपी बाबूलाल वर्मा परिवादी के पास पहुंचा और खुद को प्रभावशाली बताते हुए इनकम टैक्स रेड पड़ने का डर दिखाया। उसने रुपयों को सुरक्षित रखने के बहाने परिवादी को साथ लिया और एक बंद मकान में ले जाकर दूसरी मंजिल पर रखे पुराने फ्रिज में रुपयों से भरा बैग रखवा दिया। इसके बाद परिवादी को भोजन के बहाने बाहर भेज दिया। जब परिवादी वापस लौटा तो आरोपी और रुपयों से भरा बैग दोनों गायब थे। इस घटना के बाद आरोपी मुंबई, भोपाल और उदयपुर में फरारी काटता रहा। जहां गठित पुलिस टीम ने घटनास्थल से लेकर भागने के पूरे रूट के सौ से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले। जिससे आरोपियों की पहचान कर उन्हें दबोचा।

हथिनी को गुलाबी रंगने और मृत्यु के विरोध में प्रदर्शन

राजधानी जयपुर में हथिनी चंचल को गुलाबी रंग में रंगने और उसके बाद विदेशी फोटोग्राफर द्वारा फोटोशूट किये जाने के विरोध में शुक्रवार को पेटा द्वारा अल्बर्ट हाल पर प्रदर्शन किया गया। ज्ञात रहे कि यह फोटोशूट करीब 1 साल पहले हुआ था, हथिनी चंचल की मौत भी हो चुकी है। पिछले दिनों जब यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आयी थी, उसके बाद जमकर विवाद उपजा था। फोटो-राष्ट्रदूत

चंदवाजी में 795 किलो विस्फोटक के साथ दो बदमाश गिरफ्तार

खदान क्षेत्र में अवैध ब्लास्टिंग की तैयारी कर रहे थे दोनों आरोपी

जयपुर। जयपुर ग्रामीण के चंदवाजी थाना क्षेत्र में पुलिस की त्वरित कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया। खदान क्षेत्र में अवैध ब्लास्टिंग की तैयारी कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए पुलिस ने 795 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री का जखीरा जब्त किया है।

पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने बताया कि जयपुर ग्रामीण जिले में विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शाहपुरा) रणवीर सिंह और वृत्ताधिकारी जमवारामगढ़ रामकिशन विश्नोई के सुपरविजन में थानाधिकारी नितिन चौधरी के नेतृत्व में गठित टीम ने ऑपरेशन को अंजाम दिया।

पुलिस को सूचना मिली थी कि त्रिवेणी क्रेशर के पास खदान क्षेत्र में भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री इकट्ठा कर अवैध ब्लास्टिंग की तैयारी की जा रही है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मौके पर दबिश देकर कांकड़ की ढाणी, मानपुरा माचेडी निवासी बाबूलाल यादव और सुरेश कुमार यादव को गिरफ्तार कर लिया।

तलाशी के दौरान पुलिस ने 286 नग अमोनियम नाइट्रेट बूस्टर (कुल 795 किलो), 121 डेटोनेटर डीटीएच वायर सहित, एक जिलेटिन बत्ती तथा 4 अतिरिक्त डेटोनेटर बरामद किए। इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बिना लाइसेंस रखना गंभीर अपराध माना जाता है, जिससे बड़ा हादसा हो सकता था। आरोपी विस्फोटक सामग्री के संबंध में कोई वैध अनुमति प्रस्तुत नहीं कर सके। इस पर पुलिस ने विस्फोटक अधिनियम 1884 के तहत मामला दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। इस कार्रवाई में पुलिस टीम के हरिराम, हेड कांस्टेबल सुभाष चंद और कांस्टेबल रोहिताश सहित अन्य कर्मियों की अहम भूमिका रही। पुलिस अब इस मामले से जुड़े अन्य लोगों और नेटवर्क की जांच में जुटी है।

चिड़ावा थाने के कांस्टेबल ने एसीबी टीम पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया

घटना में जयपुर से आई एसीबी टीम का एक कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि आरोपी पुलिस की सरकारी गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया

■ रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े जाने के डर से थाने के ड्राइवर अनिल कुमार ने गाड़ी से एसीबी टीम के सदस्यों को कुचलने की कोशिश की

चिड़ावा थाने के कांस्टेबल ने एसीबी टीम पर ही बदमाशों की तरह गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया।

फरार आरोपी कांस्टेबल

चिड़ावा, (निसं)। थाने में एसीबी की कार्रवाई के दौरान उस वक्त हड़कंप मच गया, जब रिश्वत लेते पकड़े जाने के डर से आरोपी पुलिस कांस्टेबल ड्राइवर ने एसीबी टीम पर ही फिल्मी अंदाज में बदमाशों की तरह गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया। वारदात में एक एसीबी का कॉन्स्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गया। जबकि आरोपी पुलिस की सरकारी गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार चिड़ावा थाना परिसर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जयपुर की टीम की कार्रवाई के दौरान सनसनीखेज घटनाक्रम सामने आया। रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े जाने के डर से थाने के ड्राइवर अनिल कुमार ने एसीबी टीम पर ही गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया। आरोपी ड्राइवर अनिल कुमार को पकड़ने के प्रयास के दौरान एसीबी टीम का एक कॉन्स्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गया। एसीबी जयपुर के डिप्टी एसपी सुरेंद्र पंचोली ने बताया कि आरोपी ड्राइवर अनिल कुमार एक गाड़ी ड्राइवर को लकड़ियों के परिवहन करने पर कार्रवाई करने का डर दिखाकर पैसे मांग रहा था। शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी टीम ने जाल बिछाया और आरोपी को रंगे हाथों पकड़ने की कार्रवाई शुरू की। जैसे ही आरोपी ने रिश्वत की राशि ली। टीम ने उसे पकड़ने का प्रयास किया। लेकिन टीम को देखते ही पुलिस कांस्टेबल अनिल कुमार बदमाशों की तरह गाड़ी दौड़ाने लगा। थाना गेट के पास गाड़ी रुकवाने की कोशिश की गई, लेकिन आरोपी ने गाड़ी रोकने के बजाय रिवर्स गियर में डालकर तेज गति से भगाकर ले गया। भागने के दौरान आरोपी ने एसीबी टीम के सदस्यों को कुचलने की कोशिश की। एसीबी टीम के कॉन्स्टेबल लक्ष्मीनारायण ने बहादुरी दिखाते हुए ड्राइवर साइड की खिड़की से लटककर गाड़ी रोकने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ने गाड़ी नहीं रोकी। आरोपी ने गली में खड़ी अन्य गाड़ियों से लक्ष्मीनारायण को टक्कर मारते हुए कॉन्स्टेबल को गिरा दिया। एक खड़ी कार से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गया और बेहोश हो गया। घटना के बाद आरोपी ड्राइवर पुलिस की सरकारी गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। घायल कॉन्स्टेबल को तत्काल स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें झुंझुनूं रेफर किया गया। फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

एसीबी के डिप्टी एसपी सुरेंद्र पंचोली ने बताया कि आरोपी ने एसीबी टीम के कर्मचारी की जान लेने का प्रयास किया है। उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। एसीबी की टीम आरोपी अनिल कुमार की तलाश में जुटी है और मामले की जांच जारी है।

श्रीगंगानगर में वाटर वर्क्स के टैंक में गिरने से दो मासूमों की मौत

■ खेलते समय पैर फिसलने से हुआ हादसा, परिजनों ने मुआवजे की मांग की

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के रायसिंहनगर में वाटर वर्क्स की डिग्गी में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। दोनों मासूम वाटर वर्क्स की डिग्गी के पास खेल रहे थे। इसी दौरान पैर फिसलने से दोनों डिग्गी में गिर गए। घटना शाम के करीब 6:30 बजे ठंडी गांव में हुई। मृतक बच्चों की पहचान दिव्यांशु (10) व राघव (10) निवासी ठंडी, रायसिंहनगर, श्रीगंगानगर के रूप में हुई। दोनों बच्चे पड़ोसी है। घटना के सूचना पर रायसिंहनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

ट्रेनी आरपीएस प्रियंका ने बताया कि गुरुवार शाम को करीब 6:30 बजे सूचना मिली थी कि गांव ठंडी में वाटर वर्क्स की डिग्गी में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन इससे पहले ही ग्रामीणों ने बच्चों को डिग्गी से बाहर निकाल लिया था लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका।

बताया जा रहा है कि बच्चे वाटर वर्क्स में खेल रहे थे। वाटर वर्क्स की डिग्गियों पर जाली भी लगी हुई है, लेकिन दोनों बच्चे जाली उठाकर डिग्गी के पास चले गए थे और खेलते समय उनका पैर फिसल गया। जिसके बाद वह डिग्गी में जा गिरे। जिनमें उनकी मौत हो गई। परिजनों द्वारा फिलहाल दोनों बच्चों का अंतिम संस्कार कर दिया गया है। दोनों बच्चे गरीब परिवार से हैं और अपने माता-पिता की इकलौती संतान थे। परिजन मुआवजे की मांग कर रहे हैं। वहीं, घटना से गांव में गम का माहौल है। हादसे की जानकारी मिलने पर उपखंड अधिकारी सुभाष चौधरी और तहसीलदार हर्षिता मीढ़ा सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीडित परिजनों से मुलाकात की और सहायता का आश्वासन दिया।

डूंगरपुर : फरार बाइक चोर को खाटूश्यामजी से गिरफ्तार किया

चोरी के बाद बिहार भाग गया था, बाद में खाटूश्यामजी में गेस्ट हाउस में काम करने लगा था

डूंगरपुर, (निसं)। सागवाड़ा थाना पुलिस ने एक मोटरसाइकिल चोर को गिरफ्तार किया है, जो पिछले तीन साल से फरार था। पुलिस ने ऑपरेशन शिकंजा के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपी को सीकर जिले के खाटूश्यामजी से पकड़ा।

सागवाड़ा थानाधिकारी ने बताया कि पादरा निवासी मीरा परमार पत्नी मोहन परमार ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 3 जुलाई 2023 को उनके घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल अज्ञात चोर चुरा ले गए थे। पुलिस टीम ने तकनीकी आधार और सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी की तलाश शुरू की। जांच में सामने आया कि वारदात के बाद आरोपी बिहार भाग गया था। बाद में वह सीकर जिले के खाटूश्याम क्षेत्र में रहने लगा था। पुलिस टीम खाटूश्याम पहुंची और मंदिर क्षेत्र के विभिन्न होटलों व सरायों में जांच की। आरोपी एक गेस्ट हाउस में काम करते हुए मिला। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने चोरी की वारदात कबूल कर ली। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सागवाड़ा के ठाकरडा पाडा निवासी पतरश उर्फ निका उर्फ निकेश उर्फ निलेश के रूप में हुई है। पुलिस फिलहाल आरोपी से पूछताछ कर कार्रवाई प्रारंभ कर दी है।

झुंझुनूं में पांच दवा दुकानों के लाइसेंस सस्पेंड

■ निरीक्षण में मिली अनियमितताओं पर औषधि नियंत्रण विभाग की कार्रवाई

झुंझुनूं, (निसं)। जिला औषधि नियंत्रण विभाग ने दवा दुकानों में अनियमितताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए जिले की पांच मेडिकल स्टोर्स के औषधि लाइसेंस पांच दिनों के लिए निलंबित कर दिए हैं। यह कार्रवाई औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत की गई जांच में खामियां सामने आने पर की गई।

औषधि नियंत्रण अधिकारी लोकेश सिंह एवं सरिता मीणा द्वारा संबंधित मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण किया गया था। जांच के दौरान स्टॉक रजिस्टर संधारण, बिलिंग प्रक्रिया एवं दवाओं के रखरखाव में कई प्रकार की अनियमितताएं पाई गई। इसकी रिपोर्ट विभागीय अधिकारियों को सौंपे जाने के बाद यह निर्णय लिया गया। सहायक औषधि नियंत्रक अनूप रावत ने बताया कि अधिनियम व नियमावली के तहत इन पांचों फर्मों के लाइसेंस 1 मई से 5 दिनों के लिए निलंबित रहेंगे। इस अवधि में संबंधित मेडिकल स्टोर किसी भी प्रकार की दवाओं की बिक्री या व्यापार नहीं कर सकेंगे। जिन मेडिकल स्टोर्स पर कार्रवाई की गई है, उनमें एसएस मेडिकल एंड प्रोविजनल स्टोर, राव मेडिकल एंड जनरल स्टोर, सुनील मेडिकल एजेंसी, आरके मेडिकल एंड जनरल स्टोर तथा आरजे मेडिकल स्टोर शामिल हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

उदयपुर में पोल पर फॉल्ट ठीक करते समय लाइनमैन ब्लास्ट के साथ नीचे गिरा, मौत

धमाके के साथ फट गया लाइनमैन का शरीर, ग्रामीणों ने मांगों को लेकर अस्पताल के बाहर प्रदर्शन किया

■ ठेकेदार द्वारा सात लाख रुपए मुआवजा देने पर सहमति बनी, इसके बाद पोस्टमॉर्टम हुआ

■ प्रतापनगर एक्सईएन ने कहा कि जांच का विषय है, उच्चाधिकारी इसकी जांच करवाएंगे

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में गुरुवार को फॉल्ट ठीक करते समय ब्लास्ट के साथ लाइनमैन का शरीर बुरी तरह फटकर पोल से नीचे गिर गया था। हादसे में लाइनमैन का पैर भी टूट गया था। हादसे के बाद देर रात तक करीब एक बजे लोग डबोक हॉस्पिटल के बाहर जमे रहे और घटना का विरोध किया। मौके पर मावली तहसीलदार, डबोक थानाधिकारी गोपाल नाथ और एक्सईएन राकेश करण सहित परिजन और ग्रामीण मौजूद थे। परिजन ठेकेदार को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे। इसके बाद सुबह वापस ग्रामीण एकत्रित हुए। करीब एक घंटे तक विरोध के बाद ठेकेदार द्वारा सात लाख रुपए मुआवजा दिए जाने पर सहमति बनी। इसके बाद पोस्टमॉर्टम प्रक्रिया शुरू की गई।

मामले में दूसरे दिन भी अधिकारी यह तक नहीं बता पाए कि आखिर लाइन चालू किसने की? सवाल पूछे जाने पर प्रतापनगर एक्सईएन राकेश करण बोले कियह जांच का विषय है। उच्चाधिकारी इसकी जांच करवाएंगे। जांच रिपोर्ट के बाद ही बता पाएंगे कि आखिर लाइन चालू करने वाला कौन था। ठेकेदार की गलती पूछे जाने पर एक्सईएन कुछ नहीं बोले।

घटना डबोक थाना क्षेत्र के तुलसीदासजी की सराय में गुरुवार शाम 6.30 बजे धुनीमाता निवासी लाइनमैन शोकत शेख (42) की पोल पर फॉल्ट ठीक करते वक्त अचानक करंट आने से मौत हो गई थी। 11 केवी की लाइन को शटडाउन करके ही पोल पर चढ़े थे, लेकिन अचानक किसी ने जीएसएस से बिजली सप्लाई चालू कर दी, जिससे फॉल्ट ठीक कर रहे शोकत शेख का शरीर धमाके के साथ फटा और पोल से नीचे गिर गया। उनका एक पैर पूरी तरह टूट गया। घटना के बाद परिजनों ने गांव के अनुभवहीन निजी व्यक्तियों को ठेके में काम पर रखने का भी आरोप लगाया था।

वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर समाप्त होते ही पारा बढ़ा

बीकानेर, (निसं)। जिले में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर समाप्त होते ही गर्मी ने एक बार फिर तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। पिछले दो दिनों में तापमान में वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे दिन के समय गर्मी का एहसास बढ़ गया है।

मौसम विभाग के अनुसार बीकानेर का अधिकतम तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो बढ़कर 32.3 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। इस प्रकार दो दिन में ही अधिकतम तापमान में लगभग 5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। न्यूनतम तापमान में भी इसी प्रकार की वृद्धि दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में बीकानेर में बारिश की कोई संभावना नहीं जताई है। शहर सहित राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क बना रहेगा। हालांकि, बीकानेर संभाग में कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। पूर्वानुमान के अनुसार, आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस की और बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे यह 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है।

Office of the Medical Superintendent
RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur
Sector-11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Tonk Road, Jaipur -302033(Raj.)
दूरभाष: 0141-2795577, Email: supdt.hms@ruhsraj.org, ruhshmstore@ruhsraj.org

No. :- F. ( ) RUHS HMS/Store/2026-27/391 Date :- 02/04/2026

Notice Inviting e-Bids

Single Stage Two envelope Online bids (e-bids) are invited up to 02.00 pm of 30-04-2026 for Supply and Installation of 1. Advance Thoracoscopy System, Qty. 01, Total Est. Cost Rs. 50.00 lacs, 2. PFT Machine, Qty. 01, Total Est. Cost Rs. 1.00 Lacs at Dept. of Respiratory Medicine, RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur. Details may be seen in the Bidding Documents at the Website **sppp.raj.nic.in,** or **eproc.rajasthan.gov.in.**

UBN : CMS2627GLOB00001, CMS2627GSOB00002
Raj.Samwad/C/26/663 Medical Superintendent

बंद पड़ी माइंस के पानी में डूबने से युवक की मौत

■ नहाते समय हुआ हादसा, युवक के कपड़े, जूते और मोबाइल बाहर मिले

डूंगरपुर, (निसं)। धम्बोला थाना क्षेत्र में एक बंद पड़ी माइंस के पानी में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को सीमलवाड़ा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। यह घटना हडमत फला बोडामली गांव में हुई। मृतक की पहचान दिनेश परमार के रूप में हुई है, जो गांव के ही कांतिलाल परमार का बेटा था।

जानकारी के अनुसार दिनेश सुबह गांव के पास बंद पड़ी माइंस में नहाने गया था। कुछ देर बाद माइंस में पानी में एक शव तैरने की सूचना मिली। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर शव की शिनाख्त दिनेश के रूप में की। घटनास्थल पर माइंस के बाहर दिनेश के कपड़े, जूते, मोबाइल और टोपी रखे हुए मिले। सूचना मिलने पर धम्बोला थाने के एएसआई पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला गया और सीमलवाड़ा अस्पताल की मोर्चरी पहुंचाया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

श्रीगंगानगर में पिता-पुत्र को नशे की तस्करी के आरोप में पकड़ा

■ तस्करों से 312 ट्रामाडोल कैप्सूल, 1400 प्रीगाबालीन कैप्सूल और 130 टपेंटाडोल टेबलेट बरामद की

श्रीगंगानगर, (निसं)। कालियां गांव के पिता-पुत्र को नशे की तस्करी के आरोप में पकड़ा गया है। सदर थाना के कार्यवाहक एसएचओ हंसराज खरोड़ ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करवाया है। एसपी हरीशंकर के निर्देश पर मामले की जांच एसआई सुनील कुमार को सौंपी गई है।

मिली जानकारी के अनुसार कालिया निवासी 40 वर्षीय लेखराज उर्फ लेखू पुत्र अर्जुनराम और उसके 19 वर्षीय बेटे जसकरण उर्फ बिंदु के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। एसएचओ सुभाष चंद्र ने बताया कि दोनों से ड्यूटी अधिकारी ने 312 ट्रामाडोल कैप्सूल, 1400 प्रीगाबालीन कैप्सूल और 130 टपेंटाडोल टेबलेट बरामद की हैं। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट व बीएनएस की धारा 223 (बी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों को अदालत में पेशकर रिमांड पर लिया जाएगा। इस दौरान यह पता लगाने का प्रयास रहेगा कि पिता-पुत्र दोनों उक्त नशे के काम ली जा रही दवाएं किससे और कहां से खरीदकर ला रहे थे।

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड उदयपुर (राज.) 313001
दुरभाष स.0294-2414165, 2421255, 2420013 Helpline no. 0294 2426262 ई.मेल commudr@gmail.com, garage.umc21@gmail.com

क्रमांकः- गैराज/ननिउ/2026-27/14 दिनांक :- 08.04.2026

(ई-भुगतान) अल्पकालिन बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 01

नगर निगम उदयपुर के गैराज अनुभाग से सम्बंधित 03 कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसकी कुल अनुमानित लागत राशि 49.48 लाख रू. है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध हैं। निविदा की प्रारंभ तिथि 09.04.2026, अंतिम तिथि 15.04.2026 एवं निविदा खुलने की तिथि 16.04.2026 है।

UBN no. UNP2627WSRC00004

अधिशाषी अभियन्ता (यांत्रिक) नगर निगम उदयपुर — आयुक्त नगर निगम उदयपुर
राज.संवाद/सी/26/646

प्राइवेट स्कूल संचालक नहीं रोक सकेंगे बच्चों की टीसी, आदेश जारी

माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने आदेश दिया है कि किसी भी तरह का विवाद होने के बाद भी स्टूडेंट की टीसी को रोका नहीं जा सकता

■ स्कूल एजुकेशन वेलफेयर एसोसिएशन सेवा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष ने शिक्षा निदेशक को पत्र लिखकर आदेश में संशोधन की मांग की

बीकानेर, (निसं)। माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने एक आदेश जारी करके प्राइवेट स्कूल संचालकों को आदेश दिया है कि किसी भी तरह का विवाद होने के बाद भी स्टूडेंट की टीसी (ट्रांसफर सर्टिफिकेट) को रोका नहीं जा सकता। अगर कोई स्कूल टीसी रोकता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। निदेशक ने अपने आदेश में निर्देश दिए हैं कि गैर सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत स्टूडेंट्स को उनके गार्जन के आवेदन पर समय पर ट्रांसफर सर्टिफिकेट (टीसी) जारी करना होगा। साथ ही, गार्जन और स्कूल मैनेजमेंट के बीच किसी भी प्रकार का विवाद होने पर भी टीसी को नहीं रोका जाए, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित न हो।

आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि यदि किसी विद्यालय द्वारा टीसी जारी करने में अनावश्यक देरी या इनकार किया जाता है, तो राजस्थान गैर सरकारी शैक्षणिक संस्था अधिनियम 1989, नियम 1993 एवं संशोधित नियम 2011 के तहत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

स्कूल एजुकेशन वेलफेयर एसोसिएशन सेवा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष कोडाराम भादू ने शिक्षा निदेशक को पत्र लिखकर आदेश में संशोधन की मांग की है। विद्यालय प्रबंधन और अभिभावकों के बीच अधिकांश विवाद बकाया फीस को लेकर होते हैं। यदि बिना शुल्क जमा कराए ही टीसी जारी करनी पड़ेगी, तो निजी विद्यालयों के लिए आर्थिक संतुलन बनाए रखना कठिन हो जाएगा।

संचालकों का कहना है कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा अंकतालिकाएं ऑनलाइन जारी किए जाने के बाद विद्यार्थी विद्यालयों से मूल दस्तावेज लेने नहीं आते, जिससे अभिभावक बकाया फीस जमा नहीं कराते और विवाद की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। ऐसे में बिना 'नो-ड्यूज' प्रमाण पत्र के टीसी जारी करना निजी विद्यालयों के हितों के विरुद्ध है।

एसोसिएशन ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार अपने विद्यालयों में छात्र संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से इस प्रकार के आदेश जारी कर रही है। साथ ही, आरटीई एवं अन्य देय भुगतानों में देरी के कारण निजी विद्यालय पहले से ही आर्थिक दबाव में हैं। प्री-प्राइमरी कक्षाओं के आरटीई भुगतान भी कोर्ट के आदेश के बावजूद लंबित बताए गए हैं।

निजी विद्यालय अपने संसाधनों, शिक्षकों के वेतन, भवन किराया, बिजली-पानी और अन्य व्यवस्थाओं का संचालन विद्यार्थियों से प्राप्त शुल्क के आधार पर करते हैं। यदि अभिभावक शुल्क जमा किए बिना ही टीसी प्राप्त कर लेते हैं, तो विद्यालयों के लिए संचालन करना अत्यंत कठिन हो जाएगा। इसके अतिरिक्त, स्वीकृत बजट को ट्रेजरी में फॉरवर्ड किए जाने के बावजूद 31 मार्च तक ईसीएस के माध्यम से भुगतान नहीं होने से बजट लैप्स हो गया, जिससे संबंधित विद्यालयों को गंभीर आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस मुद्दे पर आगे की रणनीति बनाने के लिए स्कूल एजुकेशन वेलफेयर एसोसिएशन सेवा राजस्थान ने रविवार को एक बैठक बुलाई है, जिसमें आगामी कदमों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

उधर, बीकानेर प्राइवेट स्कूल क्लब के अध्यक्ष मनोज व्यास ने कहा है कि अगर सभी संगठन मिलकर इस निर्णय के खिलाफ आंदोलन करते हैं तो क्लब से जुड़े स्कूल भी आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि निदेशालय के समक्ष इस निर्णय के खिलाफ प्रदर्शन होना चाहिए।

एक करोड़ से अधिक की ठगी करने वाले दो अपराधी गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पांच महंगे मोबाइल जब्त किए

निवाई, (निसं)। प्रदेश में पुलिस द्वारा सायबर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे ऑपरेशन हंटर के तहत दत्तवास थाना पुलिस ने एक करोड़ से अधिक की ठगी करने वाले दो सायबर अपराधियों का गिरफ्तार किया है।

दतवास थानाधिकारी हीरालाल वर्मा ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक राजेशकुमार मीणा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव के निर्देशन एवं डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा के सुपरविजन में सायबर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे ऑपरेशन हंटर के तहत गठित टीम ने एक करोड़ रुपये से अधिक के सायबर फ्रॉड का खुलासा करते हुए आरोपी शंकर मीणा व राकेश मीणा दोनों निवासी खेडा की ढाणी तुर्किया को डिटेन कर पूछताछ की गई।

दतवास थानाधिकारी हीरालाल वर्मा ने बताया कि आरोपी फर्जी ट्रेड लिंक, वर्क फ्रॉम होम, राइटिंग स्किल्स व गिफ्ट आइटम के लुभावने विज्ञापनों के जरिए आमजन को ठगते थे। आरोपी यूट्यूब सब्सक्राइबर बढ़ाने का झांसा देकर टेलीग्राम, व्हाट्सएप व इंस्टाग्राम के माध्यम से लिंक भेजकर घर बैठे मोटी रकम कमाने का लालच देकर सायबर फ्रॉड को अंजाम देते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पांच महंगे मोबाइल जब्त किए हैं। आरोपितों के मोबाइल की जांच में 25 से अधिक फर्जी नंबरों का उपयोग पाया गया है, जो अलग-अलग नामों से सिम इशू करवाकर चलाए जा रहे थे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सायबर अपराध पोर्टल पर इन आरोपियों के विरुद्ध पहले से ही 8 ऑनलाइन मामले दर्ज हैं।

पुलिस ने सायबर अपराध का मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है, जिससे इस नेटवर्क से जुडे अन्य आरोपियों का भी खुलासा होगा। टीम में थानाधिकारी हीरालाल वर्मा, सहायक उप निरीक्षक मोहनलाल, हेड कांस्टेबल नीरज कुमार, कांस्टेबल आशाराम, कन्हैयालाल, शिवजी प्रसाद, हरिशंकर, विष्णु कुमार, हरिकेश व चालक राजकुमार आदि शामिल रहे।

APOLLO COLLEGE OF VETERINARY MEDICINE
Agra Road Jaipur-302031 (Rajasthan) Website: www.apollovet.org
Email: apollovetjaipur@gmail.com Contact: 7005527322, 0141-2682335

RECRUITMENT OF TEACHING STAFF
ADVERTISEMENT NO. (01/2026)

Bio-data along with relevant documents are being invited for the following posts upto 30th April, 2026 either by speed post or by email apollovetjaipur@gmail.com. The applicant should have minimum qualifications of M.V.Sc. / Ph.D. in the concerned subject. The retired Professor may also apply.

NAME OF DEPARTMENTS	NAME OF POST		
	PROFESSOR	ASSOCIATE PROFESSOR	ASSISTANT PROFESSOR/
VETERINARY ANATOMY	---	1	---
VETERINARY PHYSIOLOGY & BIOCHEMISTRY	---	---	1*
VETERINARY PUBLIC HEALTH & EPIDEMIOLOGY	1	---	---
VETERINARY SURGERY & RADIOLOGY	---	---	1
VETERINARY CLINICAL COMPLEX			1*
LIVESTOCK FARM COMPLEX	1	---	---

Note: 1. Assistant Professor – *Veterinary Biochemistry
2. Professors and Associate Professors should not exceed 70 years of age.
3. Send the biodata alongwith xerox copy of UG, PG, Ph.D. Degree, copy of experience certificate, copy of published articles etc.

DEAN

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा.अभि. विभाग खण्ड सॉचौर
एन.एच. 68, PHED Campus, सॉचौर (जालोर)
Te. Pho. No 02979-283624 E-mail.: eephedscr@gmail.com
क्रमांकः अ.अ./ जन स्वा./ सॉ/ निविदा/2026-27/19 दिनांकः- 07/04/2026

निविदा सुचना संख्या - 01/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से खण्ड सॉचौर के अधीन विभिन्न कार्य कराने हेतु लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग प्रकिया में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

कार्यालय का नाम व स्थान	अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड सांचौर
निविदा का कार्य	Annual Rate Contract for Daily periodical operation of valve at supply times for specified by department per sluice valve
निविदा की कुल लागत (राशि लाखों में)	कुल निविदा 02 रु. 30.00 लाख
निविदा प्रपत्र वेबसाईड पर उपलब्ध एवं ऑन लाईन सबमिट की दिनांक	07.04.2026 से 16.04.2026 को 13.00 बजे तक
निविदाएँ खोलने की तिथी व समय	17.04.2026 को 15.00 बजे से
UBN No	PHE2627WSRC00141, PHE2627WSRC00142

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://dipr.rajasthan.gov.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा एवं भरा जा सकता है। शुद्धि पत्र केवल वेबसाईड पर ही अपलोड किये जायेगे।

(पृथ्वीसिंह) अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, खण्ड सॉचौर
DIPR/C/6670/2026

42 बीघा भूमि के विवाद में आवासन मंडल की जीत

हाईकोर्ट ने बी2 बाईपास पर स्थित श्रीराम कॉलोनी को लेकर फैसला सुनाया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने बी 2 बाइपास पर स्थित श्रीराम कॉलोनी को लेकर विवादित करीब 42 बीघा जमीन से जुडे मामले में जेडीए की ओर से 29 मई, 1995 को दी गई योजना स्वीकृति और उसके बाद के आदेशों को अवैध माना है। इसके साथ ही अदालत ने 31 जुलाई, 1981 का समझौता विक्रय भी अवैध मानते हुए शून्य घोषित कर दिया है। अदालत ने कहा कि तथाकथित समझौता विक्रय से स्वामित्व हस्तांतरित नहीं होता है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश राजस्थान आवासन मंडल की ओर से दायर याचिका को स्वीकार कर निजी व्यक्तियों की ओर से दायर तीन याचिकाओं को खारिज करते हुए दिए।

- **अदालत ने जेडीए की ओर से 29 मई 1995 को दी गई योजना स्वीकृति और उसके बाद के आदेशों को अवैध माना है। साथ ही 31 जुलाई 1981 का तथाकथित समझौता विक्रय भी अवैध मानते हुए शून्य घोषित किया है।**
- **अदालत ने वर्ष 1986 की ऑडिट रिपोर्ट और 25 जुलाई 2019 की जांच समिति रिपोर्ट के आधार पर माना कि अधिग्रहण से पूर्व ऐसी कोई योजना अस्तित्व में ही नहीं थी और समिति ने मूल खातेदारों को भी हाईकोर्ट में पक्षकार नहीं बनाया।**
- **हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि खातेदार सिविल कोर्ट में जमा मुआवजो के लिए आवेदन कर सकते हैं और आवासन मंडल भी विधि सम्मत कार्रवाई के लिए स्वतंत्र है।**

अदालत ने कहा कि धोखाधड़ी से प्राप्त कोई भी आदेश अंतिम हो तो भी वह अवैध ही होता है। अदालत ने माना कि 12 फरवरी, 2002 को एकलपीठ से गलत तथ्यों से आदेश प्राप्त किया गया था, ऐसे में उसे रद्द किया जाता है। अदालत ने साल 1986 की ऑडिट रिपोर्ट और 25 जुलाई, 2019 की जांच समिति रिपोर्ट के आधार पर माना की अधिग्रहण से पूर्व ऐसी कोई योजना अस्तित्व में ही नहीं थी और समिति ने मूल खातेदारों को भी पक्षकार नहीं बनाया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि खातेदार सिविल कोर्ट में जमा मुआवजा के लिए आवेदन कर सकते हैं और आवासन मंडल भी विधि सम्मत कार्रवाई के लिए स्वतंत्र है।

प्रकरण से जुडे अधिवक्ता दिनेश यादव ने बताया कि साल 1981 में जवाहरपुरी भवन निर्माण सहकारी समिति ने खातेदारों से समझौता विक्रय के आधार पर भूमि खरीदने का दावा करते हुए श्रीराम कॉलोनी-बी योजना बनाई। वहीं साल 1990 में इस भूमि का अधिग्रहण कर आवासन मंडल को सौंपी गई। इस दौरान समिति ने जेडीए से नियमितिकरण कराया।

इसके बाद पहले चरण का विवाद हाईकोर्ट आने पर अदालत ने साल 2002 में जेडीए को पट्टे जारी करने को कहा और मामला साल 2018 में सुप्रीम कोर्ट से तय हुआ। इस दौरान साल 2019 में आवासन मंडल ने नई याचिका दायर कर कहा कि साल 2002 का आदेश गलत तथ्यों पर आधारित था।

'पोषण पखवाड़े में राजस्थान को पुनः मिले प्रथम स्थान'

जयपुर (कासं)। उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निर्देशन में राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा तथा पोषण माह के नियमित आयोजनों से 06 वर्ष तक के बच्चों के पोषण के प्रति जागृकता का वातावरण तैयार हुआ है। उन्होंने कहा कि बच्चों के जीवन के पहले 6 साल सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। इस दौरान सही पोषण और देखभाल के लिए पूरे समुदाय की भागीदारी जरुरी है, सही पोषण से ही देश रोशन होगा। उन्होंने कहा कि पोषण पखवाड़ा में इस बार भी राजस्थान को प्रथम स्थान मिले इसके लिए आईसीडीएस को कडी मेहनत करनी होगी। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अष्टम राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा के दूसरे दिन शुक्रवार को जयपुर के विद्याधर नगर सेक्टर-4 स्थित जेपी कॉलोनी, वार्ड 24 की आंगनबाडी केन्द्र पर आयोजित पोषण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उक्त विचार व्यक्त किये। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जो बच्चें आज जन्म ले रहे हैं वो 2047 तक पूर्ण युवा हो जाएंगे। यदि उन बच्चों को सही पोषण शिक्षा और स्वास्थ्य प्रदान किया जाए तो 2047 में जब वे युवा होकर देश का नेतृत्व करेंगे तो देश का भविष्य निश्चित ही सुरक्षित और मजबूत हाथों में होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने 42 महिला पीसीआर वैन को दिखाई हरी झंडी

अपराधों और घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई के लिए 24 घण्टे काम करेगी पीसीआर, अभय कमांड से जुड़ेंगी

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय से महिला सुरक्षा को समर्पित 42 पीसीआर वैन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिला सुरक्षा हैल्पलाइन 1090 को निरन्तर मजबूत बना रही है। शर्मा ने कहा कि महिलाओं के विरूद्ध अपराधों एवं घटनाओं पर त्वरित कार्यवाही के लिए राजस्थान पुलिस को आवश्यक आधुनिक संसाधन उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। यह महिला पीसीआर वैन 24 घण्टे महिलाओं की सहायता के लिए काम करेंगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय से महिला सुरक्षा को समर्पित 42 पीसीआर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

उल्लेखनीय है कि इन सभी वाहन टीम को अभय कमाण्ड सेंटर से जोड़ा जायेगा, जो कि पहले से संचालित डायल 112 की तर्ज पर कार्य करेगी। इसके लिए प्रत्येक वाहन में मोबाइल डाटा टर्मिनल (एमडीटी) स्थापित किया गया है। अभय कमाण्ड सेंटर से एमडीटी को मिले निर्देशों पर अपराध एवं घटना के विरूद्ध प्रभावी तथा त्वरित कार्यवाही संभव होगी। इन वाहनों में अन्य महत्वपूर्ण उपकरणों के तहत जीपीएस, फोल्डिंग स्ट्रेचर एवं एलईडी लाइट बार को भी उपलब्ध करवाया गया है। महिला सुरक्षा हैल्पलाइन 1090 महिलाओं को आपातकालीन स्थिति जैसे उत्पीडन, शोषण और हिंसा के मामलों में सहायता प्रदान करती है। यह हैल्पलाइन महिलाओं के लिए सुरक्षित एवं सशक्त वातावरण उपलब्ध कराने में प्रभावी तरीके से कार्य कर रही है। इस अवसर पर गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा सहित पुलिस मुख्यालय के अधिकारी मौजूद थे।

शैल्बी हॉस्पिटल जयपुर में ए.आई. आधारित शोल्डर रिप्लेसमेंट सर्जरी

डॉ. दिलीप मेहता और उनकी टीम ने किया सफल उपचार

जयपुर (कासं)। राजस्थान के चिकित्सा क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए, शैल्बी हॉस्पिटल में पहली बार एआई-आधारित कंप्यूटर असिस्टेड स्टेमलेस एक्लिप्स शोल्डर रिप्लेसमेंट सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न की गई। यह अत्याधुनिक सर्जरी राजस्थान में ऑर्थोपेडिक उपचार के क्षेत्र में एक नई दिशा और मानक स्थापित करेगी। यह जटिल एवं उन्नत सर्जरी प्रदेश के विख्यात जॉइंट प्रिजर्वेशन सर्जन डॉ. दिलीप मेहता ने की।

ज्ञात रहे कि डॉ. मेहता को घुटने और कूल्हे के जॉइंट प्रिजर्वेशन सर्जरी में महारत हासिल है और वे अपने अनुभव, आधुनिक तकनीक एवं सटीक उपचार के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अब तक हजारों मरीजों को सफलतापूर्वक सर्जरी से राहत दिलाई है और कई मामलों में मरीजों को जॉइंट रिप्लेसमेंट से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

डॉ. मेहता ने बताया कि, यह सर्जरी कलकत्ता की 47 वर्षीय महिला मरीज की हुई, जो लंबे समय से बाएं कंधे के आर्थराइटिस, तेज दर्द और सीमित मूवमेंट से परेशान थीं। उनकी दैनिक गतिविधियां भी गंभीर रूप से प्रभावित हो रही थीं। इस उन्नत तकनीक की विशेषता यह है कि इसमें कंधे के जोड़ को बिना स्टेम डाले बदला जाता है, जिससे मरीज की प्राकृतिक हड्डी संरचना सुरक्षित रहती है। एआई-आधारित कंप्यूटर असिस्टेंस के कारण सर्जरी अत्यधिक सटीकता के साथ की जाती है, जिससे परिणाम और भी बेहतर होते हैं।

इस आधुनिक सर्जरी से दर्द से तेजी से राहत मिलती है। साथ ही कंधे की मूवमेंट का शीघ्र पुन:आरंभ होती है। हड्डी की संरचना का संरक्षण होने के साथ-साथ कम रक्तस्त्राव एवं कम सर्जिकल ट्रॉमा की जरूरत पडती है। इससे मरीज को

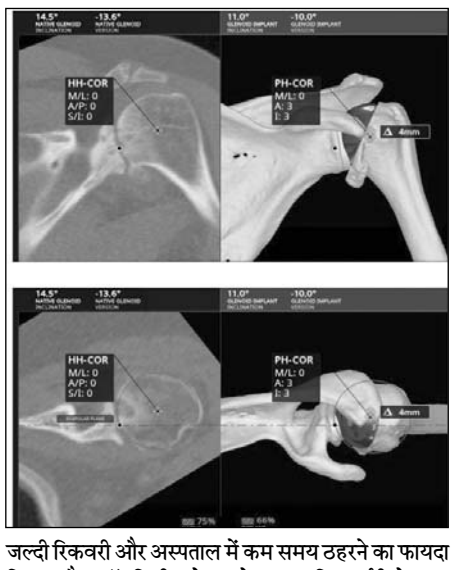

जल्दी रिकवरी और अस्पताल में कम समय ठहरने का फायदा मिलता है। डॉ. दिलीप मेहता ने बताया कि सर्जरी के बाद मरीज में तेजी से सुधार देखा गया है और कंधे की मूवमेंट में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जो इस तकनीक की सफलता को दर्शाता है। यह उपलब्धि न केवल शैल्बी हॉस्पिटल बल्कि पूरे राजस्थान के लिए गर्व का विषय है। डॉ. दिलीप मेहता और उनकी टीम ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि प्रदेश में भी विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध है।

हाईकोर्ट ने आरोप पत्र रद्द करके 50 हजार का हर्जाना लगाया

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट अपर लोक अभियोजक पद पर रहते हुए आरोप पत्र पेश करने की तिथियों का गलत उल्लेख करने और प्रकरणों की वार्षिक सत्यापन सूची पेश नहीं करने जैसे मामलों की जांच 13 साल बाद शुरू करने को गलत माना है। इसके साथ ही अदालत ने ऐसे मामलों में गंभीर कार्रवाई करने को भी गलत माना है। वहीं अदालत ने 16 साल पहले रिटायर हुए सरकारी वकील को राहत देते हुए उसके खिलाफ आरोप पत्र सहित अन्य कार्रवाई को रद्द करते हुए राज्य सरकार पर पचास हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। जस्टिस मुन्नूरी लक्ष्मण की एकलपीठ ने यह आदेश बृज बल्लभ शर्मा की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अनुशासनिक अधिकारी ने पहले 17 सीसीए के तहत आरोप पत्र जारी किया, फिर उसके रिटायर होने से ठीक पहले उसे गंभीर आरोप में बदल दिया। यह कार्रवाई बदले की भावना को दर्शाता है। इस कारण याचिकाकर्ता को अपने रिटायर परिलाभों से वंचित होना पडा। याचिका में अधिवक्ता हर्षवर्धन नंदवाना ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ साल 2008 में 16 सीसीए के तहत प्रारंभिक कार्रवाई आरंभ की गई।

निम्स यूनिवर्सिटी में विशेषज्ञों ने दिए ''भविष्य के मंत्र''

ग्लोबल इंडस्ट्री समिट 2026 के दूसरे दिन पैनल डिस्कशन हुआ

जयपुर। निम्स यूनिवर्सिटी राजस्थान में आयोजित तीन दिवसीय ग्लोबल इंडस्ट्री समिट 2026 का दूसरा दिन पूरी तरह से ज्ञान, अनुभव और विचारों के आदान-प्रदान का साक्षी बना।

पहले दिन के उद्घाटन सत्र में निम्स यूनिवर्सिटी के फाउंडर व चांसलर डॉ. बीएस तोमर, संतोष नायर एक्सक्यूटिव प्रेसिडेंट, संदीप त्रिपाठी रजिस्ट्रार समेत कई शिक्षाविद् और विद्यार्थी मौजूद रहे थे। समिट के दूसरे दिन का फोकस विशेष रूप से पैनल डिस्कशन पर रहा, जिसमें देश-विदेश के दिग्गज उद्योग विशेषज्ञों और कॉर्पोरेट लीडर्स ने भाग लेते हुए छात्रों को इंडस्ट्री की वास्तविक जरूरतों और भविष्य की दिशा से अवगत कराया।

यूनिवर्सिटी के एग्जीक्यूटिव प्रेसिडेंट ग्लोबल संतोष नायर ने बताया कि दूसरे दिन आयोजित पैनल डिस्कशन कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहे, जिनमें डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, फाइनेंस, हेल्थकेयर, मैन्युफैक्चरिंग, स्टार्टअप इकोसिस्टम और कॉर्पोरेट लीडरशिप जैसे समकालीन और महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा करते

हुए बताया कि तेजी से बदलती तकनीक और प्रतिस्पर्धा के इस दौर में युवाओं को केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें प्रैक्टिकल स्किल्स, इनोवेशन और एडैप्टेबिलिटी पर विशेष ध्यान देना होगा। इस अवसर पर माइक्रोसॉफ्ट, बिरला सॉफ्ट, नोकिया, इंटेल, फ्लिपकार्ट, ब्लिंकिट,सोनी इंडिया, सिंगापुर टेलीकॉम, ग्लोबल लॉजिक, हिताची, मारुति सुजुकी,आईबीएम, एक्साइड, नेटवेस्ट सहित अनेक प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इन विशेषज्ञों ने छात्रों को न केवल इंडस्ट्री ट्रेंड्स से अवगत कराया, बल्कि उन्हें करियर प्लानिंग, स्किल डेवलपमेंट और प्रोफेशनल ग्रोथ के व्यावहारिक टिप्स भी दिए।

सार-समाचार

नाईन डॉट स्क्वायर्स एग्जीबिशन शुरू

जयपुर। जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में क्यूरेटेड डिजाइन और डेकोर एग्जीबिशन 'नाईन डॉट स्क्वायर्स' के चौथे संस्करण का शुक्रवार को आगाज हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे मंच प्रदेश के शिल्पकारों, कारीगरों, डिजाइनर्स और आर्किटेक्ट्स को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन जयपुर को डिजाइन और क्रिएटिविटी के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और राज्य की समृद्ध कला-संस्कृति को वैश्विक पहचान दिला रहे हैं। एग्जीबिशन की फाउंडर एवं क्यूरेटर रितु खंडेलवाल, फाउंडर प्रमोटर रमेश अग्रवाल और शालिनी अग्रवाल, को-क्यूरेटर सगुना वाधवा सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। तीन दिवसीय इस एग्जीबिशन में फर्नीचर, सिरेमिक्स, डिजाइनर मिरर, फैब्रिक्स, फर्निशिंग्स और कलेक्टिबल आर्ट के साथ विविध इंस्टॉलेशंस का प्रदर्शन किया जा रहा है। हैंडक्राफ्टेड लक्ज़री फर्नीचर, मेटल स्कल्प्चरल डिज़ाइन, हैंड-पेंटेड सरफेस, मार्बल टेबल्स और वॉल डेकोर में पारंपरिक व आधुनिक कला का आकर्षक संगम देखने को मिल रहा है। एग्जीबिशन के पहले दिन 'द क्ले एडिट' और 'मेटल ओरिगामी' वर्कशॉप्स आयोजित की गईं, जिनमें प्रतिभागियों ने कलात्मक तकनीकों को सीखा। वहीं 'अ डॉट इन स्पेस' और 'ब्रेन फॉग' जैसी इमर्सिव इंस्टॉलेशंस ने विजिटर्स को मानसिक शांति और आत्मचिंतन का अनुभव कराया। एग्जीबिशन में 'लक्सफोम' और 'फ्लेक्सीक्लैड' जैसे आधुनिक सरफेस मटेरियल्स, इटैलियन और भारतीय लाइम-बेस्ड पेंट फिनिशेस तथा प्रीमियम वॉलपेपर कलेक्शन भी प्रदर्शित किए गए हैं, जो इंटीरियर डिजाइन को नया आयाम दे रहे हैं।

फुले जयंती की पूर्व संध्या पर दीपदान

जयपुर। एशिया की सबसे बड़ी जयपुर स्थित मुहाना मंडी में शुक्रवार को महात्मा ज्योतिबा फुले की 199 जयंती की पूर्व संध्या पर दीपदान के साथ दो दिवसीय कार्यक्रम का आगाज हुआ। मंडी में कार्यरत व्यापारी, आढ़तिया, मजदूर, माशाखोर और किसानों ने मिल-जुलकर महात्मा फुले के योगदान को दीप प्रज्वलित करके याद किया। कार्यक्रमों की श्रृंखला में शनिवार को मंडी परिसर में ही भव्य जयंती समारोह मनाया जायेगा। इस मौके पर विशाल वाहन रैली भी निकाली जाएगी, जो कि सांगानेर से प्रारंभ होगी और मुहाना मंडी टर्मिनल मार्केट में इसका समापन होगा। महात्मा ज्योतिबा फुले, जिन्होंने स्त्री शिक्षा, विधवा विवाह छुआछूत, को लेकर 19वीं शताब्दी में जो सुधार किये थे, आज भी भारत में सभी सरकारें उसका अनुसरण कर रही हैं और भावी पीढ़ी उन्हें अपने मार्गदर्शक के रूप में देख रही है। मंडी दीपदान कार्यक्रम में जयपुर फल व सब्जी थोक विक्रेता संघ के अध्यक्ष योगेश तंवर, रतन खडौलिया पूर्व चेयरमैन नगर निगम, इंदर सैनी (महामंत्री), सुनील गोयल (संगठन मंत्री),घनश्याम शर्मा, जीतू, संजय तारानगर, राजरतन राजौरिया आदि ने भाग लिया।

प्रो. रीटा शर्मा बनीं शिक्षा संकाय की डीन

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर ने शिक्षा संकाय के डीन पद पर प्रोफेसर (डॉ.) रीटा शर्मा की नियुक्ति की है। वर्तमान में डॉ. शर्मा श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय केशव विद्यापीठ, जामडोली (जयपुर) की प्राचार्य है। लगभग तीन दशकों के अपने शैक्षिणक जीवन में डॉ. रीटा शर्मा ने शिक्षण, शोध और अकादमिक नेतृत्व के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान बनाई है। वर्ष 1997 से सतत सक्रिय रहते हुए उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अनेक नवाचारों को दिशा दी है। वे राजस्थान विश्वविद्यालय में राज्य सरकार द्वारा मनोनीत सिंडिकेट सदस्य हैं तथा पूर्व में सीनेट सदस्य के रूप में भी अपनी सेवाएँ दे चुकी हैं। साथ ही, वे विश्वविद्यालय की अनुमोदित शोध-निर्देशिका के रूप में शोधार्थियों का मार्गदर्शन कर रही हैं।

महिला से दोस्ती कर दुष्कर्म

जयपुर। पुलिस कमिश्नरेट जयपुर में महिला से दोस्ती कर उसके साथ दुष्कर्म कर अश्लील वीडियों वायरल करने की धमकी देने का मामला सामने आया है। आरोपी अश्लील वीडियों के आधार पर पति को छोडने और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया। एक साल तक ब्लैकमेलिंग से परेशान होने के बाद पीडिता ने चुप्पी तोडते हुए मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने शातिर बदमाश के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है।

बैक डेट पट्टों से ठगी करने वाले समिति अध्यक्ष सहित दो आरोपी गिरफ्तार

फकीरो की डूंगरी गृह निर्माण सहकारी समिति पर बिंदायका पुलिस का शिकंजा

जयपुर। राजधानी में भू माफियाओं के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बिंदायका थाना पुलिस ने प्लॉट बेचने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने वाले एक शातिर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने 'फकीरों की डूंगरी गृह निर्माण सहकारी समिति' के अध्यक्ष सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से फर्जीवाड़े के अहम सुराग जुटाए हैं।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में विशम्भर दयाल शर्मा (69) निवासी लालकोठी और अरुण शर्मा (43) निवासी लालकोठी शामिल हैं। दोनों मिलकर भोले-भाले लोगों को सस्ते प्लॉट का झांसा देकर फर्जी पट्टे जारी करते और मोटी रकम वसूल कर फरार हो जाते थे। थानाधिकारी विनोद कुमार के अनुसार, मामले का खुलासा परिवादी भरत सिंह की शिकायत पर हुआ। उन्होंने 'रिद्धि सिद्धि एन्क्लेव' योजना में 16.56 लाख रुपये में एक प्लॉट खरीदा था, जिसके विधिवत दस्तावेज भी तैयार किए गए थे। बाद में जांच में सामने आया कि आरोपियों ने मिलीभगत कर उसी प्लॉट का फर्जी पट्टा पिछली तारीख (बैकडेट) में किसी अन्य महिला के नाम जारी कर दिया।

जांच में यह भी उजागर हुआ कि गिरोह एक ही प्लॉट के कई फर्जी दस्तावेज तैयार कर अलग-अलग लोगों से ठगी करता था। पुलिस ने तकनीकी सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी पहले से ही जयपुर ग्रामीण के मोखमपुरा थाने में दर्ज एक अन्य फर्जी पट्टा मामले में गिरफ्तार होकर उप कारागृह सांभर में बंद थे। बिंदायका पुलिस ने प्रोडक्शन वारंट के जरिए उन्हें जमानत पर रिहा होने से पहले ही गिरफ्तार कर लिया। अदालत ने दोनों को दो दिन के पुलिस रिमांड पर सौंपा है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपियों के खिलाफ जयपुर शहर के विभिन्न थानों के साथ-साथ जयपुर ग्रामीण के मोखमपुरा और मोजमाबाद थानों में भी धोखाधड़ी के कई मामले दर्ज हैं। फिलहाल पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है और पूरे नेटवर्क का खुलासा करने का प्रयास कर रही है।

एक करोड़ रु. वसूली के आरोपी आरपीएस को जमानत

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने फर्जी एफआईआर बनाकर एक करोड रुपए की वसूली से जुडे मामले में आरोपी आरपीएस रितेश पटेल और सह आरोपी इरफान खान को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं।

जस्टिस प्रवीर भटनागर ने यह आदेश दोनों आरोपियों की ओर से दायर जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी रितेश ट्रायल पूरी होने तक हर माह की 25 तारीख को संबंधित थाने में हाजिरी देंगे। वहीं थानाधिकारी हाजिरी दर्ज कर उसे उसी दिन अदालत में भेजेंगे।

जमानत याचिकाओं में कहा गया कि उन्हें प्रकरण में झूठा फंसाया गया है। वे करीब तीन माह से जेल में बंद हैं और उनके खिलाफ आरोप पत्र पेश हो चुका है। ऐसे में उसे जमानत दी जाए। जिसका विरोध करते हुए सरकारी वकील विजय सिंह और पीडित पक्ष के वकील विभूति भूषण शर्मा ने कहा की आरोपी रितेश आरपीएस अधिकारी है और उसने एसओजी की फर्जी एफआईआर बनाकर एक करोड रुपए हडपने की कोशिश की। इसके अलावा उसके खिलाफ अन्य प्रकरण भी दर्ज हुए थे। ऐसे में उसे जमानत नहीं दी जाए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने आरोपियों को सशर्त जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। गौरतलब है कि रितेश पर आरोप है कि बजरी से जुडे मामले में एपीओ रहने के दौरान एक फर्जी एफआईआर तैयार कर पीडित को डरा धमकाकर एक करोड रुपए मांगे थे। पीडित की शिकायत पर महेश नगर थाना पुलिस ने गत 31 दिसंबर की रात आरोपी को गिरफ्तार किया था।

एक्सईएन की तबादला सूची को लेकर जेडीए इंजीनियरिंग विंग और प्रशासन में घमासान?

सूत्रों का कहना है कि एक इंजीनियरिंग निदेशक ने जेडीए सचिव डॉ. गौरव सैनी को शिकायत करके तबादला सूची पर आपत्ति भी जताई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण में अधिशाषी अभियंताओं (एक्सईएन) के तबादलों को लेकर इंजीनियरिंग सेल और प्रशासनिक सेल में घमासान मचा हुआ है, दोनों आमने-सामने हैं। इस मसले को लेकर जेडीए के एक निदेशक इंजीनियरिंग में जेडीए सचिव डॉ. गौरव सैनी के सामने नाराजगी जाहिर की है।

सूत्रों की मानें तो इन तबादलों में जिन एक्सईएन के कामकाज पर सवाल उठाए गए हैं, उन्हें प्राइम जोन में पोस्टिंग मिली है। इसी तरह अच्छा काम कर रहे एक्सईएन के भी तबादले किये गये है। कुछ एक्सईएन को जोन के साथ प्रोजेक्ट का काम भी दिया गया है। सूत्रों का कहना है कि, इस समय जेडीए में सांगानेर, गोपालपुरा एलीवेटेड रोड, सालिगरामपुरा आरओबी, रिंग रोड

- **बताया जा रहा है कि, इन तबादलों में जिन एक्सईएन के कामकाज पर सवाल उठाए गए हैं, उन्हें प्राइम जोन में पोस्टिंग मिली है। अच्छा काम कर रहे एक्सईएन के भी तबादले किये गये है तो कुछ एक्सईएन को जोन के साथ प्रोजेक्ट का काम भी सौंपा गया है।**

प्रोजेक्ट जैसे महत्वपूर्ण काम चल रहे हैं। इनके जोन एक्सईएन को प्रोजेक्ट के साथ जोन का काम भी दिया गया है। इसका विरोध करने वाले तर्क देते हैं कि जोन के साथ प्रोजेक्ट का काम देने से दोनों काम प्रभावित होंगे। इसके बजाय प्रोजेक्ट वालों को अलग जिम्मेदारी दी जानी चाहिए थी। जिससे प्रोजेक्ट के एक्सईएन इस पर ध्यान देते और काम जल्दी कराते।

सूत्रों का कहना है कि, जेडीए में तीन निदेशक इंजीनियरिंग है, उनसे पूछ कर सूची बनाई गई थी। बताया जा रहा है कि, इन्होंने अपने-अपने जोन में लगे इंजीनियर्स को विभिन्न जोनों में तबादले करने की सिफारिश की थी। तबादला सूची जब सामने आई तो एक निदेशक इंजीनियरिंग के बताए हुए इंजीनियर उनके बताए अनुसार नहीं लगे। निदेशक इंजीनियरिंग ने सचिव गौरव सैनी से यह सवाल किया तो सैनी ने कहा कि सूची तो इंजीनियरिंग सेल की ओर से भेजने के बाद ही जारी की गई है। अब सवाल उठ रहा है कि सूची आखिर बदली तो कहां और कैसे। इस कारण कुछ इंजीनियर्स अभी रिलीव नहीं हुए है।

टैंडर के बिल भुगतान का भी विवाद उपजा

सूत्रों का कहना है कि, जेडीए में तबादला होकर नए जोन में आए इंजीनियर्स अब करोड़ों रुपए के बिलों का भुगतान करने को लेकर आमने-सामने हैं। ताजा मामला जोन 9 का है, जहां जोन 12 से तबादला होकर आए एक्सईएन सुरेन्द्र पंवार ने सूची निकलने के 5 मिनट बाद ही नए जोन में जाकर चार्ज ले लिया। इसके लिए उसने पुराने एक्सईएन के रिलीव होने का भी इंतजार नहीं किया। उन्होंने तबादला होकर दूसरे जोन में गए इरशाद अहमद से सारे कामों की मेजरमेंट बुक (एमबी) मांग ली और बिल खुद बनाने की बात कही। बताया जा रहा है कि, जोन 9 में 100 करोड़ रुपए के काम चल रहे हैं, जिसमें 10-12 करोड़ रुपए के काम हो चुके हैं।

Raising Awareness About A Progressive Neurological Disorder

Observed every year on April 11, World Parkinson's Day aims to raise awareness about Parkinson's disease, a progressive neurological condition that primarily affects movement and coordination. The day also highlights the challenges faced by patients and their caregivers while encouraging research for better treatment and support systems. Parkinson's disease occurs due to the loss of dopamine-producing brain cells, leading to symptoms such as tremors, stiffness and slowed movement. Through awareness campaigns, medical discussions and community initiatives, World Parkinson's Day emphasises the importance of early diagnosis, improved care and ongoing scientific research to enhance the quality of life for those living with the condition.

#MONSTERA DELICIOSA

Care And Eat Its Fruit

Monstera can bear fruit indoors, flowering may take several years. Flowers need pollination (sometimes, hand-pollination), and the fruit develops slowly

Monstera deliciosa is a favourite houseplant for its dramatic, split leaves and easy indoor care. It can also produce a unique, tropical fruit if given the right conditions.

Using Monstera as a Houseplant

- **Light:** Place it in bright, indirect sunlight; avoid harsh direct sun.
- **Water:** Keep soil lightly moist, letting the top inch dry between waterings.
- **Humidity:** Prefers higher humidity but adapts to normal indoor levels.
- **Support:** Use a moss pole or trellis to allow climbing and support large leaves.
- **Fertilizer:** Feed monthly during growing seasons with a balanced fertilizer for lush growth.

Growing Fruit Indoors

Monstera can bear fruit indoors, but it requires patience: flowering may take several years. Flowers need pollination (sometimes, hand-pollination indoors), and the fruit develops slowly, looking like a green, scaly ear of corn.

How to Eat Monstera Fruit

- **Wait for full ripeness:** The scales on the fruit naturally lift when ready. Unripe fruit contains compounds that can irritate your mouth.
- **Peel the scales:** Carefully remove them to reveal the soft, creamy flesh underneath.
- **Taste:** The flesh is sweet, with flavours like pineapple and banana. Eat fresh or add to smoothies and desserts.

Monstera deliciosa is both a beautiful houseplant and a rare source of delicious tropical fruit. With proper light, water, and support, it can thrive indoors, and patience will reward you with a unique, edible treat.

When Rukhmabai was eleven years old, she was married to a nineteen-year-old named Dadaji Bhikaji. It was arranged by her maternal grandfather, following the customs that had governed Indian society for centuries. She was a child. She had no voice. She had no choice.

She chose prison

● Bulbul Joshi

In 1887, a court in Bombay gave a young woman named Rukhmabai two choices. Go live with the husband you were forced to marry as a child. Or go to prison.

She chose prison.

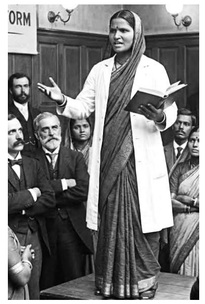

Her answer shocked a nation. It ignited a debate that spread from India to England. And it helped change the law for millions of girls who would come after her.

This is the story of how one woman's refusal brought an empire to its knees.

Rukhmabai was born in Bombay in 1864. Her mother, Jayantibai, knew firsthand the cruelty of child marriage, she had been married at fourteen, became a mother at fifteen, and was widowed at seventeen.

When Rukhmabai was eight, her mother remarried a man named Dr. Sakharam Arjun, an eminent physician and social reformer. He was different from other men of his time. He believed that girls should be educated. He filled his home with books and encouraged Rukhmabai to study.

But even reformers had limits in 1870s India.

When Rukhmabai was eleven years old, she was married to a nineteen-year-old named Dadaji Bhikaji. It was arranged by her maternal grandfather, following the customs that had governed Indian society for centuries.

> While Rukhmabai grew into an intelligent, cultured young woman, reading voraciously, attending lectures, corresponding with reformers, Dadaji descended into laziness and debt. He dropped out of school. He fell under the influence of a scheming uncle. And he began to see his child bride as the solution to his financial problems. In 1884, when Rukhmabai was twenty years old, Dadaji demanded...

She was a child. She had no voice. She had no choice.

Under the customs of the time, Rukhmabai didn't immediately move in with her husband. She stayed with her mother and stepfather, continuing her education in secret while Dadaji was supposed to 'become a good man.'

He didn't.

While Rukhmabai grew into an intelligent, cultured young woman, reading voraciously, attending lectures, corresponding with reformers, Dadaji descended into laziness and debt. He dropped out of school. He fell under the influence of a scheming uncle. And he began to see his child bride as the solution to his financial problems.

#CHOICES

In 1884, when Rukhmabai was twenty years old, Dadaji demanded that she come live with him.

She refused.

He took her to court.

The case of Dadaji Bhikaji versus Rukhmabai became the most publicized legal battle in nineteenth-century India. Dadaji sued for 'restitution of conjugal rights,' a legal term that meant, essentially, that his wife was his property and the court should force her to return to him.

Rukhmabai's defense was unprecedented.

She argued that she had been married as a helpless child, at an age when she couldn't possibly understand what marriage meant. She argued that she had never consented. She argued that a woman should not be treated as property to be claimed.

No one had ever made these arguments in an Indian court before.

In 1885, Justice Robert Pinhey ruled in her favour. He declared that English law applied to consenting adults, and Rukhmabai had been an infant, incapable of consent.

Conservative India exploded.

Traditionalists accused the court of attacking Hindu customs. Balgangadhar Tilak, the nationalist leader, wrote that Rukhmabai's defiance was the result of too much English education. Religious leaders warned that Hinduism itself was in danger.

The case was appealed. And in 1886, a higher court reversed the decision.

In March 1887, Justice Farran issued his ruling: Rukhmabai must go live with her husband, or face six months in prison.

Her response became legendary.

"I would rather go to prison," she declared, "than submit to a marriage I did not consent to."

The words traveled across oceans. British newspapers covered the case extensively. Women's magazines in England rallied to her cause. The famed scholar Max Müller wrote that Rukhmabai's education had made her the best judge of her own choices.

Meanwhile, Rukhmabai picked up her pen.

Writing anonymously as "A Hindu Lady" in The Times of India, she published fierce essays attacking child marriage. She wrote about girls forced into motherhood before their fourteenth birthdays. She wrote about the death of dreams, the suffocation of potential, the theft of childhood.

"This wicked practice has destroyed the happiness of my life," she wrote. "It comes between me and the thing I prize above all others, study and mental cultivation."

Her words reached Queen Victoria herself.

Rukhmabai wrote directly to the Queen, appealing for justice. She asked for one simple change to Hindu law: that marriages performed before age twenty for boys and fifteen for girls should not be legally binding.

"This jubilee year must leave some expression on us Hindu women," she wrote, "and nothing will be more gratefully received."

In July 1888, a settlement was finally reached. Dadaji accepted 2,000 rupees to dissolve the marriage and relinquish all claims to Rukhmabai.

She was free.

But she wasn't finished.

With support from Dr. Edith Pechey, a pioneering British physician, Rukhmabai traveled to England to study medicine. In 1894, she graduated from the London School of Medicine for Women.

> She returned to India as one of the first practicing female doctors in the nation's history. For the next thirty-five years, Rukhmabai served as Chief Medical Officer at women's hospitals in Surat and Rajkot. She treated patients from every class and caste. She trained women in nursing and hygiene. She worked through epidemics when others fled. And she never stopped fighting.

She returned to India as one of the first practicing female doctors in the nation's history.

For the next thirty-five years, Rukhmabai served as Chief Medical Officer at women's hospitals in Surat and Rajkot. She treated patients from every class and caste. She trained women in nursing and hygiene. She worked through epidemics when others fled.

And she never stopped fighting.

Even after retirement, she published pamphlets attacking the practice of purdah, the forced seclusion of women. In her will, she left her home to advance girls' education.

The legal battle she fought in her twenties had consequences that outlived her by generations.

In 1891, just three years after her case concluded, the British government passed the Age of Consent Act, raising the minimum age for marriage. It was the first major legal reform protecting girls from child marriage in India.

It would not be the last.

Rukhmabai died on September 25, 1955. She was ninety years old.

She had outlived the husband who tried to claim her. She had outlived the empire that ruled her country. She had outlived the customs that tried to silence her.

In 2017, Google honoured her with a Doodle on what would have been her 153rd birthday.

But her real legacy isn't a Doodle or a statue or a law with her name on it.

Her legacy is every Indian girl who goes to school instead of becoming a bride. Every woman who chooses her own future. Every voice that refuses to be silenced.

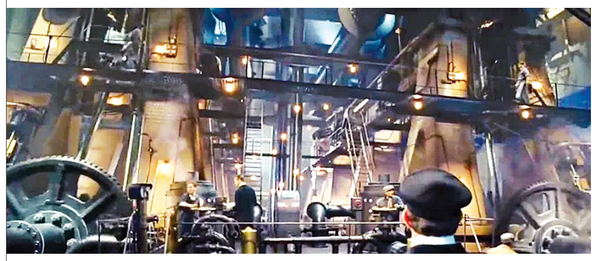

Rukhmabai was eleven years old when they married her off. She spent the rest of her life making sure that no one could do the same to the girls who came after her.

rajeshsharma1049@gmail.com

#DISASTER

Nair's Titanic, 1912

When people asked, he would say, "That was a ship that would not float!"

My mother looked up from her crossword and said, "Ah yes, he was on that ship." Just like that as if she were talking about taking a bus to Ernakulam.

Then, she told me the story.

Raman Nair was from Kozhikode, born in 1886, when the British Raj was still painting maps red. He grew up near the Beypore shipyard, where the 'Uru' boats were built by hand. He started as a dock boy and learned his English from Irish engineers who cursed more than they spoke.

In 1911, he signed a Lascar Agreement in Bombay, a colonial labour contract that shipped Indian seamen to work on British liners. The pay was twelve shillings a month. The recruiter had promised, "Plenty of food, no storms."

By January 1912, Raman had been assigned to the RMS Olympic as a 'greaser,' one of the men who kept the ship's engines oiled and running. His name still appears faintly in the Board of Trade Register No. 104993 at (Southampton) under "R. Nair," nationality: Indian (Malabar).

When Titanic prepared for her maiden voyage that April, crew shortages were common. Several RMS Olympic hands were transferred, Raman among them. That's how a man who barely spoke English found himself below deck in the grandest ship ever built!

He probably never saw the chandeliers or the grand staircase. His world was the engine room, seventy feet below the surface, a hellish cathedral of noise, heat, and iron. His duty was simple and endless: to oil the crankshafts and keep the pistons cool. On the night of April 14, 1912, at 11:40 p.m., when the ship brushed the iceberg, Raman was off-shift, drinking weak tea in the Stoker's Mess. The collision sounded, he would later say, "like a coconut breaking." The alarm bells rang, and within minutes, the lower decks began to flood.

He helped his mates open watertight doors, guided women up the companion ladders, and even lifted a crying Irish child into a lifeboat. He remembered the number, Boat No. 13, lowered on the starboard side. He never knew her name. He only said, years later, "She had red hair and white hands."

At 2:20 a.m., the ship broke apart. Raman and a few others jumped into the sea. He was pulled aboard Collapsible Boat 'D' by a fireman named Barrett, and was one of the last survivors rescued by the SS Carpathia. His name, misspelled as "R. Nayar," appears among the Foreign Crew, Recovered Survivors in the Carpathia's landing log in New York. He stayed in England for two months, working briefly at the White Star Line dock in Liverpool. The company refused to renew his Lascar contract, saying his "English was insufficient." He then took the long way home, Liverpool to Port Said, then Aden, then Cochin.

Back in Calicut, he married a quiet girl named Devaki and never spoke much about the Atlantic again. When people asked, he would say, "That was a ship that would not float!"

He kept a small glass vial of seawater in a tin trunk, labelled April 1912, North Atlantic.

When my grandmother once asked what it was, he said, "A reminder that even oceans can freeze!"

He died in 1957, on a humid June evening, still smelling faintly of oil and salt.

And here I am, typing this on a glowing laptop, sipping masala tea, alive, because one Malayali greaser from Calicut didn't drown in the North Atlantic. If he hadn't survived, there would be no Amma, no me, and no one to tell this story.

It's strange, the arithmetic of life, how one man's breath in icy water can ripple through generations.

When I look at that photograph now, I don't see a hero. I see a tired man in a wool cap who did his job, helped strangers, and made it home. Perhaps, that's 'heroism' enough.

And if he could see me today writing his story in English, on a machine powered by the same science that sank his ship, he would probably chuckle and say,

"Too much pride, too little prayer."

The 'Unsinkable' Nair and his Titanic!

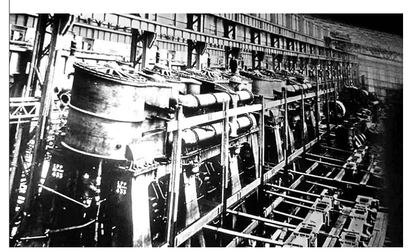

THE WALL

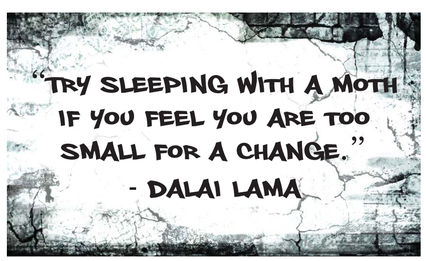

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

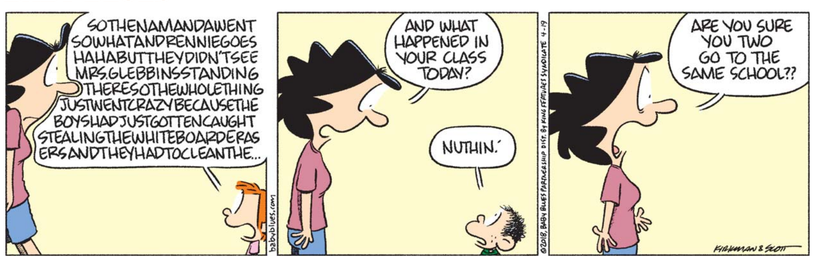

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

अलवर में कट्टा दिखाकर युवक का अपहरण, 60 किलोमीटर दूर नगर कस्बे में छोड़ा

पांच जनों ने आंखों पर पट्टी बांधकर भरतपुर के नगर में छोड़ा, युवक को पुलिस लेकर आई

अलवर, (निसं)। शहर के एनईबी थाना क्षेत्र में बड़ाया मेडिकल के पास कार में सवार होकर आए पांच जने युवक का अपहरण कर भरतपुर ले गए, जिसका स्कूटर भी कोई अन्य व्यक्ति लेकर गया। परिजनों को शक होने पर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस करीब पांच घंटे बाद युवक को अलवर से करीब 60 किलोमीटर दूर नगर से लेकर आई। अब पुलिस परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर मुकदमा दर्ज करेगी।

एनईबी निवासी पीड़ित युवक गौरव मेहरा ने बताया कि शुक्रवार सुबह नौ बजे वह स्कूटर लेकर घूमने आया था। बडाया मेडिकल के पास कार से पांच जने आए। आते ही उसके आगे कार लगाकर रोक लिया। उनमें एक जने ने हथियार निकाल लिया। जान से मारने की धमकी दी। तुरंत कार में पटक लिया। सबने अपने मुंह पर कपड़ा बांध रखा था। फिर कार से अनजान जगह ले गए। घर नहीं लौटा और मोबाइल नहीं लगा तो परिजनों को शक हुआ।

- **पीड़ित का कहना है पांच जनों में से दो उसके रिश्तेदार हैं, जिनको वह जानता भी है**
- **पुलिस का कहना है कि आपस में लेनदेन का मामला हो सकता है, परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर जांच होगी**

उन्होंने पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने जानकारी लेने के बाद पड़ताल करना शुरू कर दिया। करीब पांच घंटे बाद युवक को बदमाश भरतपुर में नगर कस्बे में छोड़कर भाग गए। आंखों पर पट्टी बांध कर लेकर आए थे।

पीड़ित युवक गौरव ने बताया कि पांच जनों में से दो उसके रिश्तेदार हैं। जिनको वह जानता भी है। उनमें से रोहित ओर सतीश दूर की रिश्तेदारी में लगते हैं। उन्होंने ही अन्य तीन जनों को साथ लेकर अपहरण की घटना को अंजाम दिया है।

थाने के एएसआई फतेह सिंह का कहना है कि इनका आपस में लेनदेन का मामला हो सकता है। परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर जांच होगी। फिलहाल पीड़ित गौरव को नगर से लेकर आया गया है। मामले की जांच कर रहे हैं।

कोटा में चाकू मारकर की युवक हत्या मामले में आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। महावीर नगर थाना इलाके में चाकू से हमला कर युवक की हत्या के मामले में पुलिस टीम ने घटना के कुछ ही घंटों में हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गये आरोपी से पुलिस द्वारा पूछताछ शुरु कर अनुसंधान जारी है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि महावीर नगर इलाके के हरिओम नगर में गुरूवार रात्रि को चाकू मारकर युवक की हत्या का मामला सामने आया, मामले की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मौके पर एफएसएल एवं एमओबी टीम को बुलाकर साक्ष्य एकत्रित किये गये। शहर एसपी ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी के निर्देशन में पुलिस उप अधीक्षक मनीष शर्मा के सुपरविजन में थाने के उपनिरीक्षक कमल किशोर के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

गठित टीम ने मामले में तत्परता दिखाते हुए आरोपी की गिरफ्तारी के लिये उसके निवास स्थान सहित संभावित स्थानो पर दबिश दी। एसपी ने बताया कि पुलिस टीम आरोपी की तलाश कर रही थी। उसी दौरान टीम को आरोपी के नयागांव की तरफ छिपे होने की सूचना मिली, उक्त सूचना पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दबिश देते हुए केशोरायपाटन हाल ज्ञान सरोवर कॉलोनी निवासी नरेन्द्र पांचाल उर्फ नन्दा (26) को गिरफ्तार किया, पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि हत्या के मामले में मृतक की पत्नी फरियादिया खुशबु ने थाने में रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में कहा कि उसका पति शब्बीर अली बोर्डर चौराहे पर ठेला लगाता था।

गुरूवार रात्रि को जब उसका पति घर पर आया तो उसके पीछे नरेन्द्र पॉचाल उर्फ नन्दा भी आया और उसके पति को आवाज देकर बाहर बुलाया और किसी के घर का पता पूछने लगा जब उसके पति ने कहा कि उसको पता नहीं मालूम तो नरेन्द्र ने उसके पति शब्बीर अली के ऊपर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिये और मौके से फरार हो गया। हमले में घायल उसके पति शब्बीर की मौत हो गई। शहर एसपी ने बताया कि फरियादिया की रिपोर्ट पर मामला दर्ज करते हुए हत्या के आरोपी नरेन्द्र उर्फ नन्दा को गिरफ्तार किया गया।

हाईकोर्ट : भोपा नायक वर्गीकरण पर ओबीसी आयोग की रिपोर्ट पेश करने के आदेश

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने भोपा नायक समुदाय के वर्गीकरण से जुड़े मामले में राज्य सरकार को ओबीसी आयोग की रिपोर्ट पेश करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया है। याचिका में दावा किया गया है कि भोपा कोई जाति नहीं बल्कि एक पेशा है, इसलिए इसे ओबीसी में शामिल करना गलत है। कोर्ट ने कहा कि अंतिम निर्णय से पहले आयोग की रिपोर्ट जरूरी है। यह मामला 2013 के उस फैसले को चुनौती देता है, जिसमें नायक (भोपा) को अनुसूचित जाति से हटाकर ओबीसी में शामिल किया गया था।

- **राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को चार सप्ताह का समय दिया**

यह सुनवाई न्यायाधीश डॉ. पुष्पेंद्र सिंह भाटी और न्यायाधीश संदीप शाह की खंडपीठ के समक्ष हुई। मामले में याचिकाकर्ता रामचरण ने जनहित याचिका दायर की है। याचिका में मुख्य रूप से यह तर्क दिया गया है कि भोपा कोई जाति नहीं है, बल्कि यह एक पारंपरिक पेशा है, जिसे नायक समुदाय के लोग निभाते हैं, इसलिए इसे जाति के रूप में मान्यता देकर ओबीसी वर्ग में शामिल करना न्यायसंगत नहीं है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से पेश अधिवक्ता ने अदालत से अनुरोध किया कि ओबीसी आयोग की रिपोर्ट दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय दिया जाए। सरकार का कहना है कि यह रिपोर्ट यह स्पष्ट करने में मदद करेगी कि आयोग के गठन से पहले भोपा नायक समुदाय की वास्तविक सामाजिक और आर्थिक स्थिति क्या रही है। यानी, इस रिपोर्ट के आधार पर यह तय करना आसान होगा कि समुदाय को किस वर्ग में रखा जाना चाहिए। अदालत ने राज्य सरकार की इस मांग को स्वीकार करते हुए कहा कि मामले में किसी भी ठोस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए ओबीसी आयोग की रिपोर्ट बेहद जरूरी है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि बिना तथ्यात्मक और आधिकारिक रिपोर्ट के इस तरह के संवेदनशील सामाजिक मुद्दे पर निर्णय लेना उचित नहीं होगा। इसी कारण राज्य सरकार को रिपोर्ट पेश करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया गया है।

स्वच्छता को लेकर शपथ दिलाई

डूंगरपुर, (निसं)। स्वच्छ भारत मिशन शहर प्रदेश ब्रांड एंबेसडर और और पूर्व सभापति के. के. गुप्ता के मार्गदर्शन में नगर के सभी निजी और सरकारी विद्यालय में विद्यार्थी तथा शिक्षकों को स्वच्छता का संदेश देते हुए शपथ दिलाने का अभियान जारी है। इसी क्रम में शुक्रवार को शहर के स्कूलों में शपथ दिलाई गई। वहीं विजय जैन द्वारा स्वच्छता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में चिराग व्यास, कपिल भट्ट, गिरीश पंड्या, प्रतिभा जेम्स, वीरेंदर सिंह सिसोदिया मौजूद रहे। दोनों विद्यालय के संस्था प्रधान और शिक्षक मौजूद रहे। संचालन चिराग व्यास ने एवं आभार राजेश डेंडू ने ज्ञापित किया।

ट्रेन से ट्रैक्टर-ट्रॉली टकराई तो चोरी की रिपोर्ट लिखाने पहुंचा चालक

जल्दबाजी में खुद ने ही पटरी पर चढ़ाई थी ट्रैक्टर-ट्रॉली, पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया

बीकानेर, (निसं)। एक किसान ने जल्दबाजी में ट्रैक्टर-ट्रॉली ट्रैक पर चढ़ा दी। ट्रेन आती देख कूदकर दूर भाग गया। ट्रैक्टर-ट्रॉली ट्रेन से टकरा गई। हादसे की जिम्मेदारी से बचने के लिए आरोपी थाने भी पहुंच गया और बोला कि ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी हो गई है। मामला खुलने के बाद रेलवे पुलिस ने शुक्रवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। हादसा 7 अप्रैल (मंगलवार) की रात सूडसर-नापासर स्टेशन के बीच हुई थी।

- **हादसे की जिम्मेदारी से बचने के लिए आरोपी थाने भी पहुंच गया और बोला कि ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी हो गई है**

रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि नारसीसर (बीकानेर) निवासी किसान कान सिंह सात अप्रैल को ट्रेक्टर-ट्रॉली लेकर निकला था। सूडसर-नापासर के बीच पिलर 419/06 के पास उसने पटरी क्रॉस करने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली को ट्रैक पर चढ़ा दिया। इस दौरान यहां से ट्रेन (12371) गुजरी। जानकारी के अनुसार सामने से आती रेल को देखकर भी कान सिंह ने रुकने के बजाय ट्रैक्टर की स्पीड बढ़ाकर पहले निकलने की कोशिश की। ट्रैक से ट्रैक्टर को निकल गया लेकिन ट्रॉली पटरी पर फंस गई। कान सिंह ट्रैक्टर से कूदकर दूर हो गया और ट्रॉली ट्रेन से टकरा गई। लापरवाही कान सिंह की जान पर भी भारी पड़ सकती थी। ट्रेन को भी नुकसान हो सकता था। खुद की गलती से हादसा हुआ तो कान सिंह पुलिस से बचने का उपाय सोचने लगा। हादसे के बाद कान सिंह रेलवे पुलिस थाने पहुंचा और बताया कि मेरी ट्रॉली और ट्रैक्टर चोरी हो गए हैं। आरपीएफ अधिकारियों को उसकी बात पर शक हुआ। कान सिंह से सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने सच उगल दिया। बोला कि मैं खुद ही स्पीड में निकालने की कोशिश में था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए मंडल सुरक्षा आयुक्त संजय पीसे के निर्देश पर निरीक्षक सुभाष बिश्नोई के नेतृत्व में स्पेशल टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी सबूतों और सूचना तंत्र की मदद से कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर चालक कान सिंह पुत्र लिछमण सिंह निवासी नारसीसर को गिरफ्तार कर लिया। आरपीएफ ने कार्रवाई के दौरान ट्रैक्टर-ट्रॉली को भी जब्त कर लिया। आरपीएफ थाने में उसके खिलाफ रेलवे एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

रेलवे सुरक्षा बल की ओर से ग्रामीण इलाकों में समय समय पर जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं। लोगों को रेलवे लाइन पार न करने और मवेशियों-वाहनों को रेलवे ट्रैक से दूर रखने की सलाह दी जाती है।

हाईवे पर ट्रोला पलटा

पावटा, (निसं)। पावटा के मांगल्या वाली प्याऊ के पास दिल्ली-जयपुर नेशनल हाईवे 48 पर शुक्रवार को एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, दिल्ली से जयपुर की ओर जा रहा एक ट्रोला जिसका नंबर -58--3670 है अचानक अनियंत्रित होकर सड़क के बीचों-बीच पलट गया।

बताया जा रहा है कि अज्ञात ट्रोला चालक द्वारा साइड दबाने के कारण यह हादसा हुआ। ट्रोला पलटने से उसमें भरी प्लाई (सामान) सड़क पर बिखर गई, जिससे कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित हुआ। हालांकि, सड़क पूरी तरह बंद नहीं हुई और वाहनों का आवागमन चालू रहा। गनीमत रही कि इस हादसे में ट्रोला चालक कमरू खान मेव को कोई चोट नहीं आई।

प्लांट से लाखों का कॉपर व ऑयल चोरी

पावटा, (निसं)। क्षेत्र के प्रागपुरा थाना इलाके में चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है। टसकोला निवासी जितेन्द्र यादव ने पुलिस में रिपोर्ट देकर बताया कि कुछ दिन पहले लाडाकाबास उनकी कॉमर्शियल भूमि पर लगे एम सैंड प्लांट से अज्ञात बदमाश डीपी तोड़कर लाखों रुपये का कॉपर व ऑयल चोरी कर ले गए।

पीड़ित जितेन्द्र यादव पुत्र भैरुलाल यादव ने बताया कि उनकी फर्म हुल्डा इंडस्ट्रीज प्रा. लि. के नाम से लाडाकाबास क्षेत्र में खसरा नंबर 19 की भूमि राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है, जहां उन्होंने एम सैंड प्लांट स्थापित कर रखा है। प्लांट संचालन के लिए मौके पर श्री फेज बिजली कनेक्शन के साथ डीपी (डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफॉर्मर) भी लगा हुआ था। रिपोर्ट के अनुसार, 6 अप्रैल की देर रात अज्ञात चोरों ने प्लांट परिसर में घुसकर डीपी को तोड़ दिया और उसमें से कॉपर व ऑयल निकालकर चोरी कर ले गए। चोरी की इस घटना में लाखों रुपये का नुकसान बताया जा रहा है। बदमाश डीपी के अवशेष मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सिंधी भाषा में संविधान पुस्तक का विमोचन

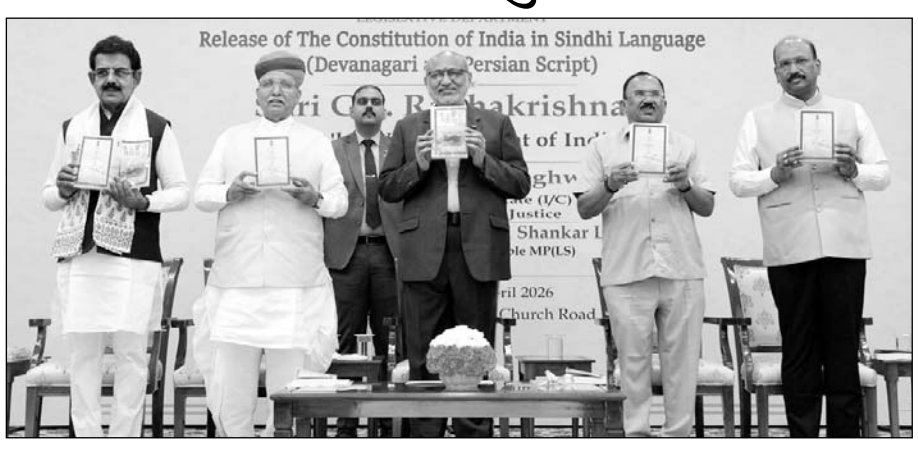

उपराष्ट्रपति ने नई दिल्ली में भारतीय संविधान की सिंधी भाषा में प्रकाशित पुस्तक का विमोचन किया।

नई दिल्ली/अजमेर, (निसं)। देश के सिंधी भाषी समुदाय के लिए ऐतिहासिक क्षण तब आया जब उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने नई दिल्ली स्थित उपराष्ट्रपति भवन में भारतीय संविधान की सिंधी भाषा (देवनागरी एवं फारसी लिपि) में प्रकाशित पुस्तक का विमोचन किया। इस अवसर पर राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन विधि एवं न्याय मंत्रालय के विधायी विभाग के राजभाषा खंड द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में वासुदेव देवनानी ने कहा कि सिंधी समुदाय ने विभाजन के बाद भी अपनी सांस्कृतिक पहचान और देशभक्ति को बनाए रखा है। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में सिंध क्षेत्र पुन: भारत का अभिन्न हिस्सा बन सकता है। उन्होंने कहा कि सिंधी समाज ने कभी स्वयं को शरणार्थी नहीं, बल्कि पुरुषार्थी माना है और देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि संविधान की आठवीं अनुसूची में 1967 में सिंधी भाषा को शामिल किया गया था और अब इसका देवनागरी व फारसी लिपि में अनुवाद होना अत्यंत गर्व का विषय है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह में देशभर से सिंधी समाज के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और इस पहल को समुदाय की पहचान और गौरव से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम बताया।

कोटा में 33 किलो डोडा-चूरा सहित दो तस्कर गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने इलाके में गश्त के दौरान मुखबीर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ 33 किलो 550 ग्राम अफीम डोडा-चूरा सहित दो अन्तर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के विरूद्ध कार्रवाई के लिये विशेष अभियान ऑपरेशन गरूड्व्यूह चलाया जा रहा है। अवैध मादक पदार्थ तस्करी के विरूद्ध कार्रवाई के लिये पुलिस उप अधीक्षक डॉ. पूनम के सुपरविजन मे रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा के नेतृत्व में टीम गठित कर कार्रवाई के निर्देश दिये गये। शहर एसपी ने बताया कि रेलवे कॉलोनी थाने के उपनिरीक्षक रामसिंह मय जाब्ता इलाके में गश्त कर रहे थे। उसी दौरान मुखबीर से सूचना मिली कि टीटीई विश्राम गृह के पास दो संदिग्ध व्यक्ति घूम रहे हैं, उक्त सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो दोनों व्यक्ति पुलिस जाब्ता को देखकर घबरा गये। पुलिस ने संदेह होने पर दोनों को डिटेन कर उनके पास मौजूद बैगों की तलाशी ली तो दोनों के पास मौजूद बैगों में अवैध मादक पदार्थ अफीम डोडा-चूरा बरामद हुआ। पुलिस टीम ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए जिला कासगंज उत्तरप्रदेश हाल जयपुर के हसनपुरा निवासी शाहरूख (25) एवं जिला कासगंज उत्तरप्रदेश हाल पटौनी झज्जर के लोहारी गांव निवासी सूरज (20) को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने पकड़े गये दोनों आरोपियों में से शाहरूख के पास से 18 किलो 550 ग्राम एवं आरोपी सूरज के पास से 15 किलो अवैध मादक पदार्थ अफीम डोडा-चूरा जब्त किया। दोनों के पास से कुल 33 किलो 550 ग्राम अफीम डोडा बरामद किया गया है, पकड़े गये दोनों आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये दोनों आरोपी मित्र है, तथा काफी समय से अवैध मादक पदार्थ की तस्करी कर रहे हैं। मामले में सामने आया कि दोनों आरोपी मध्यप्रदेश के नीमच से अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा खरीदकर बस से कोटा आते और ट्रेन से जयपुर पहुंचते, जहां मादक पदार्थ की छोटी-छोटी पुड़ियां बनाकर अवैध बिक्री करते थे। आरोपी अवैध मादक पदार्थ को बैगों में छिपकर परिवहन करते थे।

ठगी के मामले में हिस्ट्रीशीटर सहित दो आरोपियों को पकड़ा

फरार साथियों की तलाश जारी

चिड़ावा/झुंझुनूं, (निसं)। शेखावाटी क्षेत्र में संगठित ठगी और आपराधिक गिरोहों के हौसले एक बार फिर सामने आए हैं। चिड़ावा थाना पुलिस ने सोना बेचने का झांसा देकर गुजरात के व्यापारी से करीब सात लाख रुपये की ठगी करने और उसे बंधक बनाकर मारपीट करने के मामले का पर्दाफाश करते हुए कुख्यात हिस्ट्रीशीटर सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई में मुख्य आरोपी सुलताना थाना क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर रजनीश डारा और उसका साथी नितिश कुमार पुलिस के हत्थे चढ़े हैं।

- **सोना दिलाने के नाम पर सात लाख की ठगी और व्यापारी को बंधक बनाने का मामला**

जानकारी के अनुसार पीड़ित मेहुल भाई कातरिया, जो सोना खरीदने-बेचने का काम करते हैं, को फेसबुक और इंस्टाग्राम के जरिए आरोपी रजनीश डारा ने संपर्क किया। आरोपी ने 60 ग्राम सोना होने और बैंक में गिरवी होने की बात कहकर सौदा करीब 7 लाख रुपये में तय किया और पीड़ित को चिड़ावा बुला लिया। चिड़ावा पहुंचने के बाद आरोपी ने पीड़ित को बैंक ले जाकर गोल्ड लोन जमा कराने के नाम पर 6,66,636 रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करवा लिए। इसके बाद कोर्ट स्टांप पर लिखापढ़ी कर विश्वास भी जीत लिया। अगले दिन आरोपी पीड़ित को चेक लाने के बहाने एक सुनसान खंडहर में ले गया, जहां पहले से मौजूद 3-4 बदमाशों ने मोबाइल छीन लिया और करीब एक घंटे तक बंधक बनाकर रखा तथा मारपीट की और धमकियां दी और फोन-पे के जरिए 37 हजार रुपये और ट्रांसफर करवा लिए। इसके बाद आरोपियों ने पीड़ित को बिना नंबर की गाड़ी में डालकर सुनसान रास्तों से होते हुए हाईवे के पास फेंक दिया।

रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए यूको बैंक पहुंचकर रिकॉर्ड खंगाले। इसी दौरान आरोपी बैंक में ठगी की रकम निकालने पहुंचे, लेकिन पुलिस और पीड़ित को देखकर भागने लगे। लेकिन पुलिस टीम ने पीछा कर दोनों को दबोच लिया। मुख्य आरोपी रजनीश डारा पर हत्या के प्रयास , लूट , मारपीट सहित दो दर्जन से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं, जिससे उसकी आपराधिक पृष्ठभूमि का अंदाजा लगाया जा सकता है। थानाधिकारी अम्बिका चौधरी के नेतृत्व में गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पूरे मामले का खुलासा किया। पुलिस अब फरार अन्य आरोपियों की तलाश और ठगी की राशि बरामदगी में जुटी है।

उदयपुर नगर निगम ने आधी रात में 40 पेड़ों को कटने से बचाया

पेड़ों को काटा नहीं गया, बल्कि नई जगह निगम के ही गार्डन में लगाने के लिए शिफ्ट किया गया

उदयपुर, (कासं)। नगर निगम की स्मार्ट प्लानिंग के चलते गुरुवार रात को शहर के सबसे व्यस्त उदियापोल चौराहा से 15 साल पुराने करीब 40 पेड़ों को कटने से बचा लिया गया। इन पेड़ों को उखाड़ा नहीं गया बल्कि उन्हें नई जगह नगर निगम के ही गार्डन में लगाने के लिए शिफ्ट किया गया।

गौरतलब है कि आमतौर पर जब शहरों में पुल या सड़कें बनती हैं, तब सबसे पहले पेड़ों पर कुल्हाड़ी चलती है, लेकिन उदयपुर नगर निगम ने इन पेड़ों को शिफ्ट कर एक नई मिसाल पेश की है। रात के 11 बज नगर निगम के कमिश्नर अभिषेक खन्ना की निगरानी में इन पेड़ों को जड़ों समेत निकालने का काम शुरू हुआ। यह कोई मामूली काम नहीं था, क्योंकि इन पेड़ों को यहां से करीब एक किलोमीटर दूर निगम के बगीचे में सुरक्षित शिफ्ट करना था। बड़ी क्रेनों, जेसीबी व ट्रेलर से इस कार्य को अंजाम दिया गया। इस पूरे ऑपरेशन को

- **पूरे ऑपरेशन को डॉ. बीएल चौधरी के निर्देशन में नगर निगम की टीम ने किया, चौधरी को पेड़ों का जादूगर कहा जाता है**

डॉ. बीएल चौधरी के निर्देशन में नगर निगम की टीम ने रात 11 बजे रेस्क्यू शुरू किया था। इन्हें पेड़ों का जादूगर कहा जाता है जो अब तक देश-दुनिया में 15 हजार से ज्यादा पेड़ों को नई जिंदगी दे चुके हैं। उनकी देखरेख में एमएम एग्रोटेक की टीम ने बड़े ही वैज्ञानिक तरीके से खुदाई की। सबसे पहले पेड़ों के चारों तरफ तीन से चार फीट गहरा खड्डा खोदा गया। कोशिश यह थी कि पेड़ की जड़ें और उनके साथ लगी मिट्टी सुरक्षित रहे। जब पेड़ अपनी मिट्टी के साथ पूरी तरह ढीला हो गया तो क्रेन की मदद से उसे बहुत धीरे से उठाकर ट्रेलर पर लिटाया और शिफ्ट किया गया। निगम के गार्डन में इन पेड़ों के लिए घर पहले से तैयार था। वहां सात-आठ फीट गहरे और चौड़े गड्ढे खोदकर उनमें खाद-मिट्टी डाल दी गई थी। जैसे ही पेड़ वहां पहुंचे, उन्हें क्रेन से उतारकर सीधे नए गड्ढों में शिफ्ट कर दिया गया। पेड़ों को उनकी 90 फीसदी जड़ों के साथ निकाला गया था। ये नई जगह पर बहुत जल्दी अपनी पकड़ बना लेंगे।

जानकारी के अनुसार उदयपुर सिटी रेलवे स्टेशन से कलैक्टर बंगले तक 136 करोड़ की लागत से 2.7 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रोड का काम तेजी से चल रहा है। उदियापोल चौराहे के ठीक बीच में रोड के पिलर बनने हैं। 117 पिलर्स पर यह रोड बनेगा। ऐसे में वहां खड़े पेड़ों को हटाना मजबूरी थी। नगर निगम चाहता तो इन पेड़ों को चंद घंटों में काटकर रास्ता साफ कर देता लेकिन उन्होंने पेड़ों को नई जिंदगी देने का फैसला किया। इनमें ज्यादातर पाम ट्री हैं जो चौराहे की शान बढ़ा रहे थे। अब ये पेड़ नगर निगम के नेहरू बाल उद्यान की सुंदरता बढ़ाएंगे। जिन 40 पेड़ों को बचाया, उनमें से कई की कीमत बाजार में 2 लाख रुपए तक है। अगर इन सभी पेड़ों की कुल वैल्यू देखें तो यह 60 लाख रुपए से ज्यादा है। निगम ने सूझबूझ दिखाई और महज सवा लाख रुपए के खर्चे में इन लाखों के कीमती पेड़ों को बचा लिया। इन पेड़ों की शिफ्टिंग का काम अभी दो-तीन दिन तक लगातार चलेगा, ताकि एक भी पेड़ को नुकसान नहीं पहुंचे।

निगम कमिश्नर अभिषेक खन्ना ने बताया कि शहर के किसी भी निर्माण कार्य में पेड़ों को कम से कम नुकसान हो यह कोशिश हमेशा रहती है। उदियापोल के ये 15 साल पुराने पेड़ शहर की विरासत जैसे हैं। उदयपुर जैसे शहर के लिए पर्यावरण को बचाना बहुत जरूरी है।

उदयपुर में विवाहिता की मौत पर ग्रामीणों ने थाने का घेराव किया

दो घंटे तक हंगामे के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच का आश्वासन दिया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में विवाहिता की संदिग्ध हालत मौत के बाद पुलिस कार्रवाई से नाराज पीहर पक्ष ने शुक्रवार को थाने का घेराव किया। प्रतापनगर थाना इलाके के बेडवास में दो अप्रैल को विवाहिता की तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हुई थी। पीहर पक्ष पति और ससुराल वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग कर रहा था। परिवार का आरोप है कि पति के किसी युवती से संबंध थे और बेटी द्वारा मोबाइल चैट देखने पर उसे टॉर्चर किया गया। बेटी के शरीर पर मारपीट के निशान थे। पुलिस के टालमटोल रवैये के बाद राजपूत समाज के संगठनों के बैनर तले महिलाओं ने थाने के बाहर प्रदर्शन किया। दो घंटे के प्रदर्शन के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जल्द निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया, जिसके बाद मामला शांत हुआ।

- **परिवार का आरोप है कि पति के किसी युवती से संबंध थे और बेटी द्वारा मोबाइल चैट देखने पर उसे टॉर्चर किया गया था**
- **भावना के पिता ने बताया कि मौत के बाद एमबी हॉस्पिटल में पोस्टमॉर्टम करवाया, लेकिन पुलिस उन्हें कुछ भी बता नहीं रही है, इस मामले में अब तक भावना के पति से पूछताछ तक नहीं हुई है**

जानकारी के अनुसार वल्लभनगर की पूर्व विधायक प्रीति शक्तावत समेत राजपूत करणी सेना के कई पदाधिकारी शामिल हुए। डीएसपी सूर्यवीर सिंह ने परिजनों को समझाकर मामला शांत करवाया। मृतक भावना का पीहर वल्लभनगर क्षेत्र के मंदेरिया, दरौली गांव का है। उसकी शादी 13 महीने पहले बेडवास के हेमेन्द्र सिंह से हुई थी। बेडवास क्षेत्र की रहने वाली भावना कुंवर (19) पत्नी हेमेन्द्र सिंह को दो अप्रैल को तबीयत बिगड़ने के बाद निजी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। पीहर पक्ष ने हत्या की आशंका जताई और एमबी हॉस्पिटल में पोस्टमॉर्टम करवाया। मौत के बाद से लगातार पीहर पक्ष भावना के पति हेमेन्द्र सिंह के खिलाफ मामला दर्ज करने पर अड़ा था, मगर प्रतापनगर पुलिस ने कोई ध्यान नहीं दिया।

भावना के भाई अर्जुन सिंह ने बताया कि हेमेन्द्र की किसी युवती से दोस्ती थी। इस कारण वह झगड़ा करता था। लगातार नशे की हालत में भावना के साथ मारपीट करके टॉर्चर करता था। भावना को पीहर पक्ष में भी किसी से भी बात नहीं करने देता था। कई बार परिजनों ने आपसी समझाइश कर यह मामला शांत करवाया था। भावना के चाचा लालसिंह ने बताया 1 और 2 अप्रैल को भावना के साथ मारपीट की गई। भावना ने हेमेन्द्र के फोन में लड़कियों से की जा रही चैट को देख लिया था। परिजनों को बताया तो हेमेन्द्र ने टॉर्चर करना शुरू कर दिया था। लालसिंह ने बताया कि भावना के तबीयत बिगड़ने के दिन भी हमने लगातार फोन किए लेकिन किसी ने कोई जवाब नहीं दिया। पड़ोसियों से पता लगा कि उसे हॉस्पिटल में भर्ती करवाया है। जब तक हम लोग पहुंचे तो भावना होश में नहीं थी, उसके गले और हाथ-पांव पर मारपीट के निशान थे। हेमेन्द्र ने हमसे कुछ बात नहीं की और उसके परिजन भी मामले को दबाते रहे। भावना के पिता केसर सिंह ने बताया कि मौत के बाद एमबी हॉस्पिटल में पोस्टमॉर्टम करवाया, लेकिन पुलिस उन्हें कुछ भी बता नहीं रही है। इस मामले में अब तक भावना के पति से पूछताछ तक नहीं हुई है।

कार्यक्रम जारी : करौली में ज़िला कलेक्टर अक्षय गोदारा नेबताया कि अप्रैल माह में होने वाली रात्रि चौपाल कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार, 17 अप्रैल से जान सुनवई होगी।

गैस एजेंसी संचालक सिलेंडरों को घर तक ही पहुंचाये : कलेक्टर अपर्णा गुप्ता

कोटपूतली कलेक्टर अपर्णा गुप्ता ने गैस सिलेंडरों की आपूर्ति अवैध संग्रहण की निगरानी के संबंध में कोटपूतली की रावत गैस एजेंसी और पावटा इंडेन ग्रामीण वितरक गैस गोदाम का निरीक्षण किया।

■ गैस की कालाबाजारी पर सख्त कार्यवाही के निर्देश - जिला कलेक्टर

कोटपूतली। जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता ने एलपीजी गैस सिलेंडरों की आपूर्ति अवैध संग्रहण और कालाबाजारी की निगरानी के संबंध में शुक्रवार को कोटपूतली की रावत गैस एजेंसी और पावटा इंडेन ग्रामीण वितरक गैस गोदाम का निरीक्षण किया। इस दौरान रसद विभाग के अधिकारी एवं गैस एजेंसी संचालक भी मौजूद रहे। जिला कलेक्टर ने निरीक्षण कर एलपीजी सिलेंडर की पर्याप्त उपलब्धता एवं वितरण की पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं में एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता के संबंध में अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करें व अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को बुकिंग के सहायतार्थ निर्देश दें। गैस एजेंसी संचालकों को निर्देश दिए कि लोगों को बुकिंग के संबंध में समझाइश करें कि जो उनकी बुकिंग करने के विभिन्न प्लेटफार्म व नंबरों के बारे में समस्त जानकारी सहज व धैर्यपूर्वक प्रदान करें।उन्होंने कहा कि सभी गैस ऐजन्सी संचालक उपभोक्ताओं को होम डिलेवरी ही करे, बुकिंग और ओटीपी के बाद किसी भी सूरत में प्वाइंट डिलेवरी नहीं हो। उन्होंने पुलिस को निर्देशित किया कि प्वाइंट डिलेवरी हेतु चौराहे पर भीड़ नही हो और लो एंड ऑर्डर की स्थिति न बिगड़े। इस दौरान गैस एजेंसी के सॉफ्टवेयर और सिस्टम का भी निरीक्षण किया गया। उपस्थित उपभोक्ताओं से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली गई।मौके पर जिला कलेक्टर द्वारा आमजन को बुकिंग के संबंध में धैर्य रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि किसी प्रकार का पैनिक होने की आवश्यकता नहीं है । जिला कलेक्टर ने कहा कि गैस आपूर्ति में परेशानी आने अथवा घरेलू गैस सिलेंडरों के संबंध में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि के संबंध में उपभोक्ता तीन हेल्पलाइन नंबरों, क्रमशः 112, 14435, 181 पर शिकायत दर्ज करवा सकता है। शिकायत प्राप्त होते ही प्रशासन त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करेगा। जिला रसद अधिकारी शशि शेखर शर्मा ने बताया कि निरीक्षण के दौरान एजेंसी गोदामों में सिलेंडरों की स्थिति सही पाई गई। गैस एजेंसी संचालकों द्वारा बताया गया कि बॉटलिंग प्लांट से उनके पास सप्लाई समुचित रूप से प्रतिदिन नियमित रूप से आ रही है।

बैठक में हीट वेव से बचाव को लेकर दिए निर्देश

खैरथल। जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश की अध्यक्षता में शुक्रवार को चिकित्सा विभाग एवं आयुर्वेद विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। आगामी ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए जिला कलेक्टर ने आमजन से हीट वेव के दौरान विशेष सावधानी बरतने की अपील की। उन्होंने खासतौर पर बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं एवं बीमार व्यक्तियों को अतिरिक्त सतर्कता रखने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिला कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी अस्पतालों में लू-तापघात के मरीजों के लिए गाइडलाइन के अनुसार बेड आरक्षित रखे जाएं। साथ ही कूलर, शुद्ध पेयजल एवं आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

मरीजों को उचित सुविधाएं नहीं मिलने पर प्रमुख शासन सचिव नाराज

■ सफाई अव्यवस्था व मरीजों को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिलने पर भी जताई नाराज़गी

■ पिछले वर्ष तत्कालीन मुख्य सचिव ने सफाई व्यवस्था पर नाराजगी जताई थी। अभी तक नहीं हुआ सुधार

भरतपुर (निस)। संभाग में चिकित्सा सेवाओं की हकीकत जानने के लिए चिकित्सा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ एवं उप निदेशक वंदना ने आरबीएम अस्पताल और जनाना अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की व्यवस्थाओं, मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं और साफ-सफाई की स्थिति का जायजा लिया गया। निरीक्षण के बाद प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि अस्पताल में रोजाना करीब 4 हजार मरीज ओपीडी में आते हैं। यदि हर मरीज के साथ एक अटेंडेंट को जोड़ा जाए तो लगभग 8 हजार लोग प्रतिदिन अस्पताल परिसर में मौजूद रहते हैं। ऐसे में इस भारी भीड़ के अनुपात में अस्पताल की व्यवस्थाएं संतोषजनक नहीं पाई गईं। उन्होंने विशेष रूप से साफ-सफाई व्यवस्था पर नाराज़गी जताते हुए कहा कि सफाई का वर्तमान स्तर संतोषजनक नहीं है और इसमें तुरंत सुधार की आवश्यकता है। इसके लिए अस्पताल प्रशासन को स्टाफ बढ़ाने और सफाई व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं।

पिछले वर्ष भी तत्कालीन मुख्य सचिव ने निरीक्षण के दौरान आरबीएम अस्पताल में सफाई व्यवस्था पर जमकर नाराजगी जताई थी जो पूरे राज्य में चर्चित रही थी लेकिन इसके बावजूद भी अभी तक सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ है। अस्पताल परिसर में चल रहे निर्माण कार्य को लेकर भी उन्होंने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आरबीएम अस्पताल में आरएसआरडीसी द्वारा किया जा रहा निर्माण कार्य धीमी गति से चल रहा है, जिसे जिला कलेक्टर के साथ समीक्षा कर तेज किया जाएगा ताकि इसी वर्ष आम जनता को नई सुविधाएं मिल सकें।

राजकीय जनाना अस्पताल का निरीक्षण करते हुए उन्होंने महिलाओं और नवजात शिशुओं को मिलने वाली सुविधाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि अधिक से अधिक लोगों को मुफ्त इलाज योजनाओं का लाभ मिले और अस्पतालों में बेहतर सेवाएं सुनिश्चित हों। निरीक्षण के दौरान मैनपावर की कमी का मुद्दा भी सामने आया। इस पर उन्होंने कहा कि आउटसोर्सिंग और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से स्टाफ की कमी को दूर करने का प्रयास किया जाएगा। डेढ़ महीने से वार्ड में इलाज के लिए भर्ती एक महिला का अभी तक समुचित इलाज नहीं होने को प्रमुख सचिव ने गंभीरता से लेकर इलाज के निर्देश दिए। इसके अलावा बुजुर्ग मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उन्होंने फॉलो-अप सिस्टम मजबूत करने और नजदीकी सीएचसी स्तर पर फिजियोथेरेपी जैसी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए एक्शन प्लान बनाने की बात कही। प्रमुख शासन सचिव ने आरबीएम अस्पताल पहुँचकर आपातकालीन सेवाओं के तहत दी जा रही सुविधाओं का निरीक्षण कर गंभीर रोगियों के लिये समय पर प्राथमिक उपचार के साथ अस्पताल के वार्डों में त्वरित इंतजामात करने के निर्देश दिये।

ढाबे पर खाना खाते समय विवाद, बाहर निकलते ही युवक पर फायरिंग

जयपुर, लालसोट । दौसा जिले के लालसोट थाना क्षेत्र के जमात स्थित दयाल भोजनालय में शुक्रवार दोपहर खाना खाते समय दो गुटों के युवकों के बीच विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। कहासुनी के बाद एक युवक ने फायरिंग कर दी, जिससे धर्मेंद्र मीणा गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे जयपुर रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विनोद सीपा ने बताया कि दोपहर करीब 2 बजे जमात चौराहे के पास ढाबे पर खाना खाने के दौरान दो युवकों में कहासुनी हो गई। इसके बाद बाहर निकलते ही एक युवक ने धर्मेंद्र पर गोली चला दी। थानाधिकारी पवन जाट के अनुसार, एक गुट में 5 और दूसरे में 3 युवक शामिल थे। विवाद के बाद एक गुट के युवक कार में बैठकर निकलते समय धर्मेंद्र मीणा पर फायरिंग कर फरार हो गए। घटना की सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विनोद सीपा और डिप्टी एसपी दिलीप मीणा मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ढाबे में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है तथा आरोपियों की तलाश के लिए टीमें गठित की गई हैं। लालसोट जिला अस्पताल के पीएमओ डॉ. राजकुमार सहारा ने बताया कि धर्मेंद्र को गन शॉट इंजरी के चलते गंभीर हालत में जयपुर रैफर किया गया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

वीर हनुमान मंदिर के वार्षिकोत्सव पर कलश यात्रा निकाली

■ श्रीराम मन्दिर लक्ष्मीनगर से प्रारम्भ होकर वीर हनुमान जी प्राचीन मन्दिर गुमका जोहड़ा पहुंची

कोटपूतली । कस्बे के गोपालपुरा रोड़ पर गुमका जोहड़ा स्थित वीर हनुमान जी प्राचीन मन्दिर में शुक्रवार को विशाल कलश यात्रा एवं भण्डारे का आयोजन हुआ। कलश यात्रा प्रातः 08.15 बजे श्रीराम मन्दिर लक्ष्मीनगर से प्रारम्भ होकर वीर हनुमान जी प्राचीन मन्दिर गुमका जोहड़ा पहुंची। कलश यात्रा को बाबा श्री श्री 1008 श्री निरंजनदास महाराज व श्री श्री 108 रामबच्चन दास महाराज, आचार्य कृष्ण कांत शास्त्री मलसीसर झुंझुनू ने विधि विधान से पूजा अर्चना कर रवाना किया। यात्रा के दौरान महिलायें मंगल कलश के साथ भजनों की धून पर नाचते गाते हुये कलश यात्रा में शामिल हुई। इस दौरान श्रद्धालुओं द्वारा जगह-जगह पुष्प वर्षा की गई। कलश यात्रा के उपरान्त संत सम्मेलन का आयोजन हुआ। जिसमें दूर दराज से 07 मंडलों के महंत, महामंडलेष्वर पहुंचे। संत सम्मेलन के बाद उपस्थित सभी संतो की विदाई की गई। इस अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन भी हुआ जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसादी ठाहण की। वहीं इन्द्राज महासी एण्ड पार्टी चिमनपुरा द्वारा लोकगीत एवं बालाजी महाराज के भजनों की सुंदर प्रस्तुति दी गई। शुक्रवार रात्रि 09.15 बजे से जागरण का आयोजन हुआ। शनिवार 11 अप्रैल को विशाल मेले का आयोजन होगा। जिसमें कुश्ती दंगल का आयोजन भी किया जायेगा। इस दौरान महामण्डलेष्वर खोजीपीठाधीशवर राम रिछपालदास जी महाराज, राम चरणदास एवं प्रभुदास त्रिवेणी धाम, महामण्डलेष्वर जनार्दनदास जी महाराज विरक्त मंडल सताईसा नारायणपुर, महामण्डलेश्वर श्री कालीदास जी महाराज, मक्खनदास जी महाराज, श्री सीतारामदास जी महाराज नागाजी की गौर, रामनरेशदास जी महाराज वीर

आंगनबाड़ी केंद्रों के सुदृढ़ीकरण पर जोर

भरतपुर (निस)। जिला कलेक्टर कमर चौधरी की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में राष्ट्रीय पोषण मिशन के अंतर्गत गठित जिला अभिसरण योजना समिति एवं जिला स्तरीय निगरानी एवं समीक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कलक्टर ने वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 की बजट घोषणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने नवीन आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए भूमि आवंटन, भवन निर्माण तथा क्षितठास्त केंद्रों की मरम्मत कार्यों की प्रगति पर संबंधित सीडीपीओ से फीडबैक लिया। साथ ही आदर्श आंगनबाड़ी केंद्रों में स्वीकृत कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने बताया कि नंद घर योजना, वेदांता ग्रुप की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्रों को आधुनिक शिक्षा, पोषण एवं स्वास्थ्य सुविधाओं से युक्त स्मार्ट लर्निंग सेंटर के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने सभी सीडीपीओ अधिकारियों से कहा कि वे अपने-अपने उपखंड अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर क्षितठास्त आंगनबाड़ी केंद्रों की मरम्मत एवं कायाकल्प के लिए 15 दिवस में रिपोर्ट जिला परिषद को भिजवाना सुनिश्चित करें, ताकि चयनित 307 केंद्रों के अतिरिक्त अन्य केंद्रों को भी नंदघर के रूप में विकसित किया जा सके। उन्होंने भुसावर ब्लॉक विकास अधिकारी को ग्राम पंचायत झारौटी में नव आंगनबाड़ी केन्द्र का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारम्भ करने की बात कही। उन्होंने पीएचईडी विभाग को निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत बयाना, सेवर एवं वैर उपखंड क्षेत्रों के आंगनबाड़ी केंद्रों में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही सीडीपीओ को निर्देशित किया कि वे सुपरवाइजरों के माध्यम से पाइपलाइन की वास्तविक स्थिति का आकलन करें तथा आवश्यकता अनुसार वैकल्पिक रूप से हैंडपंप लगाने के प्रस्ताव प्रस्तुत करें। जिला कलक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को कहा कि आगामी दो माह तक विशेष अभियान संचालित कर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा डोर-टू-डोर सर्वे कर अति कुपोषित एवं कुपोषित बच्चों की पहचान सुनिश्चित की जाए। साथ ही आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों के लिए पोषाहार समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु नियमित मॉनिटरिंग की जावे।

उन्होंने वैर, भुसावर एवं नदबई क्षेत्रों में विद्यार्थियों के शैक्षिणक रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण हेतु अपार आईडी में प्रगति लाने की बात कही। उन्होंने समसा अंतर्गत शेष आंगनबाड़ी केंद्रों के विकास कार्य शीघ्र पूर्ण करने तथा सभी उपखंड अधिकारियों को नियमित रूप से आंगनबाड़ी केंद्रों में सेनेटरी नैपकिन, पोषक आहार की गुणवत्ता एवं बच्चों की स्थिति की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री सुपोषण न्यूट्री किट योजना में गोद भराई कर दो गर्भवती महिलाओं को पोषण किट प्रदान किया।

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
साधारण प्रारूप
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम सं0 1 सांभरलेक
विष्णु जैवलिया बनाम सोहनीदेवी व अन्य
प्रार्थना पत्र 92/2025
विवाह विच्छेद याचिका अंतर्गत धारा 13 (1) (1) (1क) हिन्दू विवाह अधिनियम 1955

बनामः-1-सोहनीदेवी पत्नि विष्णु जैवलिया पुत्री छगनलाल जाट उम्र 28 साल जाति जाट निवासी 49, जाटो की ढाणी, माल्यावास तहसील फुलेरा जिला जयपुर राज0 हाल निवासी 13, खाचरियो की ढाणी, शार्दूलपुरा तहसील फुलेरा जिला जयपुर राज0
2-रमेश चब्द चौथरी पुत्र रामथन चौथरी उम्र 33 साल जाति जाट निवासी 13, खाचरियो की ढाणी, शार्दूलपुरा तहसील फुलेरा जिला जयपुर राज0
उक्त प्रार्थी-याची ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 18/04/26 को 7.30 बजे ए0एम0 पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो उपसंजात हो । यदि आप ऐसा करने में असफल रहेगे तो उक्त आदेश को सुनवायी और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
अतः आज दि0.10/04/26 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
रीडर ग्रेड प्रथम
(मोहर अदालत) अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम 01 सांभर लेक जिला जयपुर

विवाधको के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
आदेश 5 के नियम 1 और 5
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी सांभरलेक जि0जयपुर
क्रमाक-146 दिनाक-24/3/26
हनुमान वगैरह बनाम अतुल वगैरह
वाद पत्र सं. 106/2025
वाद घोषणा खातेदारी व स्थायी निषे.

बनामः-1-अतुल पुत्र गोकुलचन्द 2-उषादेवी पुत्री श्री नारायण 3-पुष्पादेवी पुत्री श्रीनारायण 4-बाबूलाल पुत्र श्रीनारायण 5- मुकेश पुत्र गोकुल चन्द 6 मंजूदेवी पुत्री श्रीनारायण 7-राजदुलारी पत्नि गोकुलचन्द 8-रामप्यारी पत्नि श्रीनारायण 9-विजय कुमार पुत्र श्रीनारायण 10-विनय गोकुलचन्द, समस्त जाति महाजन निवासी मालवो की गली, पुराना कोर्ट सांभरलेक जिला जयपुर पुत्र उपरोक्त आपके विरुद्ध उपरोक्त के वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय मे तारीख 16/4/26 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है आप न्यायालय मे स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नो का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नो का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करे और दाखिल सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति मे हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मे साक्ष्य के रूप मे निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजो को उल्लेखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ठ करे।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता0 24/3/26 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा से लगाकर दिया गया है।
(मोहर अदालत) न्यायाधीश
उपखण्ड अधिकारी सांभरलेक

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/2084
चूंकि प्रार्थी श्री SHYAM SUNDAR SARASWAT, 120/16 VIJAY PATH, MANSAROVAR, JAIPUR, RAJASTHAN, 302020 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास राइजिंग होप्स सोसायटी 120/16 VIJAY PATH, MANSAROVAR, JAIPUR, RAJASTHAN, 302020 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 27.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 04.06.2026
(मोहर अदालत) सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय श्रीमान उपखण्ड अधिकारी महोदय पावटा जिला कोटपूतली-बहरोड़ राजस्थान
कैलाश चन्द वगैरह बनाम केशरी देवी वगैरह
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251 ए राजस्थान टीनेन्सी एक्ट
प्रार्थना पत्र संख्या

बनाम केसरी, सरजो, सन्ती, कमला पुत्रीयान स्व. घीसाराम, राजेश, अशोक, सुमन माता मन्नी पुत्री स्व. घीसाराम, गैदी पत्नि स्व. मंगल, राजकुमार, ओमप्रकाश पुत्रान स्व. मंगल समस्त जाति जाट निवासी दादा का बास तहसील पावटा, जिला कोटपूतली-बहरोड़ राजस्थान प्रार्थी नें आपके विरुद्ध प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251 ए राजस्थान टीनेन्सी एक्ट हेतु पंजीयन किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 16/04/26 को दिन में 10 बजे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हो और जो इस प्रार्थना पत्र से सम्बन्धित सभी वारदान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आपस उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करे, जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखि/सुजराई का प्रार्थना पत्र और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या सुजराई के प्रार्थना पत्र के समर्थन में साक्ष्य के रुप मे निर्भर करते है तो आप ऐसे दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ठ करें।
आपको सूचित किया जाता है यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होगे तो प्रार्थना पत्र की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।
यह प्रार्थना पत्र तारीख 07/4/26 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
(मोहर अदालत) उपखण्ड अधिकारी
पावटा (कोटपूतली-बहरोड)

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

भावभीनी श्रद्धांजलि

हमारे पूजनीय पिताजी **श्री सत्य पाल नांगिया जी** के स्वर्गवास पर हम सभी अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते है।
श्रद्धावनत- गगन नांगिया, सुमित नांगिया, इंदरपाल नांगिया, वीरेन्द्र नांगिया एवं समस्त परिवारजन

खोया पाया

मेरे मकान नम्बर- 171/24 प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर की सभी ओरिजिनल जमा रसीद कहीं खो गई है मिलने पर सूचित करें चित्रा अग्रवाल- 9612186980

भूखंड सं-बी-43, ए-43,41,45 एवं सी/74 जे.डी.ए की योजना ट्रक टर्मिनल योजना फेज-1 ग्राम- असरपुरा तह- सांगानेर जयपुर का मूल आवंटन-पत्र जो कि रामेश्वर उर्फ़ रामू, जगदीश पुत्रान चन्दा (क्र.सं.-डी-1846 दिनांकः 08.07.2015) से जारी हुआ था जो कि कही गुम हो गया है सूचित करे- ममता, सीता, सीताराम, सुरेश, मो. 9828992222

आवास संख्या 116/108 कब्जा पत्र गिर/गुम हो गया मिलने पर सूचित करें। Surendra Khichi मो.9772370495

मेरे मकान 1-घ-46 नाहरी का नाका जयपुर के मूल आवंटन पत्र, कब्जा पत्र, इन्वेंटरी- शास्त्री नगर जयपुर में कहीं खो गई है मिलने पर सूचित करें- करिश्मा टीना सेमुएल- 9782000575

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण मोहन लाल लाखीवाल पुत्र स्व. श्री देवा राम लाखीवाल एवं श्रीमती मोहिनी देवी पत्नि श्री मोहन लाल लाखीवाल निवासी टी-63, टीला नं. 7बी, जवाहर नगर, जयपुर राजस्थान ने अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्तियों से अपने पुत्र हेमन्त लाखीवाल पुत्र श्री मोहन लाल लाखीवाल जो कि मेरे अभिभाष्यगण के कहने में नहीं है एवं मेरे अभिभाष्यगण से लड़ाई-झगड़ा करता है के कारण अपनी चल व अचल सम्पत्तियों से बेदखल कर दिया है हेमन्त लाखीवाल पुत्र श्री मोहन लाल लाखीवाल के द्वारा किसी भी व्यक्ति के साथ किये गए किसी भी वित्तीय लेन देन व वाद विवाद से हमारा कोई लेना देना नहीं है एवं मेरे अभिभाष्यगण का उक्त हेमन्त लाखीवाल से किसी भी प्रकार का कोई लेना- देना नहीं है एवं नाही भविष्य में रहेगा।
दि. 10.04.2026 Shivraj Singh Rathore, Advocate
Place: Jaipur Mobile 9588073550

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-166 दिनांक-10/04/2026
जाहिर आम-सूचना
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 64/651 (MIG-A), (एरिया 90.000 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्रीमती राजकरनी पत्नी स्व. श्री कश्मीरी लाल को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 833 दिनांक 15.02.1992 को जारी किया गया।
श्रीमती राजकरनी की मृत्यु दिनांक 29.03.2012 को हो जाने के कारण अपंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर इनके पुत्र श्री राकेश कुमार पुत्र श्री कश्मीरी लाल द्वारा उक्त आवास को स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही है, श्री राकेश कुमार पुत्र श्री कश्मीरी लाल का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम,
राज. आवा. मण्डल, जयपुर

आम सूचना जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांकः F-JDA/Zone 17/2026/D-64
आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 283739 दिनांक 17/02/2026 को निम्नांकित भूखण्ड का Name Transfer जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है

क्र.सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	प्रीमियम/लीज/फ्री होल्ड	योजना का नाम	लेन-देन जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1	Rajesh Pathak S/o DINESH CHANDRA PATHAK	श्रीमती शकुंतला शर्मा पत्नी श्री दिनेश चन्द्र पाठक व श्रीमती छवि पाठक पत्नी श्री राजेश पाठक	61	273.00 SQ. METER	Private	SUN CITY Sector/ Block-K	Name Transfer	सक्षम वंशावली के अनुसार
			श्रीमती शकुंतला शर्मा की दिनांक 17.01.2025 को मृत्यु हो गई।इसके पश्चात मृतक के वारिसो द्वारा जरिये हकत्याग के आधार पर श्री राजेश पाठक के पक्ष दिनांक 18.02.2025					

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Name Transfer जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in,
Phone No. 0141-2782772
क्रमांकः-DHC-II/54 दिनांक :- 10-4-26
जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 77/205, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 89.40 वर्ग मीटर / वर्ग गज का आवंटन श्री प्रेम वासनानी पुत्र श्री ईश्वर दास को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 2475 दिनांक 17.12.1998 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 21.01.1999 को प्राप्त कर लिया गया था। राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 2061 दिनांक 15.01.2004 के द्वारा श्री प्रभुदयाल गुप्ता पुत्र श्री राम निवास गुप्ता एवं श्री बाबूलाल पुत्र श्री प्रभुदयाल गुप्ता के नाम नियमितिकरण पत्र जारी कर दिया गया। इसके पश्चात श्री प्रभुदयाल गुप्ता की मृत्यु दिनांक 29.08.2021 को हो जाने के कारण इनके पुत्र श्री बाबूलाल पुत्र श्री प्रभुदयाल गुप्ता ने 1/2 अविभाजित हिस्से का मृत्यु पश्चात् नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं पंजीकृत हकत्याग प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त सम्पूर्ण आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञिप्त प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्री बाबूलाल पुत्र श्री प्रभुदयाल गुप्ता के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवसन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

आम सूचना
मैं आवासीय मकान 29 और 30 जो की स्कीम न. K-5A, सेक्टर 13, खातीपुरा रोड, जयपुर में स्थित है जिसे वर्तमान में कृष्णा कॉलोनी के नाम से जाना जाता है, जिसे द कृष्णा को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड द्वारा आवंटित किया गया है को क्रय करने का इकरारनामा उसके मालिकगण श्री राजेश ग्रोवर और मीनू ग्रोवर से कर रहा हूं यदि उक्त मकान न. 29-30, के विक्रय/हस्तांतरण इत्यादि के संबंध में किसी भी व्यक्ति / व्यक्तियों, संस्था, कंपनी, इत्यादि को किसी भी प्रकार की आपत्ति , आक्षेप इत्यादि हो तो प्रकाशन तिथि से 7 दिन (सात दिन) की अवधि में मय दस्तावेज मुझे सूचित करे, अन्यथा बाद मियाद आपत्ति अमान्य मानी जायेगी तथा उक्त मकान न. 29-30, के विक्रय पत्र का विधिवत पंजीयन करा दिया जाएगा ।
दिनाक : 11/04/2026, स्थान : जयपुर
जयंत कुमार अग्रवाल 9251147308

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 41/2026
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री नरहरि शर्मा व प्रवीण शर्मा ने पंजीकृत प्रन्यास मंदिर श्री नृसिंह जी ट्रस्ट बागवाडा, तहसील-आमेर, जिला-जयपुर जिसका पंजीयन क्रमांक 9/ जयपुर/ 2006 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रपत्र-4 प्रस्तुत किया। प्रार्थी ने प्रन्यास के अध्यक्ष श्री गोपालदास का स्वर्गवास हो जाने के कारण उनके स्थान पर श्री प्रवीण शर्मा को अध्यक्ष, श्री अभिषेक शर्मा को मंत्री व श्री नरहरि को कोषाध्यक्ष नियुक्त कर तथा प्रन्यास विधान में उत्तराधिकार के नियमों में संशोधन कर उक्त परिवर्तनों को प्रन्यास रिकार्ड में दर्ज अभिलेख किये जाने का निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुये परिवर्तन/संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 10.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 15.5.26
(मोहर अदालत) सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

सार्वजनिक सूचना
इसके द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि प्रिंटफ्रेश एलएलसी, फिलाडेल्फिया, पेंसिल्वेनिया, संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित एक कंपनी (जिसे आगे "हमारा ग्राहक" कहा जाएगा), "बघीरा" नामक मूल कलाकृति (जैसा कि नीचे दर्शाया गया है) (जिसे आगे "संरक्षित कृति" कहा जाएगा) की एकमात्र और अनन्य स्वामी है।

संरक्षित कृति हमारे ग्राहक द्वारा विकसित एक 'मौलिक कलात्मक रचना' है और यह संयुक्त राज्य अमेरिका के कॉपीराइट कार्यालय में पंजीकरण संख्या VA 2-183-396 के तहत विधिवत पंजीकृत है, जिसकी प्रभावी तिथि 23 अक्टूबर, 2019 है। पंजीकरण और कॉपीराइट कानूनों के लागू प्रावधानों के आधार पर, हमारे ग्राहक के पास संरक्षित कृति पर अनन्य अधिकार, स्वामित्व और हित हैं, जिसमें वाणिज्यिक उपयोग का अनन्य अधिकार, पुनरुत्पादन, प्रकाशन, अनुकूलन, वितरण, शोषण और किसी भी रूप या माध्यम में तीसरे पक्ष द्वारा आगे उपयोग को अधिकृत करने का अनन्य अधिकार शामिल है। संरक्षित कृति को हमारे ग्राहक द्वारा किसी भी कपड़े, वस्त्र, परिधान, सामग्री या किसी अन्य उत्पाद पर पुनरुत्पादन, नकल, मुद्रण, अनुकूलन या अनुप्रयोग के लिए लाइसेंस, आवंटन, अधिकृत या अन्यथा अनुमति नहीं दी गई है, चाहे वह हमारे ग्राहक द्वारा स्पष्ट रूप से या अन्यथा निर्मित किया गया हो। इसलिए, कोई भी व्यक्ति या संस्था जो हमारे ग्राहक की पूर्व लिखित सहमति के बिना "संरक्षित कृति" के उपयोग या चित्रण, या उसके किसी मिलते-जुलते या पर्याप्त रूप से पुनरुत्पादित उत्पाद का पुनरुत्पादन, नकल, अनुकरण, अनुकूलन, निर्माण, विपणन, वितरण या बिक्री करती है, वह हमारे ग्राहक के कानूनी अधिकारों का उल्लंघन करेगी और ऐसा पुनरुत्पादन अपने स्वयं के जोखिम, लागत और परिणामों के लिए करेगी। हमारे ग्राहक के पास भारत में "संरक्षित कृति" और उसके किसी भी उल्लंघन के संबंध में सभी अधिकार सुरक्षित हैं, जिनमें किसी भी ज्ञात या अज्ञात पक्ष के विरुद्ध उचित दीवानी और / या आपराधिक कार्यवाही शुरू करने का अधिकार शामिल है। यह सूचना हमारे ग्राहक द्वारा अधिकारों की घोषणा के रूप में और जनता को "संरक्षित कृति" में हमारे ग्राहक के स्वामित्व अधिकारों के किसी भी उल्लंघन में शामिल होने से आगाह करने के लिए जारी की जा रही है।
जारीकर्ता:
सूरी एंड कंपनी, लॉ फर्म,
फ्लैट नंबर 10 और 12,
गोल्फ अपार्टमेंट्स,
सूजान सिंह पार्क, नई दिल्ली-110003
स्थान : जयपुर, राजस्थान
दिनांक : 10/04/2026

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम
राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांकः 11122 दिनांकः 30.03.2026
जाहिर आम-सूचना
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/फ्लैट संख्या A/LIG/6/1 (GF) (LIG) का आवंटन **श्री नन्द लाल भाटिया पुत्र स्व. श्री जिंदा राम भाटिया** को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 2206 दिनांक 31-01-2012 को जारी किया गया था। इनके पक्ष में पंजीयन पत्र निष्पादन दिनांक 08.01.2013 को कर दिया गया। श्री नन्द लाल भाटिया द्वारा **श्री सत्यापाल भाटिया पुत्र श्री जवाहर लाल भाटिया** को दिनांक 08.01.2013 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री सत्यापाल भाटिया द्वारा मुख्त्यारनामा की हैसियत से उक्त आवास का विक्रय पत्र **श्री बत्तूराम मीना पुत्र श्री सिरमोहर मीना** को दिनांक 01.02.2013 को विक्रय पत्र उप पंजीयक (प्रथम) जयपुर में पंजीकृत करवाया गया। तत्पश्चात आवेदक श्री **बत्तूराम मीना** द्वारा आवेदन करने पर इस कार्यालय के आदेश क्रमांक 1686 दिनांक 01.01.2015 के द्वारा मण्डल रिकॉर्ड में इनका नाम दर्ज किया गया। श्री **बत्तूराम मीना** की मृत्यु दिनांक 31.12.2025 को हो जाने के कारण उनकी पत्नी **श्रीमती ममतेश मीना पत्नी स्व. श्री बत्तूराम मीना** द्वारा आवासन मण्डल में अपना नाम रजिस्टर्ड हक त्याग के आधार पर मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास का हस्तांतरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए कि मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, **श्रीमती ममतेश मीना पत्नी स्व. श्री बत्तूराम मीना का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जायेगा।**
सम्पदा प्रबन्धक
वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

कार्यालय पंचायत समिति, चौथ का बरवाडा
क्रमांक-प.स.सीकेबी/लेखा/2026-27/22 दिनांक-07/04/2026
निविदा/नीलामी विज्ञिप्त सूचना संख्या 05/2026-2027
वित्तिय वर्ष 2026-27 के लिए निम्न कार्य हेतु ठेकेदारों से खुली बोली हेतु निर्धारित प्रपत्र में निविदाएं आंमत्रित की जाती है। हड्डी ठेका के लिये खुली बोली लगवाई / पुकराई जावेगी।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	निविदा प्रपत्र शुल्क रूपये	अमानत राशि रूपये	निविदा प्रपत्र बिक्री की अंतिम तिथि व समय	निविदा प्रपत्र प्राप्ति की अंतिम तिथि व समय	निविदा खोलने की तिथि व समय
1	हड्डी ठेका नीलामी	1.90 लाख	400/-	10,000/-	खुली बोली 15.04.2026 को दोपहर 2.00 बजे से प्रारम्भ		

हड्डी ठेका हेतु निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र में देनी होगी एवं हडडी ठेका की खुली नीलामी की बोली दिनांक 13.04.2026 को 2:00 पीएम से प्रांरभ की जावेगी। शेष निविदा शर्तें Web Portal http://sppp/rajasthan.gov.in पर एवं कार्यालय समय में देखी जा सकती है।
(इन्द्राज मीना)
विकास अधिकारी
पं.सं. चौथ का बरवाडा
NIB No-ZSM2627A0010
UBN No- ZSM2627SSLB0024

Aavas SAPNE AAPKE SAATH HAMAARA
आवास फाइनेंसर्स लिमिटेड
(सीआईएन: L65922RJ2011PLC034297)
पंजीकृत एवं निगमित कार्यालयः 201-202, द्वितीय मंजिल, साउथ एंड स्क्वायर, मानसरोवर इंडस्ट्रीयल एरिया, जयपुर-302020, राजस्थान, भारत | फोन: +91 141 661 8800 फैक्स: +91 141 661 8861 | ईमेल: info@aavas.in | वेबसाइट: www.aavas.in
सार्वजनिक सूचना
कंपनी की जोबनेर शाखा को नए स्थान पर स्थानांतरित करने की सूचना
यह सूचित किया जाता है कि कंपनी की **जोबनेर शाखा** इस सूचना की तारीख से तीन महीने बाद **ग्राउण्ड फ्लोर, जयपुर रोड, पुलिस थाना के पास, जोबनेर, जिला - जयपुर, राजस्थान - 303328** से **बीएच प्लाजा, पहली मंजिल, जयपुर रोड, जोबनेर, पुलिस थाना के पास, जिला - जयपुर, राजस्थान - 303328** स्थान पर स्थानांतरित कर दी जाएगी ।
दिनांकः 11 अप्रैल 2026
स्थानः जयपुर
आवास फाइनेंसर्स लिमिटेड के लिए
एसडी/-
अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता

!! कार्यालय जिला पुलिस अधीक्षक करौली (राज.) !!
क्रमांकः-स्टोर/करौली/2026/72-79 दिनांक: 10.04.2026
खुली निविदा सूचना
वित्तिय वर्ष 2026-27 के लिए स्टेशनरी/विविध सामग्री क्रय करने हेतु निम्नानुसार खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। जो दिनांक 16.04.2026 को कार्यालय समय में उपस्थित होकर निविदा प्रपत्र प्राप्त किये जा सकते हैं। नियत दिनांक एवं समयोपरान्त प्राप्त निविदाऐ अमान्य होगी। प्राप्त निविदाऐ अमान्य होगी। प्राप्त निविदाऐं दिनांक 16.04.2026 को दोपहर 01.00 बजे तक जमा कर, दिनांक 16.04.2026 को 02.00 पी.एम. पर समस्त निविदादातों के समक्ष खोली जावेगीं।

क्र. सं.	नाम आईटम	अनुमानित राशि	निविदा फार्म	धरोहर राशि
1.	वित्तिय वर्ष 2026-27 के लिए स्टेशनरी/विविध सामग्री क्रय करने हेतु दरों का वार्षिक अनुरक्षण अनुबन्ध	05.00 लाख	500/- रू.	10000/रू.

नोटः-बिड प्रपत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज निर्धारित बिड प्रपत्र शुल्क कार्यालय जिला पुलिस अधीक्षक करौली में किसी भी कार्य दिवस को पोस्टल आर्डर/डी.डी./चैक जमा करवाकर दिनांक 16.04.2026 को प्रातः 11.00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते हैं या वेबसाईट karaulipolice.rajasthan.gov.in एवं State Public Procurment Portal से भी डाउनलोड किया जा सकता है डाउनलोड किये गये बिड प्रपत्र का प्रारूप निर्धारित शुल्क बिड दाता द्वारा पृथक से पोस्टल आर्डर/डी.डी./चैक कार्यालय जिला पुलिस अधीक्षक करौली के नाम से बिड के साथ संलग्न करना होगा। देरी से प्राप्त निविदादाताओं पर विचार नहीं किया जावेगा। निविदा शर्तें वेबसाईट पर देखी जा सकती हैं।
जिला पुलिस अधीक्षक
करौली

!! कार्यालय जिला पुलिस अधीक्षक करौली (राज.) !!
क्रमांकः-स्टोर/करौली/2026/80-87 दिनांक: 10.04.2026
खुली निविदा सूचना
कार्यालय की विभिन्न शाखाओं, जिले में स्थित वृत कार्यालयों/पुलिस लाईन करौली/पुलिस थानों/पुलिस चौकियों/ पुलिस नियंत्रण कक्ष/यातायात शाखा करौली/हिण्डौन के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रपत्र प्रिन्ट कराये जाने एवं रजिस्टर आदिकी जिल्द का कार्य कराये जाने के लिए दर अनुबन्ध हेतु निविदाऐ आमंत्रित की जाती हैं। जो दिनांक 16.04.2026 को कार्यालय समय में उपस्थित होकर निविदा प्रपत्र प्राप्त किये जा सकते हैं। नियत दिनांक एवं समयोपरान्त प्राप्त निविदाऐं अमान्य होगी। प्राप्त निविदाऐं दिनांक 16.04.2026 को दोपहर 01.00 बजे तक जमा कर, दिनांक 16.04.2026 को 02.00 पी.एम. पर समस्त निविदादातों के समक्ष खोली जावेगीं।

क्र. सं.	नाम आईटम	अनुमानित राशि	निविदा फार्म	धरोहर राशि
1.	वित्तिय वर्ष 2026-27 में प्रपत्र प्रिन्ट कराये जाने एवं रजिस्टर आदि की जिल्द का कार्य कराये जाने की दरों का वार्षिक अनुरक्षण अनुबन्ध।	3.00 लाख	500/- रू.	6000/रू.

नोटः-बिड प्रपत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज निर्धारित बिड प्रपत्र शुल्क कार्यालय जिला पुलिस अधीक्षक करौली में किसी भी कार्य दिवस को पोस्टल आर्डर/डी.डी./चैक जमा करवाकर दिनांक 16.04.2026 को प्रातः 11.00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते हैं या वेबसाईट karaulipolice.rajasthan.gov.in एवं State Public Procurment Portal से भी डाउनलोड किया जा सकता है डाउनलोड किये गये बिड प्रपत्र का प्रारूप निर्धारित शुल्क बिड दाता द्वारा पृथक से पोस्टल आर्डर/डी.डी./चैक कार्यालय जिला पुलिस अधीक्षक करौली के नाम से बिड के साथ संलग्न करना होगा। देरी से प्राप्त निविदादाताओं पर विचार नहीं किया जावेगा। निविदा शर्तें वेबसाईट पर देखी जा सकती हैं।
जिला पुलिस अधीक्षक
करौली

संक्षिप्त

सैन जयंती महोत्सव 14 अप्रैल को

फुलेरा। सैन समाज की ओर से जोबनेर रोड अनुविहार कॉलोनी स्थित सैन मंदिर भवन में 26वां सैन जयंती महोत्सव का आयोजन मंगलवार 14 अप्रैल को किया जाएगा, कार्यक्रम को लेकर फुलेरा सैन समाज ने समाजबंधुओं को आमंत्रित किया गया है। महेश सैन धींगपुर ने बताया कि कार्यक्रम के तहत सोमवार 13 अप्रैल को दोपहर 12:15 बजे से महिला सत्संग का आयोजन होगा। वहीं मंगलवार 14 अप्रैल को सुबह 7:15 बजे पूजन, 8:15 बजे सुंदरकांड, 11:15 बजे आरती तथा 11:30 बजे से 12:30 बजे तक सत्संग का आयोजन किया जाएगा। इसके पश्चात दोपहर 1:15 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम, शाम 4:15 बजे सम्मान व स्वागत समारोह तथा 4:30 बजे से भोजन प्रसादी का आयोजन होगा।

निर्माण पर हाईकोर्ट का अंतरिम स्टे

राजगढ़ । राजगढ़ उपखंड क्षेत्र राजगढ़ के नाम से स्वीकृत केंद्रीय विद्यालय के दलालपुरा निर्माण पर हाईकोर्ट ने अंतरिम स्टे दिया है। विदित रहे राजगढ़ कस्बा 8 दिन संपूर्ण बंद होने के बाद भी केंद्रीय विद्यालय दलालपुरा रेणी मैं निर्माण को लेकर भूमि पूजन की तैयारी चल रही थी। हाई कोर्ट की ओर से अंतरिम स्टे मिलने के बाद दलालपुरा निर्माण की तैयारी को लेकर झटका जरूर लगा है। गौरतलब है की राजगढ़ आवाज मंच के लोगों की ओर से एक जनहित याचिका उच्च न्यायालय जयपुर में प्रस्तुत की गई। इसको लेकर हाईकोर्ट ने अंतरिम स्टे दिया है। आगामी सुनवाई की तिथि तक दलालपुरा रेनी में किसी भी प्रकार के निर्माण पर रोक रहेगी।

युवकों ने बुजुर्ग से की मारपीट

कोटपूतली । जिले के ग्राम चांदोली-दुदावास के निकट एक बुजुर्ग व्यक्ति से अज्ञात युवकों द्वारा मारपीट किये जाने का मामला सामने आया हैं। जिसमें बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया। यहां के राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल के ट्रौमा सैंटर के नर्सिंग अधिकारी श्रीराम सराधना ने जानकारी देते हुए बताया कि रामस्वरूप बलाई (55) पुत्र सीताराम निवासी ठाम चांदोली-दुदावास जो गांव के समीप ही भेड़-बकरी चरा रहा था। तभी अज्ञात तीन युवकों ने बुजुर्ग के साथ मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जिसको जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से बुजुर्ग की हालत गंभीर होने पर उसे जयपुर रैफर कर दिया गया।

रथ यात्रा का स्वागत

निवाई। विश्व हिंदू परिषद की सामाजिक समरसता रथ यात्रा का विहिप व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा करके एवं तिलक लगाकर स्वागत किया। इस दौरान अहिंसा सर्किल पर बजरंग दल के संयोजक राकेश खारोल, दयाराम चेची, खुशीराम पोसवाल, राजेश गुर्जर डिग्गी, हनुमान चौधरी व मक्खन परिडवाल सहित कई कार्यकर्ताओं ने भारत माता, वंदे मातरम व जय श्रीराम के जमकर जयकारे लगाए जिससे आस-पास का वातावरण भक्तिमय हो गया। यात्रा में शामिल जयपुर प्रांत के सामाजिक समरसता प्रमुख देवीसहाय व सांगानेर विभाग संगठन मंत्री कुलदीप शर्मा यात्रा का उद्देश्य समाज में समरसता व भाईचारा को बढावा देना है। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद जिलाध्यक्ष एडवोकेट सीताराम डांगरथल, जिला मंत्री राहुल जायसवाल व प्रखंड संयोजक राकेश खारोल सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

सड़क हादमें में बुजुर्ग गम्भीर घायल

टोंक। सदर थाने क्षैत्र के तारन रोड पर शुक्रवार को एक दर्दनाक सडक हादसे में एक बुजुर्ग गम्भीर घायल हो गया। टोंक सदर थाना के तारण रोड पर तेज गति से जा रही एंबुलेंस के सामने अचानक मोटरसाईकिल आने के बाद एम्बुलेन्स अनियत्रित होने के बाद मोटरसाईकिल सवार बुजुर्ग रामफूल गुर्जर निवासी लावादर को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद क्षैत्र में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर इकट्ठा हो गए। बाद में सूचना पर पंहुची सदर थाना पुलिस ने घायल को अस्पताल ले गये तथा पुलिस ने एंबुलेंस चालक को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणो ने हादसे को लेकर रोष व्याप्त करते हुए सडक सुरक्षा को लेकर प्रशासन से सख्त कदम उठाने की मांग की। फिलहाल मामले में पुलिस जांच में जुटी है।

'इंटरनेट का उचित व सीमित उपयोग करें'

निवाई। अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश एवं तालुका विधिक सेवा समिति अध्यक्ष सृष्टि चौधरी ने कहा कि साइबर क्राइम से हमेशा सचेत रहें। उन्होंने कहा कि कानून में डिजिटल अरेस्ट से संबंधित कोई शब्द नहीं है। साइबर फ्रॉड करने वाले लोग डिजिटल अरेस्ट के माध्यम से डराकर लोगों को आर्थिक नुकसान पहुंचा रहे हैं। इससे सबको सावधान रहना होगा। अपर एवं सेशन न्यायाधीश चौधरी ने उच्च माध्यमिक सरस्वती विद्या मंदिर के पांचजन्य सभागार में विद्यार्थियों को कानूनी व साइबर फ्रॉड के बारे में बताते हुए कहा कि किसी भी मैसेज या वीडियो को बिना उसकी जानकारी करे बिना फॉरवर्ड नहीं करें। उन्होंने यह भी बताया कि सोशल मीडिया पर इंटरनेट द्वारा किया गया फोटो या मैसेज व अन्य सूचनाएं कभी भी डिलीट नहीं होती हैं। यदि आप उसे डिलीट कर देते हैं तो भी वह इंटरनेट पर उपलब्ध रहती हैं। उन्होंने कहा कि इंटरनेट का युग आज की आवश्यकता है, लेकिन उसका सही तरह से उपयोग करना लाभदायक होता है। इंटरनेट का उचित व सीमित उपयोग करना चाहिए। इंटरनेट का अत्यधिक उपयोग करने से शारीरिक व मानसिक विकास में बाधा होती है। उन्होंने कहा कि कानूनी साक्षरता का अर्थ नागरिकों को उनके अधिकारों व कानूनों के प्रति जागरूक करना है। जबकि संवेदीकरण का उद्देश्य समाज में मानव अधिकारों सामान्य व न्याय के प्रति दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव लाना है। कार्यक्रम का उद्देश्य कानूनी साक्षरता को लोगों को वैधानिक अधिकारों पात्रताओं व शिकायतों के निवारण के बारे में जागरूक करना है।

प्रतिभा सम्मान समारोह होगा

कोटपूतली । संत शिरोमणि सैन महाराज की जयंती समारोह श्री सैन मंदिर विकास प्रबंधक एवं समाज उत्थान (रजि.) समिति के तत्वाधान में श्री सैन मंदिर पूतली में आगामी 14 अप्रैल मंगलवार को मनाई जायेगी। सैन जयन्ती अध्यक्ष नानक चन्द सैन ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक हंसराज पटेल होगें। जबकि अध्यक्षता भामाशाह प्रधान राधेश्याम सैन द्वारा की जायेगी। वहीं विशिष्ठ अतिथियों में वरिष्ठ भाजपा नेता शंकर लाल कसाना, श्री नारायणी सेना राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील गहलोत, अखिल भारतीय हरसौरा धाम प्रधान संजय सैन, पत्रकार प्रहलाद सैन, हंसराज कसाना रहेंगे। समारोह में करीब 54 प्रतिभाओं का सम्मान किया जायेगा। समिति के अध्यक्ष वेदप्रकाश सैन ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये तैयारियां जोर-जोर से की जा रही है। समिति के पदाधिकारी राधेश्याम सैन, नेतराम सैन, बनवारी लाल सैन, ओमप्रकाश सैन, नानक चंद सैन द्वारा जनसम्पर्क किया जा रहा हैं।

व्यापारी के सिर पर देसी कट्टे मारा

टोंक। उनियारा मुख्यालय में बुधवार रात्रि को दुकान बंद कर घर लौट रहे दो भाइयों पर दो युवकों ने लूट के इरादे से देशी कट्टे से हवाई फायरिंग की और एक भाई के सिर पर वार कर दिया। हादसे में घायल प्रदीप कुमार गुप्ता को हॉस्पिटल ले जाकर इलाज कराया गया। बाद में घटना के बाद गुस्साए व्यापारियों ने उनियारा थाने के बाहर पहुंचकर प्रदर्शन किया तथा हमलावरों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की, लेकिन मध्य रात को लोग जल्द गिरफ्तार करने के पुलिस के आश्वासन के बाद घर चले गए। घटना के 12 घंटे बीतने के बाद शुक्रवार तक कोई गिरफ्तारी नहीं होने से नाराज व्यापारी अब धरना प्रदर्शन करने की तैयारी कर रहे है। उनियारा थाना प्रभारी कप्तान सिंह ने बताया कि फायरिंग की घटना की पुष्टि नहीं हो रही है। मारपीट का मामला है, इसमें कार्रवाई की जा रही है। घायल व्यापारी प्रदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि उसकी बस स्टैंड के पास दुकान है। बुधवार देर रात करीब दस बजे दुकान बंद करके वह और उसका भाई अजय गुप्ता घर लौट रहे थे। उनके पास दिनभर की बिक्री के हजारों रुपए भी थे। रास्ते में क्षेत्र के ही रहने वाले राजा बाबू गुर्जर और रामसिंह खटाना मिले और बिना कुछ कहे मारपीट शुरू कर दी।

बच्चों की सुरक्षा को लेकर पावटा में स्कूली बसों की सख्ती से जांच

पावटा जिले में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने विशेष मुहिम शुरू कर दी है।

- पावटा में परिवहन विभाग का चेकिंग अभियान
- आपातकालीन स्थिति में उपयोग होने वाले अग्निशमन यंत्र सहित सुरक्षा उपकरणों को भी परखा गया

पावटा। जिले में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने विशेष मुहिम शुरू कर दी है। जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता के निर्देश पर गुरुवार को उपखंड पावटा क्षेत्र में स्कूली बसों की सघन जांच की गई। अभियान के तहत परिवहन विभाग निरीक्षक टिकेंद्र सिंह व नरेश स्वामी के नेतृत्व में टीम ने स्कूल बसों को रोककर उनकी फिटनेस, परमिट व अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की। इसके साथ ही बसों की समग्र स्थिति का निरीक्षण किया गया और आपातकालीन स्थिति में उपयोग होने वाले अग्निशमन यंत्र सहित सुरक्षा उपकरणों को भी परखा गया। जांच के दौरान अधिकारियों ने बस संचालकों को निर्देश दिए कि बच्चों की सुरक्षा में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी स्कूल वाहनों में निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य है। जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि छात्रों की सुरक्षा सर्वोपरि है और स्कूल संचालक सभी आवश्यक सुरक्षा उपकरण बसों में सुनिश्चित करें, अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला परिवहन अधिकारी सुनील सैनी ने बताया कि स्कूली छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा। और नियमों की अवहेलना करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. अम्बेडकर जयंती 14 को

कोटपूतली । संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की 135 वीं जयंती व प्रतिभावान सम्मान समारोह का आयोजन आगामी 14 अप्रैल मंगलवार को किया जायेगा। इस मौके पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह होगें। जबकि अध्यक्षता विधायक हंसराज पटेल द्वारा की जायेगी। डॉ. अम्बेडकर जयंती एवं प्रतिभा सम्मान समारोह के संयोजक एड. सुबेसिंह मोरोड़िया ने बताया कि जयंती समारोह के लिये तैयारियां जोर शोर से चल रही हैं। प्रचार समिति प्रभारी पूर्व गिरदावर हरिपाल वर्मा के नेतृत्व में विभिन्न टीमें गांव-गांव जाकर अधिक से अधिक लोगों को जयंती समारोह में आने के लिये संपर्क कर रही है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के अति विषिष्ठ अतिथि पूर्व मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव, पूर्व विधायक इंद्राज सिंह गुर्जर, पूर्व आईआरएस डॉ. डी आर रैवाला रहेंगे। जबकि विशिष्ठ अतिथि पूर्व चैयरमैन एड. महेन्द्र कुमार सैनी, पूर्व प्रधान मीना कुमारी, पूर्व संयुक्त निदेशक आर एस झांझरिया, प्राचार्य प्रो. आर. के. सिंह, अनिल कुमार तहसीलदार, यूपीएससी चयनित हिमांशु निमोरिया, लेखक रतन कुमार सामरिया, पूर्व एईएन बी.एल. सिंघल, समाजसेवी जगदीश मीणा, राजपूताना कॉलेज प्राचार्य डॉ. एच एन धोलीवाल, डॉ. जयदयाल, डॉ. अल्का बड़जात्या, डॉ. मंजू मौर्य, डॉ. नीलम बुनकर, पूर्व तहसीलदार रामनिवास यादव, समाजसेवी मनोज चौधरी होगे। मंच अध्यक्ष जगदीश मेघवाल, मेघवाल विकास समिति अध्यक्ष मदनलाल वर्मा, बदलूराम, रतिराम जीलोवा, छोटूराम आदि मौजूद रहे।

'उच्च स्तरीय विशेषज्ञों से मिलेगा निःशुल्क चिकित्सा परामर्श

- दिलीप इसरानी के जन्म दिवस पर 11 अप्रैल को सुबह 10:30 बजे विशाल निःशुल्क मेडिकल एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा

निवाई। श्री श्याम धर्मार्थ सेवा संस्थान के तत्वावधान में 80 फुट रोड स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी सामुदायिक भवन में संस्थान के अध्यक्ष दिलीप इसरानी के जन्म दिवस पर 11 अप्रैल को सुबह 10:30 बजे विशाल निःशुल्क मेडिकल एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में जयपुर के सुप्रसिद्ध चिर्किंत्सा विशेषज्ञ सेवाएँ देंगे। शहर अध्यक्ष नितिन छाबडा ने बताया कि शिविर में एसएमएस हॉस्पिटल जयपुर के सुप्रसिद्ध रोबोटिक जोड प्रत्यारोपण विशेषज्ञ, यूके से प्रशिक्षित व करीब 13 वर्षों के अनुभवी, एमबीबीएस एमएस ऑर्थो डॉ. मुकेश असवाल रोगीयों को परामर्श देंगे। उन्होंने बताया कि डॉ. असवाल रोबोटिक व कंप्यूटर नेवीगेशन पद्धित से कूल्हे, घुटने एवं कंधों के जोड प्रत्यारोपण विशेषज्ञ हैं। जिनको 15 हजार से अधिक सफल सर्जरी का अनुभव है। डॉ. असवाल द्वारा जयपुर के एसएमएस अस्पताल में अत्याधुनिक रोबोटिक इलाज निःशुल्क उपलब्ध है, जिससे गरीब व मध्यम वर्ग के रोगी आर्थिक बोझ से बच सकते हैं। शिविर में शुभम केयर हॉस्पिटल जयपुर के स्त्री एवं प्रसूति रोग, निःसंतानता व 3 डी लैप्रोस्कोपी विशेषज्ञ डॉ. शैलेष जैन भी विशेषज्ञ सेवाएँ प्रदान करेंगे। इसी प्रकार जयपुर अपैक्स हॉस्पिटल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. बी.एम. गोयल, पेट एवं पाचन रोग विशेषज्ञ डॉ. मोहम्मद रेहान, फेफडा रोग विशेषज्ञ डॉ. मेहुल अठावाल व राजकीय जयपुरिया हॉस्पिटल के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज नोगिया चिकित्सा परामर्श देंगे। डॉ. सपना जैन, डॉ. सिमरन कक्कड व डाइटिशियन डॉ. निशा शर्मा द्वारा स्त्री रोग व पोषण परामर्श दिया जाएगा। ब्यूटी आई केयर टीम द्वारा नेत्र जांच व चश्मा वितरण किया जाएगा। रक्तदान शिविर में श्री गोपाल कृष्ण सेवा सिमिति जयपुर व प्रतिष्ठा ब्लड सेंटर टोंक द्वारा रक्तदान संठाहण किया जाएगा। जिसमें सैंकडों युवा रक्तदान करेंगे। संस्थान के अध्यक्ष दिलीप इसरानी, रवि अग्रवाल, वंश प्रदीप पारीक, जयनारायण कुमावत, जीतेन्द्र विजय, सर्वेश द्विवेदी, जीतेन्द्र धारवाल एवं अविनाश पारीक ने लोगों को शिविर में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर शिविर का लाभ लेने की अपील की है। उन्होंने बताया कि शिविर में रोगीयों को एक ही छत के नीचे जयपुर के उच्च स्तरीय विशेषज्ञों से निःशुल्क चिकित्सा परामर्श प्राप्त करने का मौका मिलेगा।

मोबाइल की दुकान में आग

निवाई। निकटवर्ती गांव सुनारा में बीती रात एक मोबाइल की दुकान में शॉर्ट सर्किट होने से भीषण आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही निवाई फायर स्टेशन से दमकल मौके पर पहुंची और तत्परता से आग पर काबू पाया। फायरमैन अजय यादव ने बताया कि गुरूवार की रात करीब 9:51 बजे निवाई फायर स्टेशन पर सूचना मिली कि सुनारा गांव में स्थित एक मोबाइल शॉप में आग लग गई है। सूचना पर फायरमैन अजय यादव, दिलखुश गुर्जर, बुद्धिप्रकाश शर्मा, सुरेश मीणा व चालक महावीर यादव दमकल के साथ मौके पर पहुंचकर कडी मशक्कत के बाद आग को नियंत्रित किया। पीडित दुकानदार छीतर प्रजापत ने बताया कि उसकी मोबाईल की दुकान में रिपेयरिंग के लिए रखे करीब 500 पुराने मोबाइल, 50 नए मोबाइल, 10 पंखे, फोन की 40 कॉम्बो, कई एक्सेसरीज, 8-10 हजार रूपए की किसान टॉर्च, 25 हजार रुपये का काउंटर एवं दुकान में रखी करीब 15 हजार रुपये की नकदी आग में जलकर राख हो गए।

ताला लगे मकान में दबिश देकर जुआ खेलते 4 आरोपी गिरफ्तार

- आरोपियों के कब्जे से 25 हजार रुपये जब्त किए

टोंक। जिला स्पेशल टीम ने कोतवाली थाना क्षेत्र के बछेरो का घेर क्षैत्र में एक मकान में जुआ खेल रहे चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 25 हजार रुपए भी जब्त किया गया है। कार्यवाही के दौरान पुलिस को आते देख मकान मालिक भाग गया, जिसकी तलाश की जा रही है। कार्यवाही के बाद आरोपी रहमान पुत्र अब्दुल गनी उम्र 43 साल, नदीम पुत्र जफर उम्र 36 साल, साहिल पुत्र अब्दुल वाहिद उम्र 24 साल एवं हुसैन पुत्र मोहम्मद अजीम उम्र 45 साल निवासी धन्ना तलाई को जुआ खेलते गिरफ्तार किया गया है।

जिला स्पेशल टीम प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में सटोरिया लोगों को बुलाकर मकान में जुआ सट्टा खिलाता था। जिसकी सूचना के बाद टीम ने बीती रात मकान पर दबिश देकर ताले को तोड़कर टीम ने तीसरी मंजिल पर चार आरोपियो को चटाई पर जुआ खेलते दबोचा तथा उन्हें गिरफ्तार कर उनके पास से करीब 25 हजार रुपए और चटाई जब्त की गई। जिसके बाद आरोपियों को कोतवाली थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया, जहां उनके खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पोषण पखवाड़े में स्वस्थ व्यंजनों का प्रदर्शन

निवाई। शहर में आंगनबाडी केंद्रों पर महिला एवं बाल विकास अधिकारी संगीता दीपक के सानिध्य में पोषण पखवाडे के अन्तर्गत खाना बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं को प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना के बारे में विस्तार से बताते हुए इन योजनाओं से मिलने वाले लाभों की जानकारी दी गई। महिला पर्यवेक्षक कविता टेलर ने गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। उन्होंने महिलाओं को एनीमिया की नियमित जांच करवाने की सलाह देते हुए बेहतर स्वास्थ्य के लिए आयरन युक्त हरी सब्जियां, फल व संतुलित भोजन का नियमित उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान स्वस्थ व्यंजनों का प्रदर्शन किया गया एवं खाना बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन करके महिलाओं को जागरूक किया एवं स्वास्थ्य से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण परामर्श भी दिए । गए। कार्यक्रम में आंगनबाडी कार्यकर्ता, सहायिकाओं सहित गर्भवती व धात्री महिलाएं मौजूद थी।

कोटपुतली में विद्यार्थियों को साइबर क्राइम के प्रति जागरूक किया

कोटपूतली । राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रदेश में ट्रांसफॉर्मेटिव ट्ययूजडे के तहत विद्यालयों में विद्यार्थियों के समग्र विकास तथा डिजिटल युग की चुनौतियों के प्रति उनकी सजगता बढ़ाने के उद्देश्य से न्यायिक अधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों को जागरूक करने के संबंध में नवीन योजना प्रारम्भ की गई। इसी क्रम में जिला एवं सैशन न्यायाधीश रवि शर्मा के निर्देशानुसार कोटपूतली न्याय क्षेत्र के न्यायिक अधिकारियों द्वारा

- विधालयों में रखवाई कोर्ट वाली दीदी सुझाव पेटी

न्यायिक अधिकारियों ने कोटपुतली के विभिन्न विद्यालयों में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किये।

विभिन्न विद्यालयों में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किये गये। शुक्रवार को जिले में कुल 15 न्यायाधिषों द्वारा कोटपूतली, बानसूर, बहरोड एवं विराटनगर की विभिन्न राजकीय व निजी विद्यालयों में जाकर ट्रांसफॉर्मेटिव ट्ययूजडे अभियान के तहत विशेष जागरूकता शिविर आयोजित किये गये। जिसके तहत कक्षा 08 से 12 तक के विद्यार्थियों को साईबर सुरक्षा, विधिक अधिकार, डिजिटल खतरों से अवगत करवाया गया। इस दौरान प्रत्येक विद्यालय में कोर्ट वाली दीदी नाम से शिकायत एवं सुझाव पेटी भी रखवाई गई।

जिसका मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं की समस्याओं से अधिकारियों को अवगत करवाया जा सकें। विद्यार्थियों को उक्त कोर्ट वाली दीदी पेटी में किसी भी प्रकार की समस्या अथवा सुझाव डालने हेतु प्रेरित किया गया। उक्त पेटी का अवलोकन 03 दिवस पश्चात किया जावेगा। कोटपूतली मुख्यालय के एडीजे क्रम 01 राजेश कुमार, एडीजे क्रम 04 डॉ. सुरेश कुमार, एसीजेएम क्रम 01 सिमरन कौर, एसीजेएम क्रम 02 डॉ. अजय बिश्नोई व न्यायिक मजिस्ट्रेट पूजा धानियां द्वारा विभिन्न विद्यालयों में जाकर विद्यार्थियों को डिजिटल अरेस्ट, साईबर सुरक्षा जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। इसी प्रकार बहरोड, बानसूर व विराटनगर के न्यायिक अधिकारियों द्वारा स्थानीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को जानकारियां प्रदान की गई।

सार-समाचार

परशुराम जयंती को लेकर ब्राह्मण समाज ने गणेश मंदिर में चढ़ाए पीले चावल

पावटा। आगामी अक्षया तृतीया पर परशुराम जन्मोत्सव के आयोजन को लेकर ब्राह्मण समाज में उत्साह का माहौल है। इसी क्रम में ब्राह्मण महासभा नगर पावटा प्रचार मंत्री मोहन गौड ने बताया कि पावटा तहसील ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष राजेश शर्मा व ब्राह्मण महासभा पावटा नगर अध्यक्ष सुरेश नयाबासी के नेतृत्व में समाज के लोगों ने स्थानीय गणेश मंदिर में पहुंचकर भगवान गणेश को पीले चावल अर्पित कर कार्यक्रम की सफलता एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष सहित समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों ने एकजुट होकर जयंती को भव्य रूप से मनाने का संकल्प लिया। इस दौरान ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष सुरेश नयाबासी ने कहा कि पावटा नगर ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष सुरेश शर्मा के नेतृत्व में भगवान परशुराम के प्रकटोत्सव को भव्यता के साथ मनाये जाने के लिए विस्तार से चर्चा करते हुए पीले चावल बांटने, सर्व समाज के लोगो से संपर्क करने का विचार करने, कार्यक्रम को लेकर प्रशासन को अवगत करवाने, आगामी 19 अप्रैल को भगवान परशुराम के प्रकट उत्सव पर शाम 4 बजे से आदर्श रामलीला मैदान पावटा से एक भव्य शोभायात्रा प्रारंभ होगी ज्यों नगर के मुख्य बाजारो व मार्गो से होते हुए वापस आदर्श रामलीला मैदान पावटा पहुंचकर महाआरती के साथ संपन्न होगी। बैठक में कहा गया कि इस बार आयोजन भव्य और दिव्य से रूप से आयोजित किया जाएगा। इसके लिए रूरेखा तय कर जिम्मेदारी दी गई। बताया गया कि आयोजन के लिए अंतिम बैठक 10 अप्रैल 2026 दिन शुक्रवार को संपन्न होगी। जिसमें कार्यक्रम को लेकर अंतिम रूप प्रदान किया जाएगा। पीले चावल चढ़ाने की परंपरा शुभ कार्य की शुरुआत का प्रतीक है। हम भगवान गणेश से प्रार्थना करते हैं कि परशुराम जन्मोत्सव का आयोजन निर्विघ्न संपन्न हो।समाज के सभी लोगों से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में भाग लेकर इसे सफल बनाएं। इस बार परशुराम जयंती को विशेष रूप से मनाने की तैयारियां की जा रही हैं, जिसमें शोभायात्रा, धार्मिक कार्यक्रम और सामाजिक आयोजन शामिल रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान समाज के कई गणमान्य लोग, युवा व महिलाएं उपस्थित रहीं और सभी ने मिलकर आयोजन को सफल बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान पावटा नगर ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष सुरेश शर्मा, पूर्व उपाध्यक्ष गजानंद बोहरा, उपाध्यक्ष गिरिराज बोहरा, दीपक पटेल, महामंत्री विष्णु पटेल, कोषाध्यक्ष ललित शर्मा, आदर्श रामलीला मंडल अध्यक्ष योगेश शर्मा, विष्णु शर्मा, शंकर पाकोजरा, मोहित शर्मा, हिमांशु शर्मा, रामशरण बोहरा, सावर बोहरा सहित विप्र बंधु मौजूद रहे।

पानी की समस्या बरकरार

सांभरझील, (निसं)। अपर्याप्त पानी सप्लाई से गत कई सालों से परेशान सांभर में जाल की गली के बाशिंदों को नेताओं द्वारा करीब 4 माह पहले दिये गये आश्वासन के पूरा होने का इंतजार है। जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह और पूर्व विधायक निर्मल कुमावत की मौजूदगी में जनसुनवाई के दौरान जाल की गली के लोगों ने पानी की समस्या को लेकर रूबरू होते हुए अपनी पीडा का इजहार किया तो मौके पर मौजूद जलदाय विभाग के अभियंता को सांसद और पूर्व विधायक ने जिस तर्ज पर सख्त निर्देश दिए थे उससे तो लोगों को लगा कि समस्या आजकल में ही निपट जाएगी, लेकिन उसकी तो पीएचईडी डिपार्मेंट ने पूरी तरह से हवा ही निकाल दी। मौके पर मौजूद भाजपा के उन नेताओं की थोथी पंचायती की भी पोल सामने आ गई जो उस वक्त सांसद और पूर्व विधायक को दिखाने के लिए पैरवी कर रहे थे, लेकिन अब पूरी तरह से गायब है। बता दें कि जनसुनवाई के दौरान सांसद ने पीएचईडी डिपार्टमेंट को हिदायत दी थी कि समस्या का शीघ्र निवारण कर राहत प्रदान की जाए, तो विभाग के अभियंता ने सांसद को ही तकनीकी प्लान बताने लगे, जब सांसद ने पूछा प्लान क्या है तो विभाग ने पेयजल लाइन बिछाने का 9 लाख का एस्टीमेट बता फंड की असमर्थता जताई तो सांसद महोदय ने कहा कि आपके पास पैसा नहीं है तो मुझसे ले लो मतलब सांसद कोटे से देने की बात कही गई। बताया जा रहा है कि विभाग के स्तर से इसका फंड भी आ चुका है लेकिन जाल की गली के लोगो को केवल विभाग टालम टोल कर उनकी समस्या को और बढ़ा रहा है। बताया गया कि कुछ बुजुर्ग परिवार तो इस समय से दुखी होकर यहां से अन्यत्र शिफ्ट हो चुके हैं। यह बताना जरूरी भी है कि यहां के लोगों ने संयुक्त रूप से हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन करीब एक साल पहले उपखंड अधिकारी को भी दिया था लेकिन उस पर भी कोई एक्शन नहीं लिया गया। वर्तमान हालात को देखते हुए साफ दिखाई दे रहा है कि प्रशासन भी उनकी समस्या को अनदेखी कर चुका है।

विधायक डॉ. शैलेश सिंह ने की सीएम से मुलाकात

भरतपुर (निस)। डीग-कुम्हेर विधायक डॉ. शैलेश दिगम्बर सिंह ने शुक्रवार को जयपुर में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाक़ात कर डीग और भरतपुर जिलों में हाल के दिनों में हुई असमय बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए व्यापक नुकसान का मुद्दा उठाया। विधायक डॉ. शैलेश सिंह ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि पिछले कुछ दिनों में क्षेत्र में हुई तेज बारिश और ओलावृष्टि के कारण किसानों की खड़ी फसल को काफी क्षित पहुंची है। गेहूं, सरसों, जौ, चना और अन्य फसलों को हुए नुकसान से किसानों की चिंता बढ़ गई है और कई गांवों में खेतों में खड़ी फसल और घरों, मंडियों में रखी कटी फसल भी प्रभावित हुई है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल सर्वे करवाकर किसानों को राहत दिलाई जाए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को डीग और भरतपुर जिलों में फसल नुकसान का शीघ्र सर्वे कराने के निर्देश दिए।उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार किसानों की समस्याओं के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है और जिन किसानों की फसल को नुकसान हुआ है, उन्हें नियमानुसार राहत दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि सर्वे की प्रक्रिया पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरी की जाए ताकि प्रभावित किसानों को शीघ्र राहत मिल सके। इस अवसर पर विधायक डॉ. शैलेश सिंह ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि डीग-कुम्हेर और भरतपुर क्षेत्र के किसानों के हितों की रक्षा उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य सरकार के सहयोग से प्रभावित किसानों को जल्द राहत मिलेगी और उन्हें इस कठिन परिस्थिति से उबरने में मदद मिलेगी।किसानों की समस्याओं को लेकर वे लगातार सरकार के समक्ष मजबूती से आवाज उठाते रहेंगे।

सेप्टिक टैंक निर्माण व सफाई पर सख्त निर्देश

डीग भरतपुर (निस)। नगर परिषद डीग प्रशासन ने शहर में सेप्टिक टैंकों के निर्माण, सफाई (डीस्लजिंग) एवं स्वच्छता व्यवस्था को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। नगर परिषद आयुक्त कुलदीप सिंह ने शहरवासियों से इन निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने की अपील की है। नगर परिषद के आयुक्त कुलदीप सिंह ने बताया कि नगर परिषद क्षेत्र के सभी वार्डों में बनने वाले सेप्टिक टैंकों का निर्माण राष्ट्रीय भवन संहिता एवं आईएस 2470 मानकों के अनुसार करना अनिवार्य होगा। साथ ही सभी सेप्टिक टैंक/पिट की सफाई अधिकृत सेवा प्रदाता के माध्यम से प्रत्येक 3 वर्ष में कराना जरूरी होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि सेप्टिक टैंक का मल सार्वजनिक स्थानों, नालियों या अन्य स्थानों पर बहाने अथवा खाली करने पर राजस्थान नगरपालिका (ठोस अपशिष्ट प्रबंधन) उपविधियां 2019 के तहत प्रतिदिन 5000 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा।

मैच के बाद क्रिस ब्रॉड, जो स्टुअर्ट ब्रॉड के पिता हैं, ने उनसे अपने बेटे के लिए एक जर्सी पर ऑटोग्राफ देने को कहा था। युवराज ने जर्सी पर संदेश भी लिखा था, जिसमें उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए ब्रॉड के बेहतर भविष्य की कामना की थी। - युवराज सिंह

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, स्टुअर्ट ब्रॉड को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

टिम वाइट

हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को तुषार खांडेकर की जगह ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी कोच टिम वाइट को जूनियर महिला हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया। खांडेकर 2023 से जूनियर महिला हॉकी टीम के साथ थे। राष्ट्रीय महासंघ ने इस बदलाव के कारणों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी और वाइट के अनुबंध के कार्यकाल का खुलासा भी नहीं किया। वाइट ने हाल में इस साल जनवरी में हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में 'अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स' के मुख्य कोच के तौर पर काम किया था। उन्हें बेल्जियम और ऑस्ट्रेलिया में भी कोचिंग करने का अनुभव है।

क्या आप जानते हैं ?... रोहित शर्मा द्वारा 2014 में श्रीलंका के खिलाफ बनाया गया 264 रन किसी भी खिलाड़ी द्वारा वनडे में सबसे अधिक रन है।

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम मैदान पर आईपीएल लीग मैचों में से चार मैच जयपुर में खेले जाएंगे जिसकी तैयारिया पूरे जोर शोर से जारी है जिसमें दर्शकों के बैठने की कुर्सियां ठीक की जा रही है साथ ही मैदान को मेंटेन किया जा रहा है।25 अप्रैल को आईपीएल का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। इस बार मैदान पर आईपीएल मैच के दौरान रोशनी पहले के मुकाबले ज्यादा रहेगी। क्योंकिचारों पोलों से फ्लड लाइटें बदलने का काम लगभग जारी है। इन पर नई एलईडी फ्लड लाइटें लगाने का काम शुरू कर दिया गया है।

राजस्थान रॉयल्स ने आरसीबी को 6 विकेट से हराया

वैभव ने 26 बॉल पर 78 रन बनाए, 7 छक्के लगाए, जुरेल ने भी फिफ्टी लगाई

गुवाहाटी, 10 अप्रेल। राजस्थान रॉयल्स ने आरसीबी को 6 विकेट से बुरी तरह हरा दिया है। वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरैल की धमाकेदार बल्लेबाजी के कारण आरसीबी के गेंदबाजी 201 रन के स्कोर को डिफेंड नहीं कर सके। राजस्थान रॉयल्स ने 202 रनों के लक्ष्य को 18 ओवर में हासिल कर लिया। इस जीत के साथ राजस्थान रॉयल्स ने लगातार चौथी जीत दर्ज की है, वहीं आरसीबी को इस टूर्नामेंट में यह पहली हार मिली है। चार मैचों में चार जीत के साथ राजस्थान की टीम पॉइंट्स टेबल पर टॉप पर बनी हुई है। इसके गेंदबाज रवि बिश्नोई के नाम पर्पल कैप है, जबकि वैभव सूर्यवंशी के पास ऑरेंज कैप है।

बारिश के कारण पूरे 1 घंटे से अधिक की देरी से शुरू हुए मैच में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। शुरुआती ओवरों में उनका फैसला सही साबित हुआ। पावरप्ले में निश्चित तौर पर राजस्थान के गेंदबाजों की जीत हुई। वे ना सिर्फ रन रोकने में सफल

वैभव ने गेंदबाजों की उड़ाई धज्जियां

वैभव सूर्यवंशी ने शुक्रवार को रॉयल चैलेंजर्स के खिलाफ मुकाबले में 15 गेंदों में अर्धशतक लगाया। वह आईपीएल में लगातार दो बार 15 गेंदों के अंदर फिफ्टी लगाने वाले पहले बैटर बन गए हैं। राजस्थान रॉयल्स के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर अपने बल्ले से सबको चौंका दिया है।

हुए हैं बल्कि तीन बड़े बल्लेबाजों को आउट किया। जोफ्रा आर्चर ने पारी की पहली गेंद पर ही फिल साल्ट को चलता किया। इसके बाद तीसरे ओवर की आखिरी गेंद पर देवदत्त पडिकल्ल को भी अपना शिकार बनाया।

पारी के पांचवें ओवर में रवि बिश्नोई ने विराट कोहली को क्लीन बोल्ड कर दिया। इसके बाद नियमित अंतराल पर आरसीबी के विकेट गिरते रहे और एक वक्त तक तो 93 रनों के स्कोर पर टीम के 6 विकेट हो चुके थे। वहां से 201 के स्कोर तक पहुंचना मुश्किल था लेकिन कप्तान पाटीदार और अंत में इंपैक्ट प्लेयर के रूप में वेंकटेश अय्यर ने अपना प्रभाव जमाया और टीम को एक बडे लक्ष्य तक पहुंचाया। पाटीदार ने चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 40 गेंदों में 63 रन बनाए। वेंकेटेश अय्यर ने 15 गेंदों में 29 रन जबकि रोमारियो शेफर्ड ने 11 गेदों में 22 रन बनाए। शुरुआत में कोहली ने 16 गेंदों में 32 रन बनाए। इन बल्लेबाजों के अलावा कोई भी बड़ा स्कोर नहीं कर सका।

झुंझुनूं का शेर इंडियन प्रीमियर लीग में गरजा

// मुकुल चौधरी ने 27 गेंदों में जड़ा तूफानी अर्धशतक //

आखिरी ओवर में लखनऊ को दिलाई सांसें रोक देने वाली जीत

झुंझुनूं/ जयपुर, 10 अप्रैल। क्रिकेट के सबसे बड़े मंच ''इंडियन प्रीमियर लीग'' में इस बार शेखावाटी की धरती से एक नया सितारा चमका है। झुंझुनूं जिले के गुढ़ागौड़जी क्षेत्र की मिट्टी से निकले युवा बल्लेबाज मुकुल चौधरी ने गुरुवार को अपनी विस्फोटक पारी से न सिर्फ मैच का रुख पलट दिया, बल्कि पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेले गए इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में मुकुल ने मात्र 27 गेंदों पर नाबाद 54 रन ठोककर लखनऊ को 3 विकेट से रोमांचक जीत दिला दी।

आखिरी ओवर का 'महाभारत': जब मुकुल बने संकटमोचक

मैच का फैसला आखिरी ओवर में होना था। जीत के लिए 14 रन चाहिए थे और गेंदबाजी कर रहे थे वैभव अरोड़ा , दबाव अपने चरम पर था, लेकिन मुकुल ने हिम्मत नहीं हारी। दूसरी गेंद पर गगनचुंबी छक्का, तीसरी-चौथी गेंद पर सन्नाटा, पांचवीं गेंद पर फिर छक्का लगाया। हर शॉट के साथ स्टेडियम में रोमांच चरम पर पहुंचता गया और अंततः मुकुल ने मैच को अपने नाम कर लिया।

खेतों की पगडंडी से आईपीएल के मैदान तक

झुंझुनूं के छोटे से गांव खेदड़ों की ढाणी में जन्मे मुकुल का सफर संघर्षों से भरा रहा है। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपने सपनों को जिंदा रखा। सीकर की एसबीएस क्रिकेट एकेडमी में उन्होंने क्रिकेट की बारीकियां सीखीं और अपनी प्रतिभा को तराशा। उनकी काबिलियत

का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वे राजस्थान अंडर-17 क्रिकेट टीम के कप्तान भी रह चुके हैं।

युवाओं के लिए मिसाल, सपनों को दी उड़ान -

मुकुल की यह पारी सिर्फ एक जीत नहीं, बल्कि उन हजारों युवाओं के लिए उम्मीद की किरण है, जो छोटे शहरों और गांवों से निकलकर बड़ा मुकाम हासिल करना चाहते हैं। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि मेहनत, आत्मविश्वास और सही दिशा मिले तो कोई भी सपना छोटा नहीं होता।

शेखावाटी में जश्न, हर जुबां पर मुकुल का नाम -

जैसे ही जीत की खबर आई, झुंझुनूं सहित पूरे शेखावाटी क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। गांव-गांव में मिठाइयां बांटी जा रही हैं, सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लगा है। स्थानीय लोगों को अब उम्मीद है कि मुकुल आने वाले समय में भारतीय क्रिकेट टीम में जगह बनाकर देश और अपने क्षेत्र का नाम और रोशन करेंगे।

ओडिशा की एलिश एक्का ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, 10 अप्रेल। महज 17 साल की उम्र में ओडिशा की एलिश एक्का ने इतिहास रच दिया है। एक्का के गले में चमकता सिल्वर मेडल सिर्फ एक खेल की जीत नहीं बल्कि उनकी मां के अथाह त्याग और अदम्य साहस का एक सुंदर उदाहरण भी है। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के एक साधारण से गांव संतोषपुर की एलिश एक्का की कहानी शुरु होती है हॉकी से लेकिन मां प्रमिला एक्का खुद राज्य स्तर की हॉकी खिलाड़ी रह चुकी हैं। मां की तरह एलिश ने भी बतौर स्ट्राइकर हॉकी में भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखा लेकिन टीम स्पोर्ट्स में मिलने वाले सीमित मौकों ने एलिश को अपने खेल सफर पर दोबारा विचार करने के लिए मजबूर किया।

एशिया चैम्पियनशिप में आयुष शेट्टी का कारनामा

दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली, 10 अप्रेल। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने एशिया चैंपियनशिप 2026 के मेंस सिंगल क्वार्टरफाइनल में शानदार खेल दिखाया है। इस दौरान उन्होंने इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी को हराया है, जो दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी हैं। इस जीत के साथ ही भारत का एक मेडल पक्का हो गया है। हालांकि, आयुष सेमीफाइनल में भी अपनी इसी फॉर्म को बरकरार रखना चाहेंगे और जीत हासिल कर फाइनल में अपनी जगह बनाना चाहेंगे।20 वर्षीय आयुष ने 2023 में वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था, इस मैच में दबाव में भी बिल्कुल शांत रहे। पहले गेम में उन्होंने दो गेम प्वाइंट्स बचाए और खुद एक पॉइंट चूकने के बाद भी 23-21 से जीत दर्ज की। दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ी कई बार बराबरी पर थे, लेकिन 10-9 की बढ़त लेने के बाद आयुष ने अपनी लय बनाए रखी और 21-17 से मैच अपने नाम कर लिया। ये मुकाबला 54 मिनट तक चला। इस जीत के साथ आयुष शेट्टी अब सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर 1 थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसर्न से भिड़ेंगे। आयुष इस पूरे टूर्नामेंट में अब तक एक भी गेम नहीं हारे हैं जो उनकी फॉर्म को दिखाता है। आयुष ने टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में भी मजबूत विरोधियों को हराया था। इस दौरान उन्होंने चीन के 7वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी शी फेंग और चाइनीज ताइपे के ची यू जेन को हराकर क्वार्टर फाइनल तक पहुंच बनाई थी। आयुष शेट्टी की ये जीत न सिर्फ उनके करियर के लिए बल्कि पूरे भारतीय बैडमिंटन के लिए बेहद अहम है। युवा खिलाड़ी का आत्मविश्वास और मैच फिनिशिंग स्किल इस टूर्नामेंट में सबसेज्यादा चर्चा में रहा है।

एसआर स्पेस क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 10 अप्रैल। अंडर-12 पिंकसिटी कप में वर्धमान क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 32 ओवर में 127 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। पीयूष शर्मा ने सर्वाधिक 35 रनों का योगदान दिया। संस्कार क्रिकेट अकादमी की ओर से केशव ने 5 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एसआर स्पेसक्रिकेट अकादमी ने 31 ओवर में 128 रन 9 विकेट के नुकसान पर बनाकर जीत हासिल कर ली। आदित्य ने 30 और मनन सिंह ने 25 रनों को योगदान दिया। वर्धमान क्रिकेट अकादमी की ओर से गितेश पुरोहित ने 4 विकेट लिए।

बाबर आजम ने सबसे तेज 12 हजार रन पूरे करने का कारनामा किया

नई दिल्ली, 10 अप्रेल। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। बता दें कि उन्होंने टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 12 हजार रन पूरे करने का कारनामा किया है, जो उन्होंने पाकिस्तान सुपर लीग 2026 के मुकाबले के दौरान हासिल किया। मौजूद जानकारी के अनुसार, यह उपलब्धि उन्होंने पेशावर जाल्मी और कराची किंग्स के बीच खेले गए मुकाबले में हासिल की, जहां बाबर आजम ने नाबाद 87 रनों की शानदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने कुसल मेंडिस के साथ मिलकर 191 रनों की बड़ी साझेदारी की, जिसकी बदौलत टीम ने निर्धारित ओवरों में 246 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। गौरतलब है कि बाबर आजम ने यह रिकॉर्ड 338 पारियों में पूरा किया, जिससे उन्होंने क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने इस मुकाम तक पहुंचने में 343 पारियां ली थीं। वहीं, विराट कोहली इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 360 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। बताया जाता है कि बाबर आजम पाकिस्तान के दूसरे ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने टी20 क्रिकेट में 12 हजार से ज्यादा रन बनाए हैं। उनसे पहले शोएब मलिक यह कारनामा कर चुके हैं और अब भी पाकिस्तान के लिए इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड उनके नाम है। इस शानदार पारी से एक दिन पहले बाबर आजम का एक बयान भी चर्चा में था, जिसमें उन्होंने एक पत्रकार के सवाल पर नाराजगी जताई थी।

विश्वनाथ को गोल्ड, भारत ने एशियाई मुक्केबाजी अभियान का समापन 5 स्वर्ण पदक के साथ किया

नई दिल्ली, 10 अप्रेल। भारत ने शुक्रवार को एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के अपने यादगार अभियान का समापन पुरुषों के 50 किलोग्राम वर्ग में विश्वनाथ सुरेश के स्वर्ण पदक के साथ किया। विश्वनाथ ने फाइनल में दबदबा बनाते हुए जापान के दाइची इवाई को 5-0 से शिकस्त दी।

सचिन (60 किलोग्राम) ने कड़े मुकाबले में रजत पदक जीतकर पदकों की संख्या में इजाफा किया जिससे पुरुषों की टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। भारत पदक तालिका में पांच स्वर्ण पदक के साथ दूसरे स्थान पर रह। कजाकिस्तान ने भारत से एक स्वर्ण पदक ज्यादा जीता और तालिका में शीर्ष पर रहा। हालांकि कुल मिलाकर सबसे अधिक (16) पदक भारत ने ही जीते। इस प्रदर्शन की सबसे बड़ी खासियत भारतीय महिला टीम का

ऐतिहासिक प्रदर्शन रहा जिसमें उन्होंने 10 पदक जीतकर तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। इन 10 पदकों में चार स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक शामिल थे जो महाद्वीपीय स्तर पर उनके अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों में से एक है।

राष्ट्रीय स्तर पर लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विश्वनाथ ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया जो मुक्केबाजी की दुनिया में उनकी तेजी से बढ़ती लोकप्रियता और सफलता का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। विश्वनाथ ने अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी अपनी एक मजबूत पहचान बना ली है। उलानबटोर में उनका अभियान विशेष रूप से प्रभावशाली रहा जिसमें फाइनल तक पहुंचने के क्रम में उन्होंने दुनिया के नंबर एक मुक्केबाज को हराकर उलटफेर किया।

टीम के प्रदर्शन पर बात करते हुए भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, "भारतीय मुक्केबाजी और हमारी महिला मुक्केबाजों के लिए यह एक असाधारण अभियान रहा है। हमारी महिलाओं ने चार स्वर्ण पदक जीतकर पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया है। हमारी पुरुष टीम का प्रदर्शन भी एक बार फिर प्रभावशाली रहा, विशेष रूप से युवा विश्वनाथ का जिन्होंने स्वर्ण पदक जीता।

आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग आज जयपुर में होगी आयोजित

जयपुर, 10 अप्रैल। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव की अध्यक्षता में आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग कल दिनांक 11 अप्रैल 2026 को दोपहर 2 .00 बजे आरसीए कार्यालय , आरसीए अकादमी , सवाई मान सिंह स्टेडियम में आयोजित होगी। **आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग के मुख्य एजेंडे:-** आरसीए का घरेलू क्रिकेट सत्र, जिला क्रिकेट संघों की समस्याएं, राजस्थान प्रीमियर लीग (आरपीएल), आईपीएल, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद, आरसीए अवार्ड समारोह, अन्य मुद्दे। आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग में संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव , सदस्य धनञ्जय सिंह खींवसर, आशीष तिवाड़ी , अर्जुन बेनीवाल , अरिष्ट सिंघवी उपस्थित रहेंगे।

इंडियन सुपर लीग के व्यावसायिक फैसले पर भारतीय फुटबॉल महासंघ-क्लबों में टकराव

नई दिल्ली, 10 अप्रेल। भारतीय फुटबॉल में इस समय एक अहम व्यावसायिक फैसले को लेकर खींचतान का माहौल बनता दिख रहा है और इससे लीग के भविष्य को लेकर भी कई सवाल उठ रहे हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, इंडियन सुपर लीग के क्लबों ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ से यह मांग की है कि संभावित व्यावसायिक साझेदारों से सीधे बातचीत का मौका दिया जाए। क्लबों का मानना है कि यह फैसला सिर्फ बोली मिलने के आधार पर नहीं, बल्कि कंपनियों की पूरी योजना, राजस्व मॉडल और दीर्घकालिक दृष्टि को समझकर लिया जाना चाहिए। गौरतलब है कि इस प्रक्रिया के लिए पहले से एक मूल्यांकन समिति बनाई गई थी, जिसमें क्लबों के प्रतिनिधि भी शामिल थे। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब समिति मौजूद है, तो फिर क्लबों को अलग से बातचीत की जरूरत क्यों पड़ रही है। यही वजह है कि पूरे चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर भी चर्चा तेज हो गई है। बता दें कि इस टेंडर प्रक्रिया में दो प्रमुख कंपनियों ने बोली लगाई है, जिनमें एक की बोली करीब 64 करोड़ रुपये सालाना और दूसरी की करीब 36 करोड़ रुपये सालाना बताई जा रही है। हालांकि यह आंकड़े पहले के कमर्शियल डील द्वारा सुझाए गए खर्च और संभावित आय के मुकाबले काफी कम माने जा रहे हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, क्लबों ने यह भी कहा है कि उन्हें टेंडर प्रक्रिया की शुरुआती शर्तों के निर्माण में शामिल नहीं किया गया था, जबकि यह समझौता भारतीय फुटबॉल के कमर्शियल ढांचे और भविष्य को सीधे प्रभावित करेगा।

जय भारतीय क्रिकेट अकादमी ने 9 विकेट से मुकाबला जीता

जयपुर, 10 अप्रैल। चंबल स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित अंडर 16 स्टेट लेवल भारती कंवर मेमोरियल वनडे क्रिकेट लीग में राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी व जय भारती क्रिकेट अकादमी के मध्य मुकाबला खेला गया। जिसमें राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी पहले बल्लेबाजी करते हुए 46.5 ओवर में 233 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें इशांत यादव ने 88 रन व पुनीत यादव ने 60 रन व नीलय अरोड़ा ने 30 रनों का योगदान दिया। जय भारती क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में कृष्णा ने तीन विकेट और सचिन मीणा, तेजस जोशी, नितिन सिंह गहलोत ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जय भारती क्रिकेट अकादमी 30.5 ओवर में 234/1 रन बनाकर सेमी फाइनल में जगह बना ली।

जोधपुर एकेडमी बनी चैम्पियन, रोमांचक पेनल्टी शूटआउट में झुंझुनूं को हराया

चित्तौड़गढ़, 10 अप्रैल। आल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के निर्देशानुसार तथा राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के मार्गदर्शन में जिला फुटबॉल संघ चित्तौड़गढ़ द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला जोधपुर फुटबॉल अकैडमी और झुंझुनू के मध्य खेला गया दोनों टीमें खेल का उच्च कोटि का प्रदर्शन किया पर फर्स्ट ऑफ में दोनों टीमें बराबर रही और अंतिम समय तक दोनों टीमे बराबर रही उसके बाद ट्राई ब्रेकर शूटआउट हुआ उसमें जोधपुर फुटबॉल अकैडमी, झुंझुनू, से 4 /2 से विजेता हुई।

भव्य समापन समारोह गुरुवार को सैनिक स्कूल मैदान पर गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। पूरे आयोजन के दौरान खेल भावना, अनुशासन और

प्रतिस्पर्धा का शानदार संगम देखने को मिला। समापन समारोह के मुख्य अतिथि छोटी सादड़ी के पूर्व प्रधान मनोहर लाल आंजना रहे, जबकि अध्यक्षता जिला फुटबॉल संघ अध्यक्ष पूरण आंजना ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष भैरूलाल चौधरी, पूर्व सरस डेयरी चेयरमैन बद्री लाल जगपुरा, राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के सेक्रेटरी दिलीप सिंह शेखावत, और संघ संयुक्त सचिव दिनेश सिंह, सुनील और पवन शर्मा मौजूद खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा।

राष्ट्रीय स्तर का रास्ता खुला: चित्तौड़गढ़ सेक्रेटरी फैसल खान ने जानकारी देते हुए बताया कि चार दिवसीय इस प्रतियोगिता खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट करते हुए चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया। इसी प्रतियोगिता के माध्यम से राजस्थान टीम का चयन किया जाएगा, जो छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेगी।

विजेता-उपविजेता का सम्मान: फाइनल मैच के पश्चात आयोजित समापन समारोह में अतिथियों द्वारा विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी, स्मृति चिन्ह एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर दर्शकों ने तालियों की गूंज से उनका उत्साह बढ़ाया।

वैशाली का जलवा, टॉप पर रहकर वर्ल्ड चैम्पियनशिप की ओर बढ़ाया कदम

नई दिल्ली, 10 अप्रेल। उज़्बेकिस्तान के जवोकिर सिंदरोव ने भारत के आर. प्रज्ञानानंदा को हराकर कैन्डिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए अपना दबदबा कायम रखा और दसवें दौर के बाद दो अंक की बड़ी बढ़त कायम कर ली। सिंदरोव ने इस टूर्नामेंट में छठी जीत हासिल करते हुए कुल आठ अंक कर लिए, जिसमें भारत के युवा ग्रैंडमास्टर पर यह दूसरी जीत भी शामिल थी।

राजस्थान वेटरन टीम ने विदर्भ वेटरन टीम को 5 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया

जयपुर, 10 अप्रैल। आईसीसी ग्राउंड, इंदौर में आयोजित तीन टीमों की मध्य क्षेत्र वेटरन टी-20 लीग में राजस्थान वेटरन टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विदर्भ वेटरन टीम को 5 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अब फाइनल मुकाबला कल मध्य प्रदेश और विदर्भ के बीच होने वाले मैच की विजेता टीम से होगा।

राजस्थान टीम ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। विदर्भ टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 172 रन बनाए। टीम की ओर से हरीश मुंगसे ने 70 रन (43 गेंद, 10 चौके, 2 छक्के) और प्रेषित चिलाले ने 24 रन का योगदान दिया। राजस्थान की ओर से गेंदबाजी में रियाज़ खान ने 32 रन देकर 4 विकेट, बनवारी लाल जाटौलिया ने 20 रन देकर 2 विकेट तथा दिनेश आर्य ने 27 रन देकर 2 विकेट प्राप्त किए। जवाबी पारी में राजस्थान की शुरुआत साधारण रही और 79 रन पर 5 विकेट गिर गए। हनुमत सिंह भाटी (30 रन), मोहम्मद अशरफ (23 रन) और अभिषेक शर्मा (12 रन) के आउट होने के बाद टीम संकट में थी। इसके बाद रियाज़ खान (44 रन नाबाद) और बनवारी लाल जाटोलिया (48 रन नाबाद) ने छठे विकेट के लिए 94 रन की नाबाद साझेदारी कर टीम को 5 विकेट से जीत दिलाते हुए फाइनल में पहुंचाया। इस मैच के मैन ऑफ द मैच रियाज खान रहे।

राजस्थान राज्य सीनियर व जूनियर (महिला व पुरुष) आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक प्रतियोगिता आज से

जयपुर, 10 अप्रैल। राजस्थान राज्य जिम्नास्टिक्स संघ के तत्वाधान में जिला जिम्नास्टिक्स संघ जोधपुर द्वारा आयोजित राजस्थान राज्य सीनियर व जूनियर (महिला व पुरुष) आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक प्रतियोगिता दिनांक 11 अप्रैल 2026 को चैनपुरा इंडोर स्टेडियम जोधपुर प्रारंभ हो रही है। कानसिंह राठौड़ की अध्यक्षता में इस प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोहपूर्वक किया जाएगा। प्रतियोगिता के आयोजन सचिव डॉ. शक्तिसिंह रावलोत ने बताया कि इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में आज 18 जिलों से लगभग 200 जिमनास्ट एवं 32 अधिकारीगण सहित लोकल वालंटियर्स भाग ले रहे है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PWD ELECTRICAL DIVISION BARAN

S.No. 19 Date 08.04.26

Notice Inviting Bid
(NIT No 02/2026-27)

Bids for 02 Electrical work at Baran are invited from interested bidders up to 06.00 PM of 27.04.2026 (Monday) Other particulars of bid may be visited on the procurement portalhttp://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rj.nic.in) of the Rajasthan State. The approximate value of the procurement is Rs 148.11 Lac

1. PWD2627WSOB00332
2. PWD2627WSOB00334

(Rachit Sharma)
Executive Engineer
PWD Elect. Dn Baran

DIPR/C/6697/2026

''ग्राम'' से किसान, वैज्ञानिक, निवेशक और नीति निर्माता को मिलेगा एक मंच- भजनलाल शर्मा

ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम 2026) के कर्टेन रेज़र कार्यक्रम को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संबोधित किया

जयपुर, 10 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अन्नदाता किसान मजबूत होगा तो देश-प्रदेश आगे बढ़ेगा। हमारी सरकार राज्य के किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि का सुदृढ़ इकोसिस्टम विकसित करने के लिए कृतसंकल्प है। इसी क्रम में जयपुर में 23 से 25 मई तक आयोजित होने वाले ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम- 2026) का आयोजन हो रहा है, जिसमें प्रदेशभर के किसानों को खेती के नवीनतम आधुनिक तरीकों की जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि ''ग्राम'' के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए 15 अप्रैल से ग्राम पंचायत स्तर पर किसान कल्याण से जुड़ी योजनाओं को लेकर रथ भेजे जाएंगे, जिससे किसान लाभान्वित हो सकें। इनमें सुझाव पेटिका भी रखी जाएगी, जिससे किसान योजनाओं से जुड़े अपने सुझाव भी दे सकें।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को राज्य ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक (ग्राम- 2026) मीट के कर्टेन रेज़र कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

मुख्यमंत्री शर्मा ने शुक्रवार को राज्य ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक (ग्राम- 2026) मीट के कर्टेन रेज़र कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ग्राम-2026 एक ऐसा मंच होगा, जहां किसान, वैज्ञानिक, निवेशक और नीति निर्माता मिलकर किसानों के सशक्तीकरण के लिए संवाद करेंगे। इस मीट के माध्यम से कृषि और उससे जुड़े सेक्टर्स पर एकेडेमिक-संस्थागत एवं विशेषज्ञों के अनुभव का लाभ प्रदेश के किसानों को मिल पाएगा। उन्होंने कहा कि हाल ही में केन्द्र सरकार द्वारा जयपुर में पश्चिमी क्षेत्रीय जोनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया था, जिसके माध्यम से कृषि उत्पादन, जल प्रबंधन, फसल सुरक्षा और प्राकृतिक खेती जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई थी।

इस दौरान कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि हमारी सरकार की

- **ग्राम 2026 का जयपुर में 23 से 25 मई को आयोजन होने जा रहा है। कार्यक्रम में शर्मा ने ग्राम 2026 के लोगो और ब्रोशर का अनावरण भी किया।**

प्राथमिकता है कि किसान पारम्परिक खेती से हटकर आधुनिक खेती की ओर बढ़ें तथा खेती में नई-नई तकनीकों का उपयोग कर समृद्ध एवं खुशहाल बनें। ग्राम-2026 के माध्यम से किसानों को विश्वभर से आए कृषि विशेषज्ञों से नवीनतम तकनीकों की जानकारी मिलेगी। साथ ही, वे वैश्विक मंच से भी जुड़ पाएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की अगुवाई में हमारी सरकार किसानों को आगे बढ़ाने एवं उनके सम्मान के लिए निरन्तर कार्य कर रही है।

इस दौरान शर्मा ने ग्राम के लोगो का अनावरण एवं ब्रोशर का विमोचन किया। इस अवसर पर पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत, सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित, विभिन्न अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में किसान मौजूद थे।

कांग्रेस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दक्षिणी राज्यों ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। स्टालिन और अन्य मुख्यमंत्रियों ने इस असंतुलित परिसीमन को स्वीकार करने से इनकार कर दिया, क्योंकि यह बड़े राज्यों, जैसे उत्तर प्रदेश, को ज्यादा ताकत देता है और अन्य राज्यों को असहाय छोड़ देता है।

साथ ही, छोटे राज्यों ने भी इसे स्वीकार करने से इनकार किया है, क्योंकि इससे उनकी भूमिका नगण्य हो जाएगी।

सितंबर 2023 में सरकार ने विपक्ष के समर्थन से एक बिल पारित किया था, जिसमें कहा गया था कि महिलाओं के आरक्षण को केवल जनगणना और परिसीमन के बाद ही लागू किया जा सकता है।

पर कांग्रेस ने कहा था कि ऐसा करने की जरूरत नहीं है, बस महिलाओं के आरक्षण को लागू किया जाए और इसे 2024 के लोकसभा चुनाव से प्रभावी किया जाए। अब सरकार एक अलग और जल्दबाजी वाली रणनीति अपना रही है, जो महिलाओं के आरक्षण के बजाय, राजनीतिक और रणनीतिक लाभ पर केन्द्रित है। कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष अब असमंजस की स्थिति में है, और वे संख्या प्रबंधन की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि संविधान संशोधन बिल विपक्ष के समर्थन के बिना नहीं लाया जा सकता।

कच्चे रास्ते पर सो रहे परिवार को ट्रेलर ने कुचला

माँ-बेटी और भांजी की मौत, तीन बच्चे गंभीर रूप से घायल

गुढ़ागौड़जी/झुंझुनूं, 10 अप्रेल (निसं)। थाना क्षेत्र जिले के नंगली दीपसिंह के समीप शुक्रवार अलसुबह ऐसा दर्दनाक हादसा हुआ, जिसने पूरे इलाके को दहला कर रख दिया। कच्चे रास्ते पर खुले आसमान के नीचे सो रहे एक भोपा परिवार पर अचानक मौत बनकर एक बेकाबू ट्रेलर चढ़ गया। भयावह हादसे में मां-बेटी और भांजी की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, भोपा समाज के रामस्वरूप और रूड़मल का परिवार गुरुवार शाम को ही नंगली दीपसिंह के पास एक खाली जगह पर आकर रुका था। रोजमर्रा की तरह सभी ने वहीं डेरा डाल लिया। रात को खाना खाने के बाद बच्चे और महिलाएं जमीन पर चादर बिछाकर खुले में सो गए। परिवार के साथ सो रहे लोगों में सुरेश भोपा की पत्नी होटकी, उसकी 13 साल की बेटी पायल उर्फ मोडी, 6 साल का बेटा संजय, 5 साल का बेटा संजीत, मुन्ना भोपा की 18 साल की बेटी रविना, 13 साल की बेटी प्रियंका, 8 साल का बेटा अनिल और 7 साल का बेटा सुनिल शामिल थे। सभी गहरी नींद

- **जिंदगी के लिए जूझ रहे बच्चों को जयपुर रैफर कर दिया गया है।**

में थे, तभी सुबह करीब चार बजे एक तेज रफ्तार ट्रेलर कच्चे रास्ते पर बेकाबू हो गया और सो रहे परिवार के ऊपर चढ़ गया, जिससे होटकी और उसके साथ सो रहे बच्चे बुरी तरह कुचल गए, जबकि अनिल बच गया। आसपास मौजूद लोगों और परिजनों ने तुरंत दौड़कर घायलों को संभाला। इस भयावह हादसे में होटकी की 13 वर्षीय बेटी पायल उर्फ मोडी की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल सभी लोगों को तुरंत गुढ़ागौड़जी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्रियंका को भी डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद सभी घायलों को झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान होटकी ने भी दम तोड़ दिया। घायलों में चार बच्चे अभी भी जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं। इनमें तीन की हालत गंभीर होने पर उन्हें जयपुर रैफर किया गया है, जबकि रविना का इलाज झुंझुनूं के राजकीय बीडीके अस्पताल में चल रहा है। हादसे के तुरंत बाद गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने ट्रेलर चालक को मौके पर ही पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी।

बताया जा रहा है कि चालक ने अपने परिजनों को फोन कर बुलाया, जिनकी गाड़ी से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। पीड़ित परिवार का आरोप है कि चालक के परिजन घायलों को अस्पताल में छोड़कर फरार हो गए। घटना के बाद शुक्रवार सुबह जब परिजन पोस्टमार्टम के लिए गुढ़ागौड़जी पहुंचे तो उनका गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने भोड़की चौराहे पर जाम लगा दिया, जिससे कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। मौके पर पहुंचे गुढ़ागौड़जी थानाधिकारी सीआई सुरेश रोलन ने समझाइश कर लोगों को शांत किया और जाम खुलवाया। सीआई ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि ट्रेलर को जब्त कर लिया गया है और आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया गया है, साथ ही मामले में सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पाक रक्षा मंत्री ने इज़रायल को ''शैतान'' और ''मानवता के लिए अभिशाप'' बताया

पर, इज़रायल के प्र.मंत्री नेतन्याहू की घुड़की के बाद यह पोस्ट डिलीट की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने गुरुवार को अभूतपूर्व रूप से भड़काऊ काम किया, उन्होंने इज़रायल को ''दुष्ट'' और ''मानवता के लिए अभिशाप'' कहा, क्योंकि उसने यूएस-ईरान युद्धविराम के बीच लेबनान पर हमला किया। इस पर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कड़ी नाराज़गी जताई।

आसिफ ने एक्स पर एक पोस्ट, जिसे अब डिलीट कर दिया है, में दावा किया कि ''इस्लामाबाद में शांति वार्ता चल रही है, लेकिन लेबनान में नरसंहार जारी है।''

उन्होंने लिखा, ''इज़रायल निर्दोष नागरिकों की हत्या कर रहा है, पहले गाज़ा, फिर ईरान और अब लेबनान, रक्तपात बिना रुके जारी है।''

आसिफ ने आगे कहा, ''मैं आशा करता हूं और प्रार्थना करता हूं कि जिन्होंने यूरोपीय यहूदियों को हटाने के लिए फिलिस्तीनी भूमि पर यह कैंसर

- **ख्वाज़ा आसिफ ने इज़रायल की तुलना कैंसर से की और कहा, इज़रायल सिर्फ लड़ाई चाहता है। उनका इशारा समझौता वार्ता के बीच में इज़रायल द्वारा लेबनान पर हमला करने के संदर्भ में था।**
- **नेतन्याहू ने इस पर कड़ा विरोध जताया और कहा, इज़रायल को ''कैंसर'' बताने का अर्थ है, वे इज़रायल का खात्मा करना चाहते हैं और जो इज़रायल का विनाश चाहते हैं, हम उनसे लड़ेंगे।**

जैसा राज्य बनाया, वे नर्क में जलें।''

नेतन्याहू ने कहा कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का इज़रायल को नष्ट करने का आ ान ''असहनीय'' है।

नेतन्याहू के कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट किया, ''यह कोई ऐसा बयान नहीं है, जिसे कोई सरकार सहन कर सके, खासकर उस सरकार की तरफ से, जो शांति के लिए तटस्थ मध्यस्थ होने का दावा करती है।''

इज़रायल के विदेश मंत्री गिदेओन सार ने भी पाकिस्तान के नेतृत्व की सार्वजनिक रूप से निंदा की, यह दर्शाते हुए कि यह दो देशों के बीच एक दुर्लभ प्रत्यक्ष कूटनीतिक टकराव है, जो औपचारिक संबंध नहीं रखते।

सार ने इसे ''साफ-साफ यहूदी-विरोधी भड़काऊ आरोप'' बताया और चेतावनी दी कि इज़रायल को ''कैंसर जैसा'' बताना, वास्तव में उसके विनाश की मांग करना है। उन्होंने कहा कि इज़रायल ''उन आतंकवादियों के खिलाफ अपनी रक्षा करेगा, जो इसके विनाश की कसम खाते हैं'', और यह दर्शाया कि तेल अवीव इस्लामाबाद से निकल रहे कड़वे भाषण को गंभीरता से ले रहा है।

इस बीच, नेतन्याहू ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने लेबनान के साथ ''जितनी जल्दी संभव हो, सीधे वार्ता'' करने का आदेश दिया है। यह कदम तब आया है, जब यूएस, इज़रायल और ईरान के बीच दो सप्ताह के नाज़ुक युद्धविराम पर खतरा मंडरा रहा है, विशेषकर इज़रायल के लेबनान में सैन्य अभियान की तेज़ी के बाद।

उनके कार्यालय ने बयान में कहा, ''लेबनान की बार-बार की मांग के मद्देनजर कि इज़रायल के साथ सीधे वार्ता खोली जाए, मैंने कल कैबिनेट को निर्देश दिया कि जितनी जल्दी संभव हो, लेबनान के साथ सीधे वार्ता शुरू की जाए।''

बयान में आगे कहा गया, ''वार्ता का मुख्य उद्देश्य हिज़बुल्लाह को निरस्त्र करना और इज़रायल और लेबनान के बीच शांति संबंध स्थापित करना होगा। इज़रायल आज लेबनान के प्रधानमंत्री द्वारा बेरुत को निरस्त्रीकरण करने के आ ान की सराहना करता है।''

हुमायूँ कबीर के वीडियो के बाद ओवैसी ने तोड़ा गठबंधन

ओवैसी ने कहा, उनकी पार्टी ऐसी किसी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं कर सकती, जिससे मुसलमानों की ईमानदारी पर प्रश्नचिन्ह लग जाए

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। चुनाव से कुछ दिन पहले, तृणमूल कांग्रेस ने राज्य की राजनीति में उस समय हलचल पैदा कर दी, जब उसने एक स्टिंग वीडियो जारी किया। वीडियो में आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) नेता हुमायूं कबीर वरिष्ठ भाजपा नेताओं के साथ अपने संपर्क के बारे में बात करते दिख रहे हैं। वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं हुई है और कबीर ने इसे एआई जनित बताते हुए खारिज कर दिया है।

वीडियो में यह बातचीत है कि कबीर को मुसलमान मतदाताओं को तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ वोट देने के लिए प्रभावित करने के लिए पैसा मिलेगा।

तृणमूल कांग्रेस ने किसी भी राजनीतिक नेता या पार्टी के खिलाफ कोई सीधे आरोप नहीं लगाए। परंतु अप्रत्यक्ष रूप से, टीएमसी भाजपा को इसमें घसीट लायी और कहा कि यह कदम एक बड़ी राजनीतिक योजना का हिस्सा प्रतीत होता है। गैर-टीएमसी पार्टियों ने इस दावे को खारिज कर दिया और कहा कि यह वीडियो ऐसे समय पर जारी किया गया, जब चुनावों से पहले यह लोगों का अधिक ध्यान खींचेगा।

इस राजनीतिक नाटक के बाद, असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने हुमायूं कबीर की ''आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी)'' के साथ गठबंधन तोड़ दिया। दोनों नेता

- **तृणमूल कांग्रेस द्वारा जारी वीडियो जिसमें हुमायूँ कबीर को भाजपा नेताओं के साथ तृणमूल के खिलाफ साजिश रचते हुए दिखाया गया है, को हुमायूँ ने ''एआई निर्मित'' कहकर खारिज कर दिया।**
- **तृणमूल छोड़ने के बाद, मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद बनाने का आह्वान कर हुमायूँ कबीर ने मुसलमानों में पैठ बना ली थीं, पर, इस वीडियो से उनकी छवि बिगड़ी है और इससे तृणमूल को फायदा होने की उम्मीद है।**

मुसलमान वोट बैंक को मजबूत करने के विचार से एक साथ काम मिलकर कर रहे थे, ताकि तृणमूल कांग्रेस को नुकसान पहुँचाया जा सके।

एआईएमआईएम ने ऑनलाइन पोस्ट में कहा, ''हुमायूं कबीर के खुलासे दिखाते हैं कि बंगाल के मुसलमान कितने संवेदनशील हैं। एआईएमआईएम ऐसे किसी भी बयान से जुड़ी नहीं रह सकती, जिसमें मुसलमानों की ईमानदारी पर सवाल उठता हो। आज एआईएमआईएम ने कबीर की पार्टी के साथ अपना गठबंधन वापस ले लिया है।''

एआईएमआईएम ने आगे कहा कि वह बंगाल में स्वतंत्र राजनीतिक आवाज़ के लिए एकल स्तर पर काम करेगी। यह घोषणा उस दिन की गई, जब ओवैसी कबीर की पार्टी के साथ बीरभूम, आसनसोल और कोलकाता सहित जिलों में संयुक्त अभियान शुरू करने वाले थे।

इस घटनाक्रम से मुसलमान बहुल जिलों मुर्शिदाबाद, मालदा और साउथ 24 परगना में टीएमसी की संभावनाएँ मजबूत हो सकती हैं।

कबीर, जो पूर्व में टीएमसी विधायक रह चुके हैं, ने मध्य बंगाल, खासकर मुर्शिदाबाद जिले में लोकप्रियता हासिल कर ली है, खासकर बाबरी मस्जिद शैली की मस्जिद बनाने के अपने आ ान के बाद। कबीर ने पिछले साल दिसम्बर में टीएमसी से निष्कासित होने के बाद अपनी पार्टी बनाई। कबीर अक्सर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर अल्पसंख्यक समुदाय के साथ अन्याय करने का आरोप लगाते रहे हैं।

जस्टिस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जस्टिस वर्मा ने उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी। उच्चतम न्यायालय ने जस्टिस वर्मा की याचिका खारिज कर दी थी।

'ट्रम्प ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से अमेरिका को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की ओर धकेलते रहे हैं, जबकि पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और जो बाइडेन ने ऐसे प्रस्तावों को पहले ठुकरा दिया था। तुर्किए की सरकारी समाचार सेवा अनाडोलू एजेंसी (एए) ने बोस्टन पब्लिक रेडियो पर दिए एक इंटरव्यू के हवाले से बताया कि अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी ने चेतावनी दी है कि ईरान के साथ युद्ध को लेकर राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का रवैया बड़े वैश्विक और आर्थिक नतीजों को जन्म दे सकता है। उन्होंने मौजूदा नाजुक सीज़फायर पर भी सवाल उठाए। साथ ही उन्होंने मौजूदा दो हफ़्ते के सीज़फ़ायर पर सवाल उठाते हुए इसे बेहद ढीला-ढाला बताया। अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी, जो एक पूर्व सीनेटर भी हैं और साल 2015 में उन्होंने ईरान के साथ परमाणु समझौते में बातचीत में अहम भूमिका निभाई थी।

प्र.मंत्री मोदी और ममता बनर्जी में तेज हुआ ''फिश वॉर''

प्र.मंत्री मोदी ने कहा, ममता बनर्जी की गलत नीतियों के कारण बंगाली लोगों को अन्य राज्यों से मछली मंगानी पड़ती हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पूर्वी मिदनापुर में एक सभा में कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पश्चिम बंगाल सरकार मछली पालन में राज्य को आत्मनिर्भर बनाने में विफल रही है, जबकि राज्य में इसकी भारी मांग है।

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस से पूछा कि पिछले 15 वर्षों में यह क्या कर रही थी, क्योंकि मछली की अत्यधिक मांग वाले

- **प्रधानमंत्री ने कहा, पश्चिम बंगाल में मछली उत्पादन के भारी अवसर हैं, फिर भी राज्य आत्मनिर्भर नहीं है।**
- **ममता बनर्जी ने पलटवार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री को खुद को अपडेट रखना चाहिए, हम पहले आँध्र से मछली मंगाते थे, पर, अब इसकी जरूरत नहीं पड़ती।**

इस राज्य को इसकी कमी को पूरा करने के लिए अन्य राज्यों से मछली लानी पड़ रही है।

प्रधानमंत्री मोदी की कड़ी आलोचना का जवाब देते हुए, बनर्जी ने नॉर्थ 24 परगना में एक रैली में आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि बंगाल पहले आंध्र प्रदेश से मछली आयात करता था, लेकिन अब ऐसा नहीं होता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री खुद को अपडेट रखें।

बनर्जी ने कहा, ''मैंने सुना कि आज उन्होंने कहा कि बंगाल में मछली का उत्पादन नहीं होता, जबकि बिहार ज्यादा उत्पादन कर रहा है और निर्यात भी कर रहा है। लेकिन आप बिहार में लोगों को मछली खाने की अनुमति नहीं देते। यहाँ हम बाजार से मछली खरीदकर खाते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सभा में कहा, ''पश्चिम बंगाल में मत्स्य पालन, मत्स्य उद्योग और सी फूड उत्पादन के मामले में बहुत बड़े अवसर हैं, यहाँ मछली की भारी मांग के बावजूद, राज्य मछली उत्पादन में आत्मनिर्भर नहीं है।''

उन्होंने इस जनसभा के एक वीडियो में कहा, ''आज भी बंगाल को घरेलू मांग पूरी करने के लिए अन्य राज्यों से मछली आयात करनी पड़ती है। सत्ता में 15 साल रहने के बावजूद, तृणमूल कांग्रेस आपको मछली जैसी बुनियादी चीज़ भी उपलब्ध कराने में विफल रही, वह भी राज्य के बाहर से लानी पड़ती है।''

प्रधानमंत्री ने इस स्थिति के लिए ममता बनर्जी पर सीधा हमला बोला और कहा, ''यह तृणमूल की भ्रामक नीतियों का एक स्पष्ट उदाहरण है। पिछले 11 वर्षों में भारत का कुल मछली उत्पादन दोगुना हो गया है।

भारत का सी फूड निर्यात दोगुना हो गया है। फिर भी, बंगाल में केवल तृणमूल सरकार की वजह से, जो उपलब्धि देश के बाकी हिस्सों में हासिल की गई, वह यहाँ नहीं हो पायी।''

रैली के दौरान उन्होंने कहा कि अगर भाजपा विधानसभा चुनाव जीतती है तो बंगाल के लिए छह गारंटियाँ दी जाएंगी। उन्होंने ''क्रूर'' तृणमूल सरकार को हटाने की मांग की तथा उस पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह ''विकास की नई विफलताओं के मानक बना रही है और राज्य को पीछे धकेल रही है।''

सीज़फायर दो पार्टियों के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाना चाहिए, कब तक टिकेगा।

तीसरा, संघर्ष का प्रॉक्सी के माध्यम से फैलाव, विशेषकर लेबनान और पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों में, जहाँ इज़रायल के अभियान व्यापक थिएटर को भड़काने का जोखिम उठाते हैं। इनमें से प्रत्येक आपस में जुड़ा हुआ है, और ये मिलकर ये संकट के अगले चरण को परिभाषित करते हैं।

होर्मुज़ स्ट्रेट अब भी सबसे महत्वपूर्ण लीवर बना हुआ है। वैश्विक तेल व्यापार का लगभग एक चौथाई हिस्सा इस संकरे मार्ग से गुजरता है, जिससे यह आर्थिक रक्तवाहिनी है, साथ ही धमनियों और रणनीतिक जाम के बिंदु, दोनों के रूप में काम करता है। ईरान के नियंत्रित व्यवधान ने सिर्फ कुछ देशों के जहाजों को पारगमन की अनुमति दी है और उसने स्ट्रेट बंद करने की क्षमता का संकेत भी दिया है। ईरान ने पहले ही दिखा दिया है कि असमानता पारंपरिक शक्ति से अधिक प्रभावशाली हो सकती है। पूरी तरह से बंद न होने पर भी, केवल अनिश्चितता ने शिपिंग लागत, बीमा प्रीमियम और ऊर्जा कीमतों को बढ़ा दिया है। भारत जैसे आयातक देशों के लिए, जोखिम केवल उच्च तेल बिल नहीं है, बल्कि वह अस्थिरता है, जो वित्तीय योजना और मुद्रास्फीति प्रबंधन को जटिल बनाती है।

सप्ताहों के बढ़ते तनाव के बाद प्रबंधित युद्धविराम अस्थायी शांति के अलावा कोई अधिक राहत नहीं देता। यह मुख्य विवादों को संबोधित नहीं करता: ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाएँ, अमेरिका-इज़रायल सुरक्षा समीकरण, और विभिन्न संगठनों के माध्यम से तेहरान का क्षेत्रीय प्रभाव। वास्तव में, यह विराम सभी पक्षों को पुनर्गठित होने का अवसर देता है। वॉशिंगटन अपनी निवारक क्षमता की सीमाओं का मूल्यांकन कर सकता है; तेहरान दबाव के लचीलेपन का परीक्षण कर सकता है, बिना उस सीमा को पार किए, जो भारी प्रतिशोध को आमंत्रित करे। यह क्लासिक ब्रिंकमैनशिप है, जहाँ संयम सामरिक है, परिवर्तनकारी नहीं।

अधिक चिंताजनक बात यह है कि संघर्ष क्षेत्र में फैल रहा है। लेबनान में इज़राइल के लगातार हमले और ईरान समर्थित समूहों की लगातार गतिविधियाँ यह संकेत देती हैं कि युद्धक्षेत्र छोटा नहीं हुआ, बल्कि स्थानांतरित हुआ है। ऐसे प्रॉक्सी टकराव संभावित इनकार की अनुमति देते हैं जबकि दबाव भी बनाए रखते हैं। फिर भी, ये गलत आकलन का जोखिम बढ़ाते हैं। एक उच्च-हानि वाला हमला या गलत संकेत युद्धविराम को तोड़ सकता है और व्यापक संघर्ष को जन्म दे सकता है, जिसमें कई अभिनेता प्रतिस्पर्धी लाल रेखाओं के साथ शामिल हो सकते हैं।

आर्थिक परिणाम पहले ही दिखाई देने लगे हैं। तेल बाजारों में तीव्र प्रतिक्रिया हुई है, लेकिन द्वितीयक प्रभाव अधिक दीर्घकालिक साबित हो सकते हैं। शिपिंग मार्गों में व्यवधान न केवल ऊर्जा, बल्कि रसायन, उर्वरक और मैन्युफैक्चरिंग के महत्वपूर्ण इनपुट को प्रभावित करता है। आपूर्ति श्रृंखलाएँ, जो पहले के झटकों से उबर ही रही हैं, फिर से तनाव का सामना कर रही हैं। वित्तीय बाजार, इस बीच, भू-राजनीतिक जोखिम प्रीमियम को शामिल कर रहे हैं, जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नकद पूंजी की स्थितियों को प्रभावित कर सकते हैं। उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए, इसका अर्थ मुद्रा दबाव और आयातित महंगाई होता है-एक असुविधाजनक मिश्रण, जब विकास अभी भी असमान है।

एक रणनीतिक सबक भी सामने आ रहा है। यह संघर्ष गहन राजनीतिक विवादों को हल करने में सैन्य श्रेष्ठता की सीमाओं को रेखांकित करता है। सटीक हमले और तकनीकी प्रभुत्व क्षमताओं को कमजोर कर सकते हैं, लेकिन उद्देश्य को समाप्त नहीं करते। भूगोल, प्रॉक्सी और आर्थिक जाम बिंदुओं का उपयोग करने की ईरान की क्षमता आधुनिक संघर्ष में व्यापक बदलाव को उजागर करती है, जहाँ प्रभाव नेटवर्क के माध्यम से लागू होता है, न कि मोर्चे से।

भारत के लिए, प्रभाव तत्कालिक है और इसकी कई परतें हैं। ऊर्जा सुरक्षा, प्रवासी सुरक्षा, और खाड़ी के माध्यम से व्यापार मार्ग, सभी परतें उजागर हो गई हैं। कूटनीतिक संतुलन, एक साथ अमेरिका, इज़रायल और ईरान के साथ संबंध बनाए रखना, में नयी कुशलता की आवश्यकता होगी। यह संकट भारत के ऊर्जा स्रोतों को विविधीकृत करने और रणनीतिक भंडार को मजबूत करने के प्रयासों को भी तेज कर सकता है।

अंत में, वर्तमान समय समाधान के बजाय पुनःसमायोजन के बारे में है। बंदूकें अस्थायी रूप से शांत हो सकती हैं, लेकिन मूल प्रतिस्पर्धा अब भी अनसुलझी है। आगे जो आने वाला है, वह स्थिरता की वापसी नहीं है, बल्कि अधिक जटिल संतुलन है, जहाँ तनाव प्रबंधित किया जाता है, मिटाया नहीं जाता, और अगली वृद्धि घोषित उद्देश्य से नहीं, बल्कि संचित घर्षण से उत्पन्न हो सकती है।

ईरान ने इस्लामाबाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दामाद जैरेड कुश्नर (जबरदस्ती) भी शामिल हैं।

ईरान ने पहले कह दिया था कि वह स्टीव विटकोफ या जैरेड कुश्नर के साथ बातचीत नहीं करेगा। दूसरी ओर, वैंस ने खुलासा किया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने वार्ता के लिए स्पष्ट निर्देश दिए हैं, साथ ही उन्होंने ईरान को चेतावनी दी कि अमेरिका के साथ खेल नहीं खेला जाए और वार्ता ईमानदारी से हो।

इन सब जटिलताओं के बीच, ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद गलीबाफ ने कुछ बहुत कठिन शर्तें रखी हैं, जिन्हें पूरा किए बिना वार्ता शुरू नहीं हो सकती।

गलीबाफ, जो संभवतया अब शक्तिशाली आईआरसीसी पर पूरी पकड़ रखने वाले असली सर्वोच्च नेता हो सकते हैं, ने मांग की कि वार्ता शुरू होने से पहले ईरान के सभी रोके गए फंड रिलीज़ किए जाएँ। अमेरिकी और पश्चिमी बैंकों में ईरानी फंड्स का एक बड़ा हिस्सा फ्रीज़ हैं, जो अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के आधार पर रोके गए हैं। ये मुख्य रूप से ईरान की तेल से हुई आय हैं।

ईरानी फंड्स को रिलीज़ करना कभी भी युद्धविराम वार्ता का हिस्सा नहीं रहा। गलीबाफ ने इसे चतुराई से उस समय उठाया, जब ईरान के लिए यह सबसे सुविधाजनक था।

दूसरी शर्त के रूप में, ईरान यह जोर भी दे रहा है कि लेबनान का मुद्दा शामिल हो और लेबनान में युद्धविराम हो, तभी वार्ता शुरू हो सकती है। यह ईरान के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि लेबनान स्थित हिज़बुल्लाह ईरानी स्टेट की एक विस्तारित शाखा है।

हिज़बुल्लाह पर इज़रायल लगातार हमले कर रहा है और उसे नुकसान पहुँच रहा है। अगर यह लगातार जारी रहा, तो ईरान की अपनी संरक्षित शासन प्रणालियों का समर्थन करने की प्रतिष्ठा भी खतरे में पड़ सकती है। यह ईरान के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसके कई आभासी शासन विभिन्न रूपों में लड़ाई लड़ रहे हैं।

गलीबाफ अच्छी तरह जानते हैं कि ये शर्तें अमेरिका या इज़रायल तुरंत पूरी नहीं कर सकते। ये शर्तें ईरान को वार्ता के दौरान अन्य रियायतें निकालने का अवसर देती हैं। ये शर्तें वार्ता को मूल मुद्दे, होर्मुज़ स्ट्रेट खोलने और उसमें स्वतंत्र पारगमन बहाल करने से भी भटका सकती हैं।

डॉनल्ड ट्रंप की पूर्व शर्तों में होर्मुज़ स्ट्रेट का तुरंत और बिना शर्त खुलना शामिल है। ट्रंप को एहसास है कि अगर होर्मुज़ स्ट्रेट बंद रहा और ईरान के नियंत्रण में रहा, तो तेल की कीमतें स्थायी रूप से उच्च हो सकती हैं। पेट्रोल पंप पर तेल की कीमतें अमेरिकी राजनीति में सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक हैं।

वार्ता की आंतरिक परिस्थितियों को देखते हुए, ट्रंप के लिए यह ईरानी नेताओं से अधिक जरूरी है कि एक उचित समझौता हो। ट्रंप के लोकप्रियता रेटिंग में जो सबसे अपमानजनक गिरावट आई है और यह मुद्दा उनके पुराने समर्थकों में भी निहित विरोध पैदा कर रहा है।

उच्च कीमतें अमेरिकी जनता के लिए सबसे बड़ी समस्या बन गई हैं और वे इसका विरोध करने लगे हैं। रिपब्लिकनों और पूर्व एमएजीए समर्थकों में भी ट्रंप के युद्ध के आदेश के खिलाफ असंतोष बढ़ रहा है।

ईरान को लुभाने के लिए, ट्रंप ने अब ईरान के साथ टोल्स संग्रह के एक साझा उद्यम का प्रस्ताव रखा है। सामान्यतः, किसी भी अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग पर किसी तटीय देश को पारगमन के लिए टोल लेने का अधिकार नहीं है। फिर भी, ट्रंप अब ईरान के साथ साझा टोल लेने का प्रस्ताव रख रहे हैं।

नीतीश ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सम्राट चौधरी सहित अन्य उपस्थित थे।

69 वर्षीय हरिवंश का पिछला कार्यकाल 09 अप्रैल को पूरा होने के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज उनको मनोनीत किया। उच्चतम न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई के राज्यसभा सदस्य के रूप में कार्यकाल पूरा होने के बाद एक सीट रिक्त हो गयी थी। राज्यसभा में कुल 12 सदस्यों को राष्ट्रपति मनोनीत करते हैं। इन सदस्यों को कला, साहित्य, विज्ञान, समाज सेवा में उल्लेखनीय योगदान के आधार पर चुना जाता है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908